राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 सचिन के 49 शतकों की बराबरी,277 पारी में पूरा किया कीर्तिमान ...

लगातार हार निराशाजनक, आस्ट्रेलिया से मैच गंवाकर पर बोले जोस ... 11

वर्ष : 11 | अंक : 175 | पटना, सोमवार , 06 नवंबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

कोहली के शतक व जडेजा का पंजा, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से धोया

विश्व कप में भारत का अजेय रहने का सिलसिला जारी, लगातार आठवीं जीत

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। विश्व कप 2023 के 37वें मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हरा दिया है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 326 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 83 रन बना सकी और भारत ने इस टूनार्मेंट में अजेय रहते हुए एक और आसान जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम इंडिया के अजेय रहने का सिलसिला जारी है। भारत लगातार आठ जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है और अब यह भी तय हो गया कि भारत शीर्ष पर ही रहेगा। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, यह टीम भी पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, लेकिन यह हार दक्षिण अफ्रीका के मनोबल के लिए बेहद नुकसानदेह होगी। इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट खोकर 326 रन बनाए। भारत के लिए सबसे ज्यादा नाबाद 101 रन विराट कोहली ने बनाए। उन्होंने वनडे में 49वां शतक लगाया और सचिन के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। श्रेयस अय्यर ने 77 और कप्तान रोहित ने 40 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए एडेन मार्करम को छोड़ सभी गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 83 रन बना सकी। सबसे ज्यादा 14 रन मार्को यानसेन ने बनाए। उनके अलावा डुसेन ने 13 रन और बावुमा-मिलर ने 11-11 रन बनाए। इनके

अलावा कोई भी अफ्रीकी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट लिए। मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया।

जड़ेजा ने लिए पांच विकेट : स्पिनर रविन्द्र जडेजा ने सबसे अधिक 5 विकेट लिया जबकि शमी और कुलदीप ने 2-2 विकेट झटका, वहीं, सिराज के हिस्से 1 विकेट आया। मैच में गेदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका पर शुरू से ही पकड़ बनाए रखा और अंततः उन्हें महज 83 रनों पर ढ़ेर कर दिया। मैच में कुलदीप और बुमराह ने काफी किफायती गेंदबाजी की।

कोहली का 49वां शतक : इससे पहले, मैच में कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टीम को अच्छी शुरूआत दी। मैच में कोहली ने शानदार शतक लगाया तो श्रेयस अय्यर ने 77 रनों की बेहतरीन पारी खेली।कोहली 49वां शतक लगाते ही मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के रिकार्ड की बराबरी कर ली।

भारत की लगातार आठवीं जीत: भारत और साउथ अफ्रीका की टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 की सबसे मजबूत टीमों में से एक है। भारत अभी तक इस टूनार्मेंट कोई भी मैच नहीं हारी है और यह उसकी लगातार आठवीं जीत है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में टीम इंडिया बेहतर फार्म में चल रही है, बात चोह बल्लेबाजी की हो या गेंदबाजी की, भारतीय टीम सभी फार्मेट में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने मुजफ्फरपुर के पताही में जनसभा को किया संबोधित, सरकार की गिनाई उपलब्धियां

पीएम मोदी ने आतंकवाद को खत्म किया : शाह

लोगों से की अपील- 40 की 40 सीटें देकर तीसरी बार नरेंद्र मोदी को बनाएं पीएम, तुष्टिकरण की राजनीति से रहें सावधान

प्रात : किरण

मुजफ्फरपुर/ संवाददाता। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि 2014 में बिहार की जनता ने मोदी जी को 31 सीटें दी और 2019 में 39 सीटें दी। इस बार 24 में 1 की कमी रह गई है इसीलिए 40 की 40 सीटें मोदी जी की झोली में डाल दीजिए। श्री शाह रविवार को मुजफ्फरपुर के पताही में सभा को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाई। श्री शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने 9 साल में इस देश से आतंकवाद को समाप्त करने का काम किया है। उन्होंने हुंकार भरते हुए प्रश्न किया कि मुझे बताओ बिहार के निवासियों कि कश्मीर हमारा है या नहीं है, धारा 370 हटनी चाहिए थी या नहीं हटनी चाहिए थी लेकिन ये आरजेडी और जदयू धारा 370 हटाने के पक्ष में नहीं थी, उनका कहना था कि धारा 370 हटाओगे तो कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी। खून की नदियां छोड़ो किसी की कंकर फैंकने की हिम्मत नहीं हुई है। मोदी ने ट्रिपल तलाक को प्रतिबंधित किया, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर के आतंकवाद की कमर तोड़ने का काम किया, चंद्रमा पर तिरंगा पहुंचाने का काम किया, नया संसद भवन बनाने का काम किया और माताओं-बहनों को 33 प्रतिशत आरक्षण विधानमंडल और संसद में देकर मातृशक्ति का सम्मान करने का काम भी प्रधानमंत्री ने किया है। उन्होंने कहा जब केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी और लालू जी मंत्रिमंडल में थे, तब 10 साल में बिहार को 1 लाख 50 हजार रुपये दिए गए, परंतु मोदीजी ने 9 साल में बिहार की विकास के लिए 6 लाख करोड़ का अनुदान और हस्तांतरण किया है। इसके अलावा 4 लाख 50 हजार करोड़ रुपये दिए हैं, जिनमें 2 नई वंदे भारत ट्रेन, 3 मेट्रो ट्रेन, 2584 करोड़ से 49 रेल्वे नए रेलवे स्टेशन, पटना हवाईअड्डा और

गया के हवाईअड्डे का आधुनिकरण करने का काम श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

श्री शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने 89 लाख किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। बिहार में 80 लाख से ज्यादा आयुष्मान योजना के लाभार्थी हैं, 1.3 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं, 1 करोड़ 80 लाख गरीबों को प्रतिव्यक्ति प्रतिमाह 5 किलो अनाज दिया जा रहा है। कल ही प्रधानमंत्री ने ऐलान किया है कि वे अगले और 5 साल तक गरीबों को और अनाज देने का काम करेंगे। बिहार में मोदी सरकार ने 23 लाख गरीबों को गैस का सिलिंडर दिया और 26 हजार गरीबों को घर देने का काम भी भाजपा की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने जंगलराज के खिलाफ वोट दिया था, मगर नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री बनने के लिए बिहार की जनता को जंगलराज की भेंट चढ़ा दिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका एक ही एजेंडा है - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना। इनको जब शासन मिला, तब 12 लाख करोड़ के घपले घोटाले किए थे और भ्रष्टाचार का विरोध करने वाले नीतीश बाबू आज इन लोगों के साथ सत्ता का सुख भोग रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2ऋघोटाला करने वाले इंडी गठबंधन वाले चाहिए या 2ऋदेने वाले नरेन्द्र मोदी चाहिए। इंडी गठबंधन वाले परिवार की दुकान चलाने वाले लोग हैं, एक को प्रधानमंत्री बनना है और दूसरे को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है, मैं यहाँ दोनों को कहने आया हूँ कि नीतीश बाबू, प्रधानमंत्री पद की चाह छोड़ दो, इंडी गठबंधन ने तो आपको संयोजक भी नहीं बनाया आप कहीं के भी नहीं रहे। मैंने पहले ही कहा था लेकिन आप माने नहीं , तेल और पानी का कभी मिल नहीं सकते हैं। ये अलग-अलग ही रहते हैं।

श्री शाह ने कहा कि नीतीश कुमार ने जो जातिगत सर्वे कराया है वह एक छलावा है। बिहार के जातिगत सर्वे का निर्णय भाजपा ने बिहार सरकार में रहते हुए लिया था, लेकिन मगर लालू-नीतीश की सरकार ने यादव और मुसलमानों की संख्या बढ़ा कर अति-पिछड़े वर्ग के साथ अन्याय करने का काम किया। कांग्रेस ने भी हमेशा से पिछड़ा समाज का बहिष्कार और विरोध भी किया परंतु नरेन्द्र मोदी ने हमेशा पिछड़ा समाज का सम्मान करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि लालू -नीतीश में हिम्मत है तो इंडिया गठबंधन के किसी अति पिछड़ा नेता को बिहार का मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा करें। उन्होंने कहा कि बिहार में जातीय जनगणना कराने का फैसला जब हुआ था , बीजेपी सत्ता में थी। लेकिन जब जातीय गणना की रिपोर्ट आयी तो उसमें साजिश रच दी गयी। राजद ,जदयू समेत कांग्रेस पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि लालू-नीतीश और कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ों का विरोध किया है। भाजपा ने इन्हें उचित सम्मान देने का काम किया है। इसी का परिणाम है कि आज नरेंद्र मोदी जी के मंत्रिमंडल में 27 मंत्री ओबीसी समाज से आते हैं। श्री शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार ने नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और केंद्रीय स्कूल में एडमिशन में पिछड़ों और अति पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। आईआईटी में पिछड़ा और ईबीसी में फीस माफ किया। मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन में ओबीसी को आरक्षण दिया। बिहार सरकार पर मुसलमानों की तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में मुस्लिम तुष्टिकरण किया जा रहा है। अगर इसे रोका नहीं गया तो सीमांचल के क्षेत्र में बहुत बडी गड़बड़ी होने वाली है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार फिर से लालू राज आ गया है। यानि गुंडों का राज आ गया है। अपहरण से लेकर हत्या और लूट की ताबड़तोड़ घटनायें हो रही है। 10 लाख नौकरी देने की बात करने वाले अब रोजगार मांगने वाल युवाओं की रैली पर लाठी चार्ज करा रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इंडी अलायंस वालों ने इस मामले को लटकाए रखा लेकिन नरेंद्र मोदी जनवरी में यहां प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। आप सबों को मेरा निमंत्रण है।

जयशंकर ने ईरानी समकक्ष से की बात, पश्चिम एशिया में गंभीर स्थिति पर चर्चा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को अपने ईरानी समकक्ष हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियान से बात की और इस्राइल-हमास संघर्ष पैदा हुई गंभीर स्थिति पर चर्चा की। फोन पर हुई बातचीत में जयशंकर ने आमिर-अब्दुल्लाहियान को संघर्ष को बढ़ने से रोकने के महत्व और गाजा में लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने की आवश्यकता से अवगत कराया। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियान से बात की। पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा, तनाव बढ़ने से रोकने और मानवीय सहायता प्रदान करने के महत्व से अवगत कराया। संपर्क में रहने के लिए सहमत हुए।

इससे पहले जयशंकर ने शनिवार को इस्राइल के विदेश मंत्री एली कोहेन से फोन पर बातचीत की थी। सात अक्तूबर को हमास आतंकवादियों द्वारा इस्राइली शहरों पर हुए अभूतपूर्व हमलों के बाद इस्राइल गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य हमले कर रहा है। हमास ने इस्राइल में करीब 1,400 लोगों की हत्या कर दी थी और 220 से ज्यादा अन्य को बंधक बना लिया।

गाजा के अधिकारियों के मुताबिक, इस्राइल के जवाबी हमले में नौ हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इससे पहले, जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल्बुसैदी के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की थी। पिछले महीने भारत ने इस्राइली शहरों पर हमास के हमलों को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्णित किया था। हालांकि, साथ ही इस्राइल के साथ शांति से रहने के लिए फलस्तीन के एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य राज्य की स्थापना की दिशा में बाचतीत की वकालत की थी और लंबे समय से कायम अपने स्टैंड को साफ किया था।

संक्षिप्त खबरें

अब तीनों सेनाओं में सभी रैंक की महिलाओं को मिलेगा एक समान अवकाश

नई दिल्ली। अब तीनों सेनाओं में सभी रैंक की महिलाओं को मातृत्व और बच्चों की देखभाल के लिए एक समान अवकाश मिलेगा। छुट्टी के नियमों में विस्तार करने और एक समान रूप से लागू करने पर सशस्त्र बलों की सभी महिलाओं को अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के बराबर मातृत्व, बाल देखभाल और बाल गोद लेने की छुट्टियों के नियमों के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को समान रूप से छुट्टियां मिलेंगी, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक में कार्यरत हों। रक्षा मंत्रालय का यह फैसला सशस्त्र बलों में सभी महिलाओं की समावेशी भागीदारी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। छुट्टी नियमों में विस्तार देने से सशस्त्र बलों से संबंधित महिलाओं को पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। इससे सेना में महिलाओं की कार्य स्थितियों में सुधार होगा और उन्हें पेशेवर और पारिवारिक जीवन के क्षेत्रों में बेहतर तरीके से संतुलन बनाने में मदद मिलेगी।

राहुल गांधी ने बाबा केदार के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

देहरादून/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी रविवार को केदारनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने बाबा केदार के दर्शन कर पूजा अर्चना की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज हेलीकाप्टर से केदारधाम पहुंचे। उन्होंने बाबा के धाम में पूजा-अर्चना कर पुजारियों से भेंट मुलाकात की। यह राहुल गांधी की निजी यात्रा बताई जा रही है। राहुल गांधी ने अपनी इस उत्तराखंड दौरे पर पार्टी पदाधिकारियों से भेंट का कोई कार्यक्रम नहीं रखा है। उनकी इस यात्रा को पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। वह कहां रुकेंगे, कहां रहेंगे ? इस बात की भी जानकारी नहीं दी गई है। फिलहाल राहुल गांधी मंगलवार को केदारनाथ से दिल्ली के रवाना होंगे।

भारत ने पहली बार रक्षा उद्योग में दी 100 फीसदी एफडीआई को मंजूरी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार रक्षा उद्योग में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी दे दी है। स्वीडिश कंपनी साब ने रक्षा परियोजना में भारत का पहला 100 फीसदी एफडीआई हासिल किया है। यह मंजूरी हरियाणा में फैक्टरी की स्थापना करने के लिए दी गई है। इस फैक्टरी में एंटी आर्मर, एंटी टैंक, बंकर और कार्ल-गुस्ताफ एम4 रॉकेट लॉन्चर का भी निर्माण किया जाना है। भारतीय सेना पहले से ही कंधे से दागे जाने वाले रॉकेट का इस्तेमाल कर रही है। इन रॉकेट लॉन्चरों का यूक्रेन-रूस युद्ध में जमकर इस्तेमाल हो रहा है। भारत ने अभी तक रक्षा उद्योग में 74 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति दी है। हालांकि 2015 में एफडीआई मंजूरी के नियमों में ढील दी गई थी, लेकिन अब तक कोई भी विदेशी कंपनी रक्षा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति नहीं ले पाई थी। यह पहला मौका है, जब स्वीडिश कंपनी साब ने रक्षा परियोजना में भारत का पहला 100 फीसदी एफडीआई हासिल किया है। सूत्रों ने कहा कि 500 करोड़ रुपये से कम मूल्य के एफडीआई प्रस्ताव को पिछले महीने मंजूरी दे दी।

केंद्र सरकार पूरे देश में जातीय गणना करा अपने आँकड़े जारी क्यों नहीं करती ? तेजस्वी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना ।उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गृहमंत्री अमित शाह के भाषण पर जमकर निशाना साधा है। तेजस्वी ने कहा है कि गृहमंत्री अमित शाह झूठ व भ्रम फैलाने की बजाय बताएँ कि अगर बिहार के जातीय सर्वे के आँकड़े गलत है तो केंद्र सरकार पूरे देश और सभी राज्यों में जातीय गणना करा अपने आँकड़े जारी क्यों नहीं करती ?

बीजेपी शासित राज्यों में बीजेपी जातिगत गणना क्यों नहीं कराती ? केंद्र सरकार में कितने ओबीसी, एससी व एसटी कैबिनेट मंत्री है और कितने गैर ओबीसी, एससी व एसटी सूची जारी करें। खानापूर्ति के लिए इक्का-दुक्का मंत्री है भी तो उन्हें गैर-महत्त्वपूर्ण विभाग क्यों दिया हुआ है ?

बीजेपी के कितने मुख्यमंत्री ओबीसी, एससी व एसटी है ? पिछड़ा और गैर-पिछड़ा मुख्यमंत्री का तुलनात्मक प्रतिशत बताएँ ? बीजेपी

के बिहार से केंद्र में कितने पिछड़ा और अतिपिछड़ा केबिनेट मंत्री है ? जीरो है जीरो ? तेजस्वी ने आगे कहा है कि जवाब देंगे, तो आपके साथ-साथ हिंदुओं की। प्रतिशत पिछड़ा और दलित आबादी की भी आँखें खुल जायेंगी। वहीं, पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी ने कहा कि हमने अमित शाह का बयान सुना जिसमें उन्होंने कहा है कि जाति-जनगणना में यादव, मुसलमान लोगों की जनसंख्या बढ़ाई गई है और बाकी लोगों की कम की गई है। हम यही कहना चाहते हैं कि अगर इतना ही गलत हुआ है तो वे देश भर में जाति-जनगणना करा लें।

साढ़े नौ वर्ष में कितने युवाओं को नौकरी दी ? : ललन

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अमित शाह के भाषण पर कसा तंज

प्रात : किरण

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह ललन ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि श्री शाह मुजफ्फरपुर की जनसभा में तर्कहीन और अनर्गल भाषण दे रहे थे। वह कह रहे थे कि जातीय गणना का आंकड़ा गलत है, अगर उनकी यह बात सच है तो मुजफ्फरपुर में उन्होंने देशव्यापी जातीय जनगणना करवाने की घोषणा क्यों नहीं की ? इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। श्री सिंह रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अमित शाह का स्क्रिप्ट राइटर उन्हें गलत जानकारी दे रहा है इसलिए वो बिहार आकर बार-बार गलतबयानी करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जब नीतीश कुमार को जनाधार के तौर पर कमजोर नहीं कर सकी तो उन्होंने साजिश रचकर पीठ में छुड़ा घोपने का काम किया। जदयू के खिलाफ भाजपा के बी टीम द्वारा प्रत्याशी उतारा गया और इस सजिश में हमारी पार्टी के भी एक नेता

शामिल थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि गठबंधन में रहते हुए भाजपा द्वारा अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हमारी पार्टी के विधायकों को तोड़ा गया और इसके सूत्रधार गृहमंत्री श्री अमित शाह ही थे। 2005 में जदयू सबसे बड़ी पार्टी थी और 2010 में हमारे पास 118 विधायक थे, हम चाहते तो अकेले सरकार बना सकते थे लेकिन हमने गठबंधन धर्म का पालन किया और भारतीय जनता पार्टी को कंधे पर बिठाने का काम किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अमित शाह मुजफ्फरपुर की रैली में कह रहे थे कि जातीय गणना का जब फैसला हुआ था तब भाजपा बिहार सरकार में शामिल थी। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए था कि बिहार विधानमंडल ने दो बार देशभर में जातीय जनगणना करवाने का प्रस्ताव पारित करवाया था। उन्हें यह भी बताना चाहिए था कि जदयू के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री अमित कुमार से मिलकर देशभर में जातीय जनगणना करवाने की मांग की थी। उन्होंने यह बात नहीं बताई की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी सभी दलों के प्रतिनिधि के साथ प्रधानमंत्री से मिलकर जातीय जनगणना करवाने की मांग की थी लेकिन उसे केंद्र सरकार द्वारा रिजेक्ट कर दिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अमित शाह दोहरे चरित्र के व्यक्ति हैं। एक तरफ वह कह रहे थे कि जातीय गणना करवाने में भाजपा भी शामिल थी और दूसरी तरफ उन्होंने जातीय गणना में रुकावट पैदा करने के लिए भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल को सुप्रीम कोर्ट में खड़ा करवाने का काम किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अमित शाह को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीखने की आवश्यकता है कि शोषित और वंचित समाज को सशक्त कैसे किया जाता है।

तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त थिएटर कमांड का 'ब्लूप्रिंट' तैयार, अब सिर्फ सरकार की मंजूरी का इंतजार

- पांच थिएटर कमांड करेंगी पूरे देश की जमीनी, समुद्री और हवाई सुरक्षा
- चीन और पाकिस्तान के लिए अलग से बनेंगी एक-एक थिएटर कमांड

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। आखिरकार लम्बे इंतजार के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के लिए संयुक्त थिएटर कमांड की रूपरेखा तैयार हो गई है। रक्षामंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रक्षा समिति के प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के बाद अब भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार है। चीन-पाकिस्तान के लिए एक-एक और समुद्री खतरे के लिए अलग से एक कमांड होगी। एक एयर कमांड होगी, जिसमें तीनों सेनाओं की वायु संपत्तियां एक साथ काम करेंगी। मिलिट्री थिएटर के नीचे सभी सेनाएं एक की तरह काम करेंगी। इस तरह कुल पांच थिएटर कमांड के हवाले पूरे देश की जमीनी, समुद्री और हवाई सुरक्षा की जिम्मेदारी होगी। दुनिया में बदलते युद्ध के पारंपरिक तौर-तरीके और 'मॉडर्न वार' को देखते हुए चीन एवं अमेरिका की तर्ज पर तीनों सेनाओं का पुनर्गठन करके थिएटर कमांड बनाने की प्रक्रिया देश के पहले सीडीएस दिवंगत जनरल बिपिन रावत ने शुरू की थी, लेकिन हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनके निधन के बाद से यह प्रक्रिया धीमी पड़ गई थी। सशस्त्र बलों ने रक्षामंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय रक्षा समिति के तहत थिएटर कमांडरों के प्रस्ताव के साथ एकीकृत थिएटर कमांड की अंतिम रूपरेखा तैयार की है, लेकिन मानव संसाधन से संबंधित कुछ मामलों पर निर्णय लिया जाना बाकी है। इन प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के बाद अब भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार है। मौजूदा समय में सेना और वायु सेना के पास सात-सात, जबकि नौसेना के पास तीन कमांड हैं, लेकिन पुनर्गठन होने पर थिएटर कमांड में भारत की तीनों सेनाओं नौसेना, वायुसेना और थल सेना की टुकड़ियां शामिल होंगी।

सभा प्रधानमंत्री ने खंडवा के छैगांवमाखन में अपनी सभा के दौरान कांग्रेस पर कसा तंज

कांग्रेस समाज को बांटने के लिए रच रही साजिशें : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खंडवा के छैगांवमाखन में अपनी सभा के दौरान कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी भूख ज्यादा तेज हो गई है। कांग्रेस ने अपने भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से मप्र को बहुत बड़े गड्ढे में धकेल दिया था! भाजपा ने ही मध्य प्रदेश को गड्ढे से निकाला है और इसमें भाजपा की 3-4 पीढ़ियां खप गईं। इसलिए हमें मध्य प्रदेश को कांग्रेस के चंगुल से बचाकर रखना होगा।इसलिए खासकर एमपी के हमारे नौजवान जो पहली बार वोट डालने जा रहे हैं उनसे मैं खास आग्रह करूंगा कि आपने उनका राज नहीं देखा है। जब आप 8-10 साल के थे, तब वे सत्ता में थे। इसलिए आपको उनके खतरनाक खेल का पता नहीं है। जरा अपने परिजनों से पूछना, अपने बुजुर्गों से पूछना। माता-पिता से पूछना। उस समय क्या हाल था, तो आपकी आंखें फट जाएंगी। यह कैसा मध्य प्रदेश बना करके रखा था। जिसके बाद ही जनता ने हाथ जोड़कर के कांग्रेस को यहां से भगा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को नौजवानों की दुश्मन बताते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि जितने भी हमारे साथी हैं, और

मैं खास करके हर माता-पिता से भी कहता हूं कि वे अपने बच्चों को बिठा कर उन्होंने जिस तरह से कांग्रेस राज में मुसीबतें झेलीं है उन्हें इन्हें बताएं। जिससे इसके बारे में उनको पता चले कि अच्छा ऐसे लोग भी मध्य प्रदेश में राज करते थे। और इसके जरिये नौजवानों को बहुत मदद मिलेगी और वह सही निर्णय कर पाएंगे, और वह अपना भविष्य भी पक्का कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने फिर से नौजवानों को कहा कि हो सकता है कि ये औरों के लिए तो सिर्फ ये सरकार बनाने के लिए वोट हो सकता होगा, लेकिन आपके लिए यह आपका भविष्य बनाने के लिए ये वोट है।

मोदी के लिए हर गरीब ही सबसे बड़ी जातिः पीएम ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने देश के लिए क्या-क्या नहीं किया। देश के कोने-कोने में जाकर देश को जोड़ा था। आज कांग्रेस क्या कर रही है। कांग्रेस आज समाज को बांटने के लिए साजिशें रच रही है। कांग्रेस भ्रम फैला रही है, झूठ बोल रही है। कांग्रेस लोगों को बांटकर वोट की फसल काटना चाहती है। मप्र के लोगों को मप्र के भविष्य के लिए ये तोड़ने वाली, बांटने वाली विचारधारा को जमींदोज कर देना है। कांग्रेस को रोकने के लिए मप्र के लोगों का एकजुट रहना जरूरी है। भाजपा सबका साथ, सबका विश्वास के साथ बढ़ रही है। मोदी के लिए देश में गरीब ही सबसे बड़ी जाति है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस यहां सरकार बनाने के लिए क्यों छटपटा रही है। क्या जरूरत पड़ गई है। पागल की तरह दौड़ रही है। कांग्रेस का इरादा साफ है। कांग्रेस एमपी को अपनी पार्टी का एटीएम बनाना चाहती है। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी आमसभा थी। वे भारतीय जनता पार्टी के निमाड़ की 12 विधानसभा के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने यहां पहुंचकर भाषण से पहले जिले की तीर्थ नगरी में स्थित बाबा ओमकार की और खंडवा के प्रसिद्ध अवधूत संत दादा धूनीवाले के जयकारे लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने खंडवा को आस्था, श्रद्धा सहित इतिहास और आधुनिकता की संगम स्थली तक बताया।

संक्षिप्त खबरें

रुई के दुकान में लगी आग, जलकर राख

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सदर बाजार में चार रूई का दुकान जल कर राख हो गया। अग्निशमन दस्ता ने स्थानीय लोगो के सहयोग से आग पर काबू पाया आग लगी में लगभग दो लाख रुपए के संपति की क्षति होने की बात कहीं जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार देर रात अचानक सदर बाजार स्थित रूई के दुकान में आग लग गई देखते ही देखते आस पास के चार दुकानो को आग अपने चपेट में ले लिया। आग की उठती लपट व धुआं के गुब्बार उठता देख लोग आग बुझाने दौड़े व अग्निशमन को सूचित किया। सूचना पर पहुंची अग्निशमन के दस्ता ने काफी मशक्कत के बाद लोगो के सहयोग से आग पर काबू पाया। आग लगी मे पतलापुर निवासी मो असलम, मुश्ताक व स्थानीय बिन्देश्वर समेत चार रूई की दुकाने जल गया।

बदमाशों ने एक व्यक्ति के खाता से निकाले 93 हजार रुपए

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत साइबर बदमाशो ने एक व्यक्ति के दो खातो से 93 हजार रुपए की निकासी कर ली। मोबाइल पर पैसे निकासी की मैसेज देख परेशान संजय कुमार ने लिखित शिकायत दर्ज करायी। पुलिस मामले की छानबीन में लगी है। बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के आर के पूरम न्यू एजी कालोनी निवासी संजय कुमार को एक नंबर से फोन आया। बार बार फोन पर उन्होने उठाया। फोन करने वाले बताया कि मै बैंक से बोल रहा हू। आपके खाते से फ्राड हुआ है। जिस पर गुस्सा आ गया। थोड़ी देर बाद दो अलग अलग खाते पैसे निकासी की मैसेज आ गया।

अनियंत्रित ट्रक ने युवक को कुचला

फतुहा। रविवार को रायपुरा स्थित ईमली चौक के पास स्टेट हाइवे पर एक अनियंत्रित ट्रक ने 40 वर्षीय युवक को बुरी तरह रौंद दिया। गंभीर रुप से जख्मी युवक को तत्काल सीएचसी स्थानीय लोगों व पुलिस के मदद से सीएचसी लाया गया। अति गंभीर हालत रहने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल पटना पीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया गया। लेकिन पीएमसीएच पहुंचने से पहले ही रास्ते में युवक की मौत हो गयी। युवक की पहचान नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र के खपराहा नवादा गांव निवासी फकीरा दास के 40 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार रविदास के रुप में हुई है। बताया जाता है कि मृतक स्थानीय फैक्ट्री एरिया में स्थित एक मोबिल बनाने वाली कम्पनी में काम करता था। रविवार को वह सुबह अपने बहन के घर हरदास बिगहा हरी सब्जी लाने के लिए गया था। लौटने के क्रम में वह रायपुरा इमली चौक के पास सड़क पार करने के क्रम में अनियंत्रित ट्रक ने उसे बुरी तरह रौंद दिया। घटना के बाद चालक ट्रक को खुसरुपुर की ओर ले भागने में सफल हो गया। पुलिस के मुताबिक उसके परिवार वालों को सूचना दे दी गयी है।

लूटपाट करने वाले दो लुटेरे गिरफ्तार

फतुहा। फतुहा -खुसरुपुर स्टेट हाइवे पर ट्रक को रोककर हथियार के बल पर लूटपाट कर रहे दो लुटेरों को खुसरुपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक लुटेरे के पास से एक राइफल व दो जिंदा गोली भी बरामद किया है। यह घटना खुसरुपुर के बैकटपुर स्थित देवी स्थान के पास स्टेट हाइवे की है। इस बात की जानकारी प्रेस वार्ता के जरिए फतुहा डीएसपी सियाराम यादव ने बताया कि पुलिस को जैसे ही सूचना मिली कि दो लड़के स्टेट हाइवे पर ट्रक वालों से लूटपाट कर रहा है तो तत्काल 112 की टीम के साथ खुसरुपुर थानाध्यक्ष को घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस को देखते ही दोनों लुटेरे भागने लगे लेकिन पुलिस ने खदेड़ कर एक बदमाश को राइफल व गोली के साथ पकड़ लिया तथा दुसरा बदमाश भागने में सफल हो गया। लेकिन पुलिस ने दो घंटे के अंदर ही फरार हुए दुसरे लुटेरे को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लुटेरों में खुसरुपुर के ही बैकटपुर राज वाड़ा टोला निवासी पंकज कुमार व मोनु कुमार शामिल है। पुलिस ने पंकज कुमार के पास से ही राइफल व गोली बरामद किया है।

तीन ट्रैक्टर बालू व 3 चालक गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। मालसलामी थाना की पुलिस ने अवैध रूप से बालू का परिवहन और खरीद-बिक्री किए जाने के मामले में कार्रवाई की है। इसे लेकर पुलिस ने तीन ट्रैक्टर बालू के साथ तीन चालक को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार तीन ट्रैक्टर बालू दीदारगंज के पास से जब्त किया गया है। साथ ही तीनों ट्रैक्टर पर रहे चालक से जब पूछताछ कर कागजात की मांग की गई, तो बालू का कोई भी कागजात या चालान नहीं दिखाया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों में टेकारी निवासी अनिल कुमार, जहानाबाद का शशि कुमार और नालंदा का नीतीश कुमार है। चालकों ने पूछताछ में बताया कि बालू की चोरी कर वे सब बेचने का काम करते हैं। एएसआई सुभाष चंद्र यादव के द्वारा इन सबों के खिलाफ थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

अज्ञात वाहन के धक्के से दंपत्ति घायल, बेटे की मौत

स्कूटी से जकरियापुर से जा रहे थे हिलसा, शशिअंजना एनएमसीएच में है नर्स

पटना सिटी,प्रात :किरण संवाददाता

दीदारगंज थाना क्षेत्र के एनएच 30 टोल टैक्स प्लाजा के आगे पूरब में स्कूटी सवार दंपति और किशोर को अज्ञात वाहन ने पीछे से धक्का मार दिया। रविवार की सुबह घटित घटना इस घटना में बालक की मौत हो गई, जबकि दंपति घायल हो गए। दीदारगंज थाना का पुलिस चौकी एनएच 30 पर अवस्थित है। यहीं पर कोई वाहन सवार ने आकर सूचना दिया कि आगे में एक्सीडेंट हो गया है, जिसमें एक युवक, युवती और एक बच्चा सड़क पर गिरा पड़ा है। सूचना मिलने के बाद मौजूद पुलिस वाले घटनास्थल के लिए गएऋ वहां उन्होंने देखा कि तीनों सड़क पर घायल पड़े हैं। पुलिस वालों ने उन तीनों को उठा कर किनारे किया। अंततः घायल पति-पत्नी ने अपना परिचय दिया। तीनों को उठा कर इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इमरजेंसी में लाया गया। यहां आते ही गेट पर रहे अटेंडेंट ने यहां रही नर्स कुमारी शशि अंजना सिन्हा को पहचान लिया और आनन-फानन में तीनों को इलाज के लिए भर्ती किया गया। जांचोपरांत चिकित्सक ने विपिन व शशि के पुत्र अंशुवीर को मृत घोषित कर दिया। यहां सीओटी में इंचार्ज सावित्री कुमारी भी सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंचीं और इलाज की पूरी व्यवस्था में साथ दिया। बताया जाता है कि कुमारी शशि अंजना का दाहिना हाथ घायल हो गया था, जबकि उनके पति विपिन कुमार का भी हाथ में फ्रैक्चर है। शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोट आई है। यह तीनों अगमकुआं थाना क्षेत्र के जकरियापुर से स्कूटी के द्वारा नालंदा जिला के हरनौत थाना क्षेत्र के गांव जा रहे थे। इसी दौरान दीदारगंज चेकपोस्ट से कुछ पूरब पीछे से अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया। इस घटना में तीनों वाहन से सड़क पर फेंका गए थे। हालांकि बताया जाता है कि धक्का मारने वाला वाहन ट्रक था, लेकिन वह वाहन और न ही उसका चालक या खलासी पकड़ा गया है।

श्री अकाल तख्त साहिब से ग्रंथी गुरदयाल को भेजने पर जताई गई आपत्ति

राजगीर से आने के बाद अमृत बेले में ड्यूटी नहीं किए, पहले ही दिन लफड़ा

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह का विवादों में रहना चोली और दामन का रिश्ता रहा है। यही कारण रहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा पिछले साल दिसंबर में जारी हुकुमनामा में उन्हें पूरे मामले का साजिशकर्ता करार दिया गया था। यही नहीं, हाल के दिनों में जब श्री अकाल तक साहिब में प्रमुख तख्तों के जत्थेदारों की बैठक हुई, तो उसमें भाग लेने के लिए कमेटी और सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह की ओर से एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह को ही भेजा जाता रहा है। हालांकि इस बात को लेकर श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से भी प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह को मोबाइल पर कॉल कर आपत्ति भी जताई गई है। वहां से स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि जिस ग्रंथी को श्री अकाल तख्त साहिब के द्वारा जारी हुकुमनामा में साजिशकर्ता करार दिया गया है और उन्हें पंज प्यारों से हटा कर अन्यत्र ड्यूटी लगाने का आदेश दिया गया था, वैसे को आप क्यों बैठक में भाग लेने यहां भेजते हैं। क्या ग्रंथी गुरदयाल सिंह के अलावा आपके यहां कोई दूसरा योग्य ग्रंथी नहीं है, जो तख्तश्री पटना साहिब का प्रतिनिधित्व कर सके। बताया जाता है कि इस कॉल के आने के बाद महासचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि यह उनका आदेश नहीं था और कमेटी के अन्य पदाधिकारी के आदेश या सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह के आदेश पर ही वे बैठक में भाग लेने के लिए श्री अमृतसर साहिब गए होंगे। इतना होने के बाद भी प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी अध्यक्ष या महासचिव एडिशनल हेड ग्रंथी गुरदयाल सिंह को उस पद पर बनाए हुए हैं। चर्चा तो इस बात की भी है कि जबसे श्री शीतल कुंड गुरुद्वारा, राजगीर से उन्हें तख्तश्री पटना साहिब बुलाया गया है और उन्हें न केवल पंज प्यारों में शामिल किया गया है, बल्कि एडिशनल हेड ग्रंथी भी बनाया गया। तब से लेकर तीन दिनों पूर्व तक उन्होंने कभी भी अमृतबेले में ड्यूटी नहीं की है। लोगों के बीच चर्चा अधिक होने के बाद ही पिछले दो-तीन दिनों से वह अमृतबेले में ड्यूटी करने को पहुंचे थे और पहले ही दिन उनका लफड़ा कथावाचक सुखदेव सिंह के साथ हो गया। इसका वीडियो भी संगतों के बीच वायरल हो गया। यही नहीं, जन्म स्थान पर ड्यूटी करने वाले पंज प्यारों में शामिल और अन्य ग्रंथी सेवादार का भी कहना है कि राजगीर से पटना साहिब में ड्यूटी लगने के बाद गुरदयाल सिंह अपने मन मुताबिक ड्यूटी करते रहे हैं। यदि वह सुबह आ गए, तो शाम में नदारत रहते थे। शाम में ड्यूटी अगर किया, तो सुबह नहीं किया। खासकर जब लाइव प्रसारण दरबार साहिब का चलता है, तब वह कथा या ऐसे जगह बैठते हैं, ताकि देश दुनिया की संगत उन्हें देख सके। जिस दिन भाई गुरदयाल सिंह और भाई सुखदेव सिंह के बीच जन्म स्थान पर विवाद हुआ, उस वक्त मौजूद पंज प्यारे में शामिल ग्रंथी एवं अन्य ग्रंथी व सेवादार का कहना था कि जितना वीडियो फुटेज और वहां पर रहकर जो देख पाए हैं, उसमें गलती भाई गुरदयाल सिंह की ही है। वायरल वीडियो में भी यह साफ झलक रहा है। वही संगतों में सरदार जगजीवन सिंह, दीपक सिंह लांबा, सरदार गुरमीत सिंह, लकी बग्गा, अमरजीत सिंह, त्रिलोक सिंह, बलराम सिंह आदि का कहना है कि मतभेद और मनभेद होना अलग बात है, मगर जन्म स्थान पर मौजूद ग्रंथी या सेवादारों के मन में मतभेद या मनभेद है, तो यह गलत है। यह सब दरबार साहिब से बाहर होना चाहिए। यदि कोई भी किसी से पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर जन्म स्थान पर एक-दूसरे को नीचा दिखाने, छेड़ने, वाक प्रहार करने, धक्का देने जैसा काम करता है, तो इससे बड़ा पाप कुछ नहीं हो सकता है। तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी और सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह जी को वायरल वीडियो के आधार पर दोनों को शोकाउज जारी कर स्पष्टीकरण मांगना चाहिए या सीधे तौर पर बुलाकर लिखित में घटना की जानकारी लेते हुए आपस में विचार-विमर्श करने के बाद निश्चित तौर पर कार्रवाई की जानी चाहिए। वरना एक बार फिर यह मामला तूल पकड़ेगा और देश दुनिया के संगतों के बीच और खासकर आने वाले प्रकाश पर्व वह पर भी इसका असर पड़ सकता है।

शादी के लिए बना रहा था दबाव, हुआ गिरफ्तार

पत्नी के लापता होने पर मदद को थाना पहुंचा पति

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

छेड़खानी, धमकी और जबरन शादी के लिए दबाव बनाने के आरोप में आलमगंज थाना की पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं

दुर्गाचरण लेन निवासी शत्रुघ्न मिस्त्री ने 35 साल की पत्नी के लापता होने के बारे में मामला दर्ज कराया है। छेड़खानी के मामले में पुलिस ने राहुल कुमार उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पीड़िता ने बताया कि उस पर जबरन कमरे में घुसने, छेड़खानी करने, लगातार मैसेज करने और रास्ते में पीछा करने एवं शादी के लिए दबाव बनाने का आरोप राहुल पर लगाया है। पुलिस ने बताया की पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इधर दुर्गाचरण लेन के रहने वाले शत्रुघ्न मिस्त्री ने 35 साल की पत्नी अंजली के गुम होने की सूचना पुलिस को दी है। उसने बताया कि पत्नी से घर पर देर से आने के बारे में पूछा, तब वह उस पर गुस्सा हो गई। इसके बाद मोबाइल छोड़ कर बाहर निकल गई। पुलिस ने बताया कि मेहंदीगंज निवासी पवन के बारे में बताया गया है कि महिला उससे बातचीत करती थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नगर निगम गंगा घाटों को तैयार करने में झोंका है पूरी ताकत

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

छठ पर्व को लेकर नगर निगम के अजीमाबाद और सिटी अंचल के द्वारा गंगा के घाटों को तैयार करने के लिए पूरी ताकत झोंक रखा है। एसडीओ गुंजन सिंह ने बताया कि छठ व्रतियों की सुविधा के लिए घाटों पर चेंजिंग रूम, वॉच टावर, शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था के साथ ही पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, सफाई और घाट तक पहुंने का एप्रोच की मरम्मत की दिशा में काम कराया जा रहा है। नगर निगम की ओर से भी सभी घाटों को समतल करने के साथ ही कपड़ा लगा कर घेराबंदी करने के साथ ही अन्य काम कराया जा रहा है। विभिन्न घाटों पर बांस गाड़कर वॉच टावर का निर्माण शुरू कर दिया गया है। हालांकि दिवाली पूजा के बाद ही गंगा नदी के किनारे पानी में बेरिकेडिंग करने का काम शुरू किया जाएगा। नगर निगम ने घाटों को तैयार करने के लिए अलग से सफाई मित्रों को लगाया है। प्रशासन और नगर निगम के पदाधिकारी का दल निरंतर चल रहे कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। घाटों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कचरा का डंप भी किया जा रहा है। हालांकि कुछ घाट किनारे कचरे का डंप भी किया गया है। इसे कपड़े से घेरेबंदी कर छुपाने की पूरी कोशिश की गई है। हालांकि अब भी नगर निगम के कुछ वार्डों के द्वारा गंगा किनारे कचरा गिराया जा रहा है। शाम होते ही उस कचरे में आग भी लगा दिया जाता है, ताकि पूरा कचरा बैठ जाए या जल जाए।

गृह रक्षा सेवकों की हुई आमसभा सम्पन्न

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार रक्षा वाहिनी स्वयं सेवक जिला शाखा भागलपुर द्वारा स्थानीय सैंडिस कापउडं प्रांगण स्थित गृह रक्षकों के एक विशाल आम सभा जिला अध्यक्ष अखलेश्वर प्र. यादव के अध्क्षयता में समपन हुई, उपरोक्त बैठक विशेष रूप से संघ संस्थापक शिवनरायण साह को आमंत्रित किया गया था। इस दौरान उन्होंने गृह रक्षकों को संबोधित करते हुऐ कहा कि भागलपुर जिला के गृह रक्षकों संगठन अनुशासन का पालन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने संगठन विस्तार के साथ आनदोलन करके गृह रक्षकों को भविष्य में उज्जवल भविष्य हेतू कार्य करें। वही वर्तमान नितीश सरकार द्वारा गृह रक्षकों के घोर उपेक्षा नहीं की जाएगी, और विशाल रैली करके कार्य क्रम सफल करने की तैयारी को लेकर जोर सोर से कार्य की जा रही है। होम गार्ड गृह रक्षकों को चतुर्व वर्गीय कर्मचारी विध्येक 1994 के तहत चुतर्व वर्गीय कर्मचारी का अविलंब वेतन और पेनशन अभिलंव लागू किया जाय, साथ ही अन्य विभागों को महगाई भत्ता एवं तरह तरह की मांगों की पुरती की गई है लेकिन गृह रक्षकों को घोर उपेक्षा की गई तथा प्रतेक गृह रक्षकों को आवास याजोना एवं संग का जिला कार्यालय दोनों मांगों की पुरती अभिलंब पूरी की जाय अन्यथा आनदोलन का विस्तार रुप लेने का निणर्य लिया गया है। इस आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी नितीश सरकार पर होगी। वही जिला कमीटी ने चैतावनी देते हुए कहा है कि गृह रक्षकों के शोसन और दोहन बरदास्त नही की जाएगी। संघ के कार्यक्रम की अध्यक्ष को धन्यवाद किया। जिला सचिव विभाष कुमार झा, न्यायालय द्वारा समान काम का समान सुविधा तथा शिर्ष लागू करने की सरकार से माँग की गई है, इस दौरान जिला उपाध्यक्ष पवन कुमार एवं कोषा अध्यक्ष सुधीर पंडित एवं उपाध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार भारती तथा संगठन सचिव गणेश मिश्र और प्रकाश पासवान एवं सुधाशू कुमार तथा कार्यालय सचिव शंकर प्रसाद यादव, बीरेन्द्र पासवान, बीरेन्द्र झा केन्द्रीय डेलीगेट राधा मोहन यादव सहित संघ के सदस्यों ने आपनी जायज मांगों को लेकर सभा को सम्बोधित किया।

असम से आकर मुजफ्फरपुर में चला रहे पर्यावरण जागरुकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।असम से मुजफ्फरपुर पारु थाना अंतर्गत अपने गांव पहुंचे प्रमोद दूबे ने पर्यावरण को संतुलन एवं भविष्य में आमदनी को लेकर औषधीय एवं फलदार पौधा रोपण कार्य शुरू कियाहै। इसके साथ - साथ अपने ग्रामीण को भी पौधा रोपण के लिए जागरूक किया। श्री दुबे ने कहा कि वृक्ष के बिना जीवन संभव नहीं है। इन्होंने कहा कि जीते लकड़ी मरते लकड़ी, फिर भी इंसान अपने लाभ हेतु दिन-ब-दिन पेड़ो को काटते जा रहे है। जिससे पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। मनुष्य के स्वास्थ्य जीवन के लिए वृक्ष होना बहुत जरूरी है।

वृक्षों से ही मनुष्य को आमतौर पर खाद्य वस्तुएं, इंधन तथा कई प्रकार के मानव संसाधन प्राप्त होते हैं। इसके साथ ही वृक्ष पर्यावरण को संतुलित करने का काम भी करता है। यह वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं तथा ऑक्सीजन छोड़ते हैं। वृक्ष होने से समय से बारिश होती है। इससे किसानों को फसल उपजाऊ होते हैं। पर्यावरण संतुलित होने से मनुष्य का जीवन भी स्वस्थ होता है। इसलिए प्यार पौधे को लगाना बहुत ही जरूरी है।

फेफड़े संबंधित रोगों के उपचार के लिए बिहार पलमोनरी सम्मेलन का हुआ आयोजन

देश के करीब 700 फेफड़े संबंधित आम बीमारियों के चिकित्सक शामिल हुए

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सांस से संबंधित रोगों में वृद्धि और वायु प्रदूषण का एक दूसरे से संबंध है और सरकार को प्रति परिवार कारों की संख्या सीमित करने तथा एक समय में सड़कों पर चलने वाले वाहनों की संख्या तय करने वाली नीति पेश करनी चाहिए उक्त बातें दिल्ली मेट्रो हॉस्पिटल के संस्थापक डॉक्टर दीपक तलवार ने बताया। मौका था इंडियन चेस्ट सोसाइटी, बिहार चैप्टर के अधीन बिहार पलमोनरी सम्मेलन (BIPCON- 2023) का आयोजन ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य फेफड़े संबंधित आम बीमारियों के बारे में विस्तृत व्याख्यान है। इस सम्मेलन में देश के 12 राज्यों से करीब 700 चिकित्सक शामिल हो रहे हैं। डॉ एस. के मधुकर लंग्स हॉस्पिटल पटना एवं डॉ प्रकाश सिन्हा, पारस हॉस्पिटल पटना के द्वारा यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के विख्यात चिकित्सक डॉ दीपेंद्र कुमार राय, एचओडी डिपार्टमेंट ऑफ पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स पटना, चिकित्सक डॉ रणदीप गुलेरिया, डॉ दीपक तलवार निर्देशक मेट्रो हॉस्पिटल दिल्ली, डॉ आर विजय कुमार, डॉ सितु सिंह, डॉ सुजीत राजन, डॉ टिंकू जोसेफ, डॉ प्रतिभा सिंघल, डॉ सुष्मिता राय चौधरी, डॉ विकास ओसवाल, डॉ देवराज जंस जैसे विख्यात चिकित्सक इसमें शिरकत किए। इंडियन चेस्ट सोसाइटी द्वारा यहां आयोजित श्वांस रोग सम्मेलन के मौके पर पारस अस्पताल के डॉ प्रकाश सिंह ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया की तत्काल प्रभाव आंखों और गले में जलन के रूप में होते हैं। इसके अलावा, दमे का दौरा पड़ने की गंभीरता में भी वृद्धि हुई है।सम्मेलन का आयोजन वायु प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों के साथ-साथ श्वांस रोगों के क्षेत्र में प्रगति पर चर्चा करने के लिए किया गया था।

लंग्स हॉस्पिटल पटना के डॉक्टर डॉक्टर एस के मधुकर कहा कि वायु प्रदूषण के दीर्घकालिक प्रभावों में श्वसन संबंधी बीमारियां और फेफड़ों का कैंसर शामिल हैं, और सबसे बुरी बात यह है कि पटना जैसे शहर में हमारे बच्चों में फेफड़ों की समस्याएं बढ़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप फेफड़ों के विकार गंभीर रूप ले लेंगे। उन्होंने कहा, हमारी सरकारें वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही हैं। इसे एक परिवार के पास वाहनों की संख्या सीमित करने के लिए एक नीति लानी चाहिए और एक समय में सड़कों पर चलने वाले वाहनों की संख्या को भी सीमित करना चाहिए। साथ ही, कार पूलिंग को बढ़ावा देना चाहिए। वही दिल्ली मेट्रो हॉस्पिटल के संस्थापक डॉक्टर दीपक तलवार कहा, श्वसन संक्रमण, लंबे समय तक फेफड़ों में समस्या और फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ने से फेफड़ों की बीमारियां भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गई हैं।

उर्स दीपावली व छट पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर खगौल। रविवार को खगौल थाना के प्रांगण में उर्स दीपावली एवम छट पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई थाना प्रभारी फूलदेव चौधरी , अपर थानाध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार शर्मा ने कहा कि 12 नवंबर को ही लक्ष्मी पूजा है। अगर कोई मां लक्ष्मी की मूर्ति बैठा कर पूजा करते हैं, तो उन लोगों को थाना में आवेदन देते हुए लाइसेंस लेना होगा। जो लोग बिना लाइसेंस के पूजा पूजा पंडाल व मूर्ति विसर्जन मे डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। थाना प्रभारी फूलदेव चौधरी ने बताया कि जो लोग पटाखा दुकान लगाएंगे उनको भी लाइसेंस लेने के होगा उनको गाइडलाइंस के अनुसार लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा तभी पटाखा दुकान की खोलने की अनुमति प्रदान की जाएगी। और उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व पूजा या किसी चीज में खलल पैदा करते हैं तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दे। ऐसे असामाजिक तत्वों पर पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी। मौके पर खगौल नगर परिषद अध्यक्ष सुजीत कुमार, अजय कुमार यादव ,प्रसून कुमार जितेंद्र वत्स, , पॉली गांगुली, राकेश कुमार मेहता उर्फ पप्पू ,धर्मेंद्र सिंह, वार्ड पार्षद राहुल कुमार, महेंद्र कुमार सिंह, मोङ्क रिंकू मोहमद मनोहर, मोहमद गुड्डू, मोहमद सद्दाब, मोहमद आदिल, मोहमद तालिब चंदू प्रिन्स सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

राजनीतिक दल का गठन करेगा संपूर्ण क्रांति मोर्चा

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। चार नवंबर, 1974 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण पर हुए लाठी प्रहार की स्मृति में संपूर्ण क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव पटेल की अध्यक्षता में बैठक हुई। यह बैठक पटेल भवन में हुई, जिसमें जेपी सेनानियों ने भाग लिया। इसमें मौजूदा राजनीति को जनविरोधी बताते हुए नए राजनीतिक दल के गठन करने का निर्णय लिया गया। इसमें राजनीति के लिए संघर्ष कर रहे बुद्धिजीवियों को शामिल किया जाएगा। प्रवक्ता राकेश कुमार राय के अनुसार जेपी सेनानियों के सम्मान पेंशन पर मौजूद विसंगतियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से एक प्रतिनिधिमंडल के मिलने का भी निर्णय लिया गया है। इसमें पूर्व विधायक रमाकांत पांडेय, ब्रह्मदेव पटेल, कुमार अनुपम, राकेश कुमार राय, हुमायूं अंसारी, विजय कुमार सिन्हा चंद्रभूषण ठाकुर, दिलीप कुमार सिंह, मुकेश कुमार आदि शामिल रहेंगे।

निर्वाचन प्राधिकार ने तख्तश्री कमेटी को 15 तक वोटरलिस्ट सौंपने को भेजा पत्र

प्रात :किरण संवाददाता

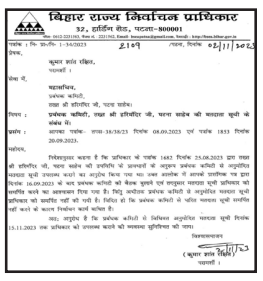

बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार
32, इंडिया गेट, पटना-800001
फोन: 0612-2221301 फैक्स: 2221302 Email: bsecpatna@gmail.com, बेबसाइट : http://bsec.bihar.gov.in

पत्रांक : वि०-प्रा०-नि० 1-34/2023 8189 पटना, दिनांक 02/11/2023

विषय:

कुमार शांत रक्षित,
पटनासी।

सेवा में,

महासचिव,
प्रबंधक कमेटी,
तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहेब।

विषय : प्रबंधक कमेटी, तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहेब की मतदाता सूची के संबंध में।

संदर्भ : आपका पत्रांक- संख्या-38/38/23 दिनांक 08.09.2023 एवं पत्रांक 1853 दिनांक 20.09.2023.

महोदय,

निवेदनपूर्वक कहना है कि प्राधिकार के पत्रांक 1682 दिनांक 25.08.2023 द्वारा तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहेब की प्रबंधित में प्रावधानों के अनुरूप प्रबंधक कमेटी के अनुमोदित मतदाता सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था उक्त आलोक में आपके प्रासंगिक पत्र द्वारा दिनांक 16.09.2023 को भाग प्रबंधक कमेटी की बैठक बुलाने एवं तदनुसार मतदाता सूची प्राधिकार को समर्पित करने का आश्वासन दिया गया है। किंतु अनावेदक प्रबंधक कमेटी में अनुमोदित मतदाता सूची प्राधिकार को समर्पित नहीं की गयी है। निश्चित तो कि प्रबंधक कमेटी के पदित मतदाता सूची समर्पित नहीं करने के कारण निर्वाचन कराने बाधित है।

तथा, अनुरोध है कि प्रबंधक कमेटी ने निर्वाचन अनुसूचित मतदाता सूची दिनांक 15.11.2023 तक प्राधिकार को उपलब्ध कराने की मतदाता सूचिनिया की तारा।

विश्वासभाजन
(कुमार शांत रक्षित)
पटनासी।

पटना सिटी। बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार ने प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव को एक बार फिर पत्र भेजा है। भेजे गए पत्र में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि पूर्व में भी लगातार स्मारित किए जाने के बाद भी अब तक आपके द्वारा प्रबंधक कमेटी की बैठक से मतदाता सूची को अनुमोदित करा कर भेजनने को कहा गया था। मगर ऐसा नहीं किया गया है। आप 15 नवंबर तक हर हाल में प्रबंधक कमेटी की बैठक से वोटर लिस्ट का अनुमोदन करने के बाद भेजने का कार्य करें, ताकि तख्तश्री कमेटी का चुनाव कराया जा सके। दरअसल बिहार राज्य चुनाव प्राधिकार के परामर्शी कुमार शांत रक्षित ने दो नवंबर को पत्रांक 210 9 तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के महासचिव इंद्रजीत सिंह को भेजा है। इसमें कहा गया है कि प्राधिकार के द्वारा 25 अगस्त, 23 को पत्रांक 1682 के द्वारा तख्तश्री कमेटी की उपविधि के प्रावधानों के अनुरूप प्रबंधक कमेटी से अनुमोदित वोटर लिस्ट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। उक्त आलोक में आपके प्रासंगिक पत्र के द्वारा 16 सितंबर, 23 के बाद प्रबंधक कमेटी की बैठक बुलाने एवं तदनुसार वोटर लिस्ट प्राधिकार को समर्पित करने का आश्वासन दिया गया था। मगर अब तक प्रबंधक कमेटी से अनुमोदित वोटर लिस्ट समर्पित नहीं किए जाने के कारण निर्वाचन कराने का काम बाधित है। अनुमोदित वोटर लिस्ट हर हाल में 15 नवंबर तक चुनाव प्राधिकार को उपलब्ध कराने की बात प्राधिकार के द्वारा भेजे गए पत्र में कही गई है। पत्र की प्रतिलिपि सिटी एसडीओ सह निर्वाचन निर्वाचन पदाधिकारी गुंजन सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना एवं पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मुकेश कुमार ठाकुर को भी भेजी गई है।

गुलजारबाग स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आ मृतक की हुई पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी। गुलजारबाग स्टेशन पर शनिवार की शाम रेल ट्रैक पार कर प्लेटफार्म संख्या एक पर चढ़ने के दौरान एक महिला ट्रेन की चपेट में आ गई थी। इस कारण से उसकी मौत हो गई थी। उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। उसके भाई महिला के मोबाइल का टावर लोकेशन पता करते हुए गुलजारबाग स्टेशन पहुंच, तब मामला प्रकाश में आया कि उनकी बहन नूतन कुमारी की मौत हो चुकी है। इस संबंध में गुलजारबाग स्टेशन जीआरपी की प्रभारी मंजू कुमारी ने बताया कि शनिवार की शाम राजगीर-दानापुर ट्रेन से एक महिला काला रंग का पिट्ठू बैग लेकर उतरी थी। वह दो नंबर प्लेटफार्म से रेलवे ट्रैक पर उतर कर एक नंबर प्लेटफार्म पर चढ़ रही थी। इसी दौरान डाउन लाइन में ट्रेन आ गई, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों के कहने पर उसके पिट्ठू बैग की जांच की गई, मगर कुछ ऐसा नहीं पाया गया, जिससे उसकी पहचान हो सके। रविवार को पूर्वाह

राजद ए टू जेड की पार्टी, हर तबके के लिए हो रहा काम : तेजस्वी

श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पखवाडा का समापन समारोह कार्यक्रम के दौरान बोलें उपमुख्यमंत्री

- बोलें- हम दिल से चाहते है, कि भूमिहार समाज हमारे साथ रहे
- कुछ लोग भ्रम फैलाकर राजद को बदनाम करने की साजिश रचते हैं

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जतना दल द्वारा मनाये जा रहे बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयन्ती पखवाडा का समापन समारोह पुर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उनके तैल्य चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर वक्ताओं द्वारा उनके व्यक्तित्व एवं कृत्य पर प्रकाश डाला गया।

समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि श्री बाबू अपने शासन काल में बिहार के विकास के एक लम्बी रेखा खींची थी। मंदिरों में दलित का प्रवेश और जमीदारी प्रथा के उन्मुलन जैसे क्रांतिकारी निर्णयों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जायेगा। उन्होनें कहा कि राजद ए टू जेड की पार्टी है। किसी के भी साथ यदि अन्याय होगा तो राजद उसके साथ खड़ी रहेगी। हम दिल से चाहते है, कि भूमिहार समाज हमारे साथ रहे। उन्होंने कहा कि आपके समाज को जो कुछ भी मिला है वह यही से मिला है। हमने विधान परिषद के चुनाव में पांच सीट भूमिहार समाज को देने का काम किया जिसमें तीन विजयी हुए उन्होंने कहा आप लोग भी कदम बढाने का काम किजिए। अच्छे काम में थोड़ा समय तो लगता ही है। आप अपने दिल और दिमाग से इस बात को जरूर निकाल दीजिए कि हमलोग आपके विरोधी है। किसी के साथ भी यदि अन्याय हो रहा है, तो तेजस्वी यादव उसके साथ है। लालू जी का नाम लेकर, मेरा नाम लेकर लोगों ने क्या-क्या बोलकर आपका वोट लिया। एक बात को जरूर सोचिए की जिसको यह समाज ने साथ देने का काम किया उसने इस समाज को क्या दिया। यह आपको तय करना है कि जो लोग हिन्दू और मुस्लमान कह कर वोट लेते है उसका साथ देना है या जो नौकरी देने की बात, बिहार को आगे ले जाने की बात और सब लोगों को जोडकर एक साथ लाना चाहती है सबों के बीच एकता की बात करती है मतभेद को मिटाना चाहती है, उसका साथ देना है जिन लोगों ने नौकरी के नाम पर वोट दिया है उन्हें नौकरी मिलना शुरू हो गया है लेकिन जिन लोगों ने धर्म और हिन्दू-मुस्लमान के नाम पर वोट दिया उनको क्या मिला उनको महंगाई, बेरोजगारी और बुलडोजर के सिवाये क्या मिला। दो करोड प्रति वर्ष नौकरी कहाँ गया, पन्द्रह लाख रुपए सबके खाते में कहाँ गया, बिहार में तो चार लाख बहाली हो गई और सत्तर हजार शिक्षकों की बहाली की प्रक्रिया शुरू हो गयी। अन्य विभाग में बड़ी संख्या में बहाली होने वाली है। बिहार अकेले लाखो में नौकरिया देने लगा है लेकिन केन्द्र सरकार ने देखा देखी पुरे देश में पच्चास हजार नौकरी देने काम किया वो भी दिखावटी, उनकी तो सारी राजनीति ही दिखावटी, बनावटी और मिलावटी है। वे तो झुठ बोलने के फैक्टरी है। चुनाव के समय वे मंदिर में जाते है, और फोटो खिचवाते है। हमलोगों के तो घर में ही मंदिर है। यह आपको तय करना है कि कलम बाटने वालों का साथ देना है कि तलवार बांटने वालों का ! जनता को देखना चाहिए कि पांच साल जो सरकार रही है वो ठीक काम कर रही है कि नहीं अगर सरकार काम नही कर रही है तो दुसरे सरकार को मौका देना चाहिए। दुसरे देश में क्या हो रहा है हम वह देखेगें की हमारे देश की जनता सुख चैन से है कि नहीं हमे वह देखना है। हमे यह देखना चाहिए कि बेरोजगारी में कमी हुई है या नहीं, शिक्षा में सुधार हुआ है कि नहीं, आर्थिक स्थिति सुधरी है कि नहीं, जब हम लोग सच बोलते है और भाजपा के सामने नाक नहीं रगडते है तो इडी और सीबीआई पहुच जाता है। लेकिन हमलोग डरने वाले नहीं है। हम लडेगें और जितेगें भी। जिस प्रकार विधान परिषद के चुनाव में ठीक ठाक हिसाब से हमलोगों ने टिकट दिया उसी हिसाब से आने वाले चुनाव लोक सभा और विधान सभा में भी टिकट देगें। हम हडबडी में नहीं है हमे लम्बी राजनीति करनी है। लोकत्रंत बचेगा और संविधान बचेगा तभी न सब काम होगा। यहा तो महराजा वाली व्यवस्था है कोई भी डर से सिर नहीं उठाता है सब नतमस्तक हो कर खडे रहते है। हमने आपसे दिल से अपनी बात कही है। आप इस पर जरूर सोच कर विचार करिएगा।

समारोह की अध्यक्षकता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह ने कहा कि श्री बाबू का देश की आजादी की लडाई में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होने बिहार के विकास की बुनियाद खडा करने का काम किया था।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता करूण सागर ने कहा कि श्री बाबू के जयन्ती पर पहले जहां औचारिता पूरी की जाती थी वहीं लालू जी के पहल पर उनके जन्म दिन के अवसर पर समारोह आयोजित होने लगे हैं। एक सुनियोजित साजिश के तहत लोगों के बीच राजद और लालू जी के बारे में भूमिहार जाति के प्रति गलत धारणा बनाई गई जबकि दर्जनों ऐसे उदाहरण है जिन्हें लालू जी ने महत्वपूर्ण पदों पर बैठाने का काम किया है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता करूणा सागर, पूर्व विधायक फुलेना सिंह, त्रिभुवन सिंह, अवधेश सिंह सहित अनेक लोगों द्वारा तेजस्वी को चांदी का मुकुट, सौल, मोमेन्टो और पौधा आदि दे कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह, श्री बाबू के परपौत्र अनिल शंकर, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, प्रदेश उपाध्यक्ष वृषिण पटेल, डॉ तनवीर हसन, प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू, संस्कृत शिक्षा बोर्ड के सदस्य, चितरंजन गगन, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रवक्ता सारीका पासवान, उर्मिला ठाकुर को भी शॉल देकर सम्मानित किया गया।

नीतीश कुमार ने न्याय के साथ विकास करने के वादे को पूरा करने का काम किया : चौधरी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

संविधान विरोधी है भाजपा सरकार : उमेश

भारत की संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को अपनाया था और तब से इस दिन को हम संविधान सभा के रूप में मानते हैं। इस 26 नम्बर को संविधान सभा के दिन पटना के वेटनरी मैदान पहुँचे और उन लोगों को जो संविधान और आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं उन्हें पूरी ताकत के साथ ये सन्देश मिल सके कि हम अपने नेता के साथ खड़े हैं और संविधान और आरक्षण विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट हैं। ये बातें बिहार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने अपने जनसंवाद के दौरान कहीं। आगामी 26 नवम्बर को पटना में होने वाले भीम संसद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण देने वैशाली जिला के तीन अलग अलग जगहों, यथा- गोरौल प्रखंड के विशुनपुर, महुआ प्रखंड के मानपुर महुआ स्थित जागेश्वर राय आरती बीएड कॉलेज प्रांगण एवं नारायणपुर, राजापाकर की जनता के बीच पहुंचे थे। श्री चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आपसे वादा किया था कि हम न्याय के साथ विकास करेंगे उसको पूरा करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने बड़े स्तर पर महादलित, अतिपिछड़ों के टोले और अल्पसंख्यकों के मोहल्ले में विद्यालयों का निर्माण करवाया। श्री चौधरी ने आगे कहा कि हिन्दुस्तान भर में बिहार ऐसा पहला राज्य बना जहाँ एक साथ 25000 प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण करवाया गया, इसके साथ ही 2.5 लाख अतिरिक्ष वर्ग कक्षों का निर्माण करवाया गया और इस प्रदेश में विकास मित्र, टोला सेवकों और तालीमी मरकज साथियों के सहयोग से बच्चों को स्कूल में लाने का काम किया और आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अब 0.5 प्रतिशत से भी बहुत कम बच्चे विद्यालयों के बाहर हैं जिन्हें भी शिक्षित करने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम आपसे कहने आये हैं, कि 18 वर्ष के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने जो काम अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए कार्य किया है, आजाद हिन्दुस्तान में कोई दलित मुख्यमंत्री भी अपने राज्य में इतना काम नहीं कर पाया होगा। इस अवसर पर जद यू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे तथा उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार संविधान विरोधी है। उन्होंने कहा कि निजी संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है और जिस प्रकार से धड़ल्ले से सरकारी प्रतिष्ठानों का निजीकरण किया जा रहा है उससे साफ पता चलता है कि ये केंद्र में बैठी सरकार सुनियोजित तरीके से इस देश में आरक्षण और संविधान पर कुठाराघात कर देश को फिर से गुलामी की ओर ले जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में 26 नवम्बर को पटना के वेटनरी मैदान पहुँच कर संविधान और आरक्षण विरोधी ताकतों के विरुद्ध अपनी एकजुटता प्रदर्शित करें।

इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग के मंत्री अशोक चौधरी के साथ जद यू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, जद(यू) पूर्व मंत्री मनोज कुशवाहा, प्रदेश महासचिव रंजीत कुमार झा सहित अनेक गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

एन पेरियासामी अध्यक्ष और गुलजार सिंह गोरिया चुने गए महासचिव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय खेत मजदूर यूनियन(बीकेएमयू) का 15 वां राष्ट्रीय सम्मेलन रविवार को भोला मांझी नगर पटना में संपन्न हो गया। सम्मेलन के अंतिम दिन 125 सदस्यीय नई राष्ट्रीय परिषद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय सचिव मंडल का चुनाव हुआ। नव निर्वाचित राष्ट्रीय परिषद की बैठक में एन पेरियासामी अध्यक्ष और गुलजार सिंह गोरिया महासचिव चुने गए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद नागेंद्र नाथ ओझा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जितनी कल्याणकारी योजनाएं लागू हुई है, वह बीकेएमयू के आंदोलन के बल पर लागू हुई है। भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में देश में दो तिहाई सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार खेत मजदूरों के अधिकारों पर लगातार हमला कर रही है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी सरकार को सत्ता से हटाना है। समापन सत्र का संचालन नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष एन पेरियासामी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन स्वागत समिति के महासचिव जानकी पासवान ने किया। सम्मेलन में आगामी कार्यक्रम भी तय किये गए हैं। संविधान बचाओ लोकतंत्र को बचाने के लिए लगातार अभियान चलाने और आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने का कार्यक्रम तय किये गए। चुनाव आयोग, लोकतांत्रिक संस्थान, पार्लियामेंट, कार्यपालिका का कामकाज और जनता के विभिन्न तबकों द्वारा कठिन संघर्षों के बाद हासिल अधिकारों पर आरएसएस के इशारे पर चलने वाली भाजपा सरकार गंभीर हमलें कर रही है। भारत के संविधान की प्रस्तावना से ह्लधर्मनिरपेक्षह्व और ह्लसमाजवादीह्व शब्दों को हटाने का कार्य एक अपराधपूर्ण कृत्य है। लोकतंत्र के चारों खंभे आरएसएस-भाजपा शासन के हमले के निशाने पर है। लोकतांत्रिक ताकतों के सामने यह एक अत्यंत आवश्यक कार्य है कि वह देश के आम जनगण को एकताबद्ध करने और जनता को सच बताने के लिए तत्काल मैदान में उतरें। भूमिहीन को जमीन, बेघर को घर, बेरोजगारों को रोजगार, खेत मजदूरों की मजदूरी में वृद्धि मनरेगा का उचित कार्यान्वयन, दलित एवं कमजोर तबकों के खिलाफ अत्याचार पर रोक, सभी को पहली से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, 60 वर्ष आयु होने पर 6 हजार रुपये मासिक वृद्धावस्था पेंशन, निजी क्षेत्र में आरक्षण, अनुसूचित जाति/ जनजाति सब-प्लानों पर क्रियान्वयन, छुआछूत का उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, खेत मजदूरों के लिए व्यापक केंद्रीय कानून का बनाया जाना, सभी राज्यों में केरल की तर्ज पर खेत मजदूर कल्याण बोर्ड बनाने , महिला खेत मजदूरों के लिए अलग से रोजगार एवं कल्याण योजना आदि ये माँगों को लेकर भारतीय खेत मजदूर यूनियन ने संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। हमारा लक्ष्य समाजवाद है। भारतीय खेत मजदूर यूनियन के कार्यकताओं और नेताओं को इसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं तात्कालिक रूप में लेना चाहिए। भारतीय खेत मजदूर यूनियन किसानों और ट्रेड यूनियन की मांगों को अपने समर्थन को और उनके संघर्ष के समर्थन में खेत मजदूरों को लामबंद करना जारी रखेगी।

मोदी सरकार ने गरीब के कल्याण के लिये काम किया : सम्राट

- अमित शाह की सभा में सम्राट ने लोगों से बिहार में भी भाजपा की सरकार बनाने की अपील की

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मुजफ्फरपुर के पताही हवाई अड्डा मैदान में केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह के उपस्थिति में कहा कि इस देश में 2014 से नरेंद्र मोदी की सरकार ने गरीब के कल्याण के लिये काम किया।

उन्होंने कहा कि 2020 में जब जदयू को यहां की जनता ने मात्र 43 सीट देने का काम किया था, तब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन 2022 में वे पलटीमार कर फिर से भाग गए।

उन्होंने कहा कि जनसंघ के लोगों ने कपूर्री ठाकुर को दो बार मुख्यमंत्री बनाया, इसके बाद भाजपा की मदद से लालू प्रसाद मुख्यमंत्री बने। नीतीश कुमार को भाजपा ने पांच बार मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन वे भागते चले गए।

आगे कहा कि अब बिहार की जनता चाहती है कि पलटीमार को कभी भी कंधे पर नहीं बैठाना है।

उन्होंने कहा कि आज बिहार में गुंडा राज, शराब माफिया , जमीन माफिया का राज स्थापित हो गया है। श्री चौधरी ने कहा कि जिस तरह नरेंद्र मोदी की केंद्र की सरकार ने गारंटी दी है कि भ्रष्टाचारियों को नहीं छोड़ा जाएगा और उस पर लगातार काम हो रहा है। उन्होंने रैली में उपस्थित लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि 2024 में लोकसभा चुनाव में बिहार में 40 की 40 सीट भाजपा की गोद में देने का काम कीजिए और फिर से नरेंद्र मोदी की सरकार बनाइए।

भाजपा नेता ने कहा कि अगर बिहार में गुंडाराज और अपराधी को बिहार से भगाना चाहते हैं तो एक बार 2025 में भाजपा की सरकार बनाने का काम कीजिए।

इस सभा में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय, विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा, हरि सहनी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, राधामोहन सिंह, नंद किशोर यादव, प्रेम कुमार, विवेक ठाकुर सहित कई नेता उपस्थित रहे।

40 सीट तो दूर, भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रविवार को मुज्जफरपुर में किये गये संबोधन को खोखली जुमलेबाजी बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि हमेशा की तरह इस बार भी गृहमंत्री रटी-रटायी बातों को बोल कर चले गये। इस बार भी बिहार के लोग उनसे अपने सवालों के जवाब देने की उम्मीद करते रह गये, लेकिन गृहमंत्री को अपनी पीठ खुद से थपथपाने से फुर्सत नही मिली इससे साफ है कि सरकार की नाकामियों को लेकर उनके पास कोई जवाब नहीं हैं।

जदयू महासचिव ने कहा कि अमित शाह जुमलेबाजी में इतना बह गये कि जिस जातिगत गणना को रोकने में भाजपा ने एड़ी-चोटी का जोड़ लगा दिया था, उसका क्रेडिट भी वह स्वयं लेने लगे। उन्हें बताना चाहिए कि यदि वह जातिगत गणना के समर्थक हैं तो हमारे बार-बार मांग करने पर भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर क्यों नहीं करवा रहे?

उन्होंने कहा कि खुद को अतिपिछड़ों का हितैषी बता रहे अमित शाह को यह बताना चाहिए कि आखिर अतिपिछड़ों से उनका यह कैसा प्रेम है जो इस समाज से आने वाले उनके कार्यकताओं को कपूर्री ठाकुर जैसे दिग्गजों की जयंती मनाने से रोकता है? वह बताएं कि यदि वह अतिपिछड़ा समाज के समर्थक हैं तो आज तक क्यों इस समाज से आने वाले किसी नेता को बिहार में कभी कोई प्रमुख मंत्रालय नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि अमित शाह जान लें कि बिहार में झूठ का ढोल बजाने से उन्हें अब कोई फायदा मिलने वाला नहीं है। थोथे भाषणों से बिहारियों को बरगलाया नहीं जा सकता। जनता को खुद के मुंह से उनकी खुद की तारीफ सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जनता जानना चाहती है कि पेट्रोल के दाम कब कम होंगे? 2 करोड़ सालाना नौकरियां कब मिलेंगी? किसानों की आमदनी कब दुगनी होगी? अदानी-अंबानी की तरह आम लोगों की कमाई कैसे बढ़ेगी? हमारे उठाये सवाल उनका पीछा नहीं छोड़ने वालें बिहार का अतिपिछड़ा समाज उनका भ्रम तोड़ देगा। 40 सीटें तो दूर बिहार में उनका खाता भी नहीं खुलेगा।

अगर सरकार में हुई भागीदारी तो गरीबों के खाते में बिना ब्याज दूंगा 25 लख रुपए : पप्पू

पटना। जन अधिकार पार्टी लोकतांत्रिक के मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित जिला कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व सांसद पप्पू यादव ने कोशिश सीमांचल को स्पेशल स्टेटस के साथ-साथ जातिगत जनगणना के बाद जनसंख्या के हिसाब से सत्ता में भागीदारी की मांग कर दी। पप्पू यादव ने इस दौरान केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर भी जमकर हमला बोला तो इशारों में इशारों में उन्होंने लाल यादव और नीतीश कुमार पर भी अपनी बात मुखरता से जनता के सामने रखा। इसके अलावा पप्पू यादव ने यह भी कहा कि अगर मधेपुरा कोसी और पूर्णिया की जनता उन्हें अपने बेटी की तरह आशीर्वाद देकर सत्ता में पहुंचती है तो वह आने वाले दिनों में कोसी सीमांचल को मॉडल क्षेत्र बनाएंगे। साथ ही पप्पू यादव ने मधेपुरा की जनता से पूछा कि आखिर उनका गुनाह क्या है कि उन्हें विगत चुनाव में हरा दिया गया। इस सभा में पप्पू यादव ने मुखिया सरपंच के साथ-साथ ग्राम पंचायत के अधिकार और ममता, आशा सेविका, रसोईया के अधिकार की भी बात प्रमुखता से की।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने पतरातू के पास समपार सं. 39 का किया औचक निरीक्षण

गेटमैन से संरक्षा संबंधी कार्यप्रणाली को परखा

बुकरू स्टेशन पर माल गाड़ियों में हॉट एक्सल होने से बचाव का लिया जायजा एवं अधिकारियों से की तकनीकी चर्चा

पटना। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार खंडेलवाल ने शनिवार को रात्रि में धनबाद मंडल के पतरातू स्टेशन के पास समपार सं. 39 का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया तथा गेटमैन से संरक्षा संबंधी कार्यप्रणाली को परखा। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने बुकरू स्टेशन पर संरक्षा की दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माल गाड़ियों के हॉट एक्सल होने से बचाव का जायजा लिया एवं इस संबंध में अधिकारियों से तकनीकी चर्चा की । इस दौरान मुख्यालय के उच्चाधिकारीगण एवं धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

अमित शाह के भाषण में सत्ता से जाने का बेचैनी दिखाई दी : एजाज

पटना। गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा मुजफ्फरपुर में दिए गए भाषण पर अहमद ने कहा कि अमित शाह जब-जब बिहार आते हैं अनर्गल का काम करते हैं। उनको बिहार के विकास से कोई मतलब नहीं उन्होंने कहा कि अमित शाह की बातों से ही स्पष्ट होता है कि वह पता है कि बिहार में समाजवादी सोच वाली नीतीश - तेजस्वी के करके रोजगारपरक और नौकरी देने वाली राजनीति करके देश में नजीर के रूप में देश में प्रस्तुत किया है। एजाज में आगे कहा कि जिस शाह बेचैन है और हर बार आकर बिहार में बिना काम की बातें करते हैं कि आने वाले समय में मोदी बनाम मुद्दों के आधार पर जिस तरह से देश के लोगों का इंडिया के लोगों का समर्थन मुद्दों को मिल रहा है, उससे ये स्पष्ट हो रहा है कि मोदी सरकार के खिलाफ देश में परिवर्तन की बयार चल रही है और आने वाले लोकसभा चुनाव में 2014 वाले 2024 में वापस नहीं आएंगे । इसके लिए देश की जनता ने मन बना लिया है और यह स्पष्ट रूप से देश की जनता के व्यापक समर्थन और विश्वास के कारण इंडिया गठबंधन की मजबूती का स्पष्ट संकेत मिल रहा है। तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज ,भ्रामक और जुमलेबाजी की बातें करके बिहार के लोगों को बरगलाने है , और न ही बिहार के आम -अवाम और लोगों हितो से मतलब है। बेचैनी और बौखलाहट में ही इस तरह का प्रलाप करते हैं, क्योंकि उनको नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार चल रही है जिसने नफरत को समाप्त बिहार को एक अलग स्थान दिलाने का काम किया है,और बिहार को एक दिन से बिहार से भाजपा सत्ता से बेदखल हुई है उसके बाद से ही अमित जिससे आम अवाम को कोई मतलब नहीं है। भाजपा को यह समझ लेना चाहिए

20वीं शताब्दी के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कवियों में से एक थे वियोगी जी

साहित्य सम्मेलन में चार साहित्यिक विभूतियों की मनायी गयी जयंती, दी गई काव्यांजलि

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

महाकवि पं मोहनलाल महतो वियोगी आधुनिक हिन्दी साहित्य के निमार्ताओं में से एक और बीसवीं शताब्दी के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण साहित्यकारों में अग्र-पांक्तेय थे। उनकी साहित्यिक-प्रतिभा, काव्य-कल्पनाएँ और विपुल-लेखन अर्चभित करते हैं। गद्य और पद्य पर समान अधिकार से लिखने वाले और साहित्य की सभी विधाओं को समृद्ध करने वाले वे हिन्दी के अतुल्य साहित्यकार हैं। उन पर वैदिक-साहित्य का गहरा प्रभाव था।

यह बातें रविवार को हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह एवं कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन-अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। सम्मेलन में तीन अन्य साहित्यकारों पं राम गोपाल शर्मा रुद्र, उदय राज सिंह और प्रो सीता राम दीन की भी जयंती मनायी गयी। डा सुलभ ने कहा कि, जब पं राम गोपाल शर्मा रुद्र को स्मरण करते हैं तो उनका अमर गीत जल रहा दिया मजार परह्व का बरवश स्मरण हो आता है। हिन्दी काव्य के उत्तर-छायावाद काल के अत्यंत महत्त्वपूर्ण कवि और मार्मिक छंदों के गीतकार थे रुद्र जी। उनके स्मरण-मात्र से नयन आर्द्र हो जाते हैं। उदय राज सिंह शैली-सम्राट के नाम से सुविख्यात साहित्यकार राजा राधिका रमण प्रसाद सिंह के सुपुत्र और यशस्वी हिन्दी-सेवी थे। उन्होंने अपने साहित्य से पिता की कीर्ति को और उज्ज्वल किया।

प्रो सीताराम दीन को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि दीन जी पर कबीर का गहरा प्रभाव था। वो उनके समान ही अक्खड़ और फक्कड़ कवि थे। उतने ही स्वाभिमानी भी थे। बालपन और किशोर का जीवन घोर अभावों में गुजारा पर उन्होंने किसी का दान स्वीकार नहीं किया। स्वयं का स्वयं ही निर्माण किया। भले ही अपना उपनाम दीन रखा था पर किसी की दया स्वीकार नहीं की। समर्थ हुए तो दाता की तरह रहे। अथक श्रम कर ज्ञानार्जन किया और स्तुत्य प्राध्यापक और उच्च कोटि के साहित्यकार हुए।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए,सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद ने कहा कि वियोगी जी साहित्य सम्मेलन के भी अध्यक्ष रहे। आज स्मरण किए जा रहे सभी साहित्यकार माता भारती के स्तुत्य पुत्र थे, जिन्हें हमें प्रणाम करने का अवसर मिला। इनसे हिन्दी धन्य हुई। सम्मेलन के संरक्षक-सदस्य अवध बिहारी सिंह, कुमार अनुपम, ई अशोक कुमार, डा एल पी गुप्ता तथा सदानन्द प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। वरिष्ठ कवि श्याम बिहारी प्रभाकर, डा प्रणव पराग, अर्जुन प्रसाद सिंह, ज्योति मिश्र, नरेंद्र कुमार, बी के बिहारी, सचिन वृजनाथ आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से कवि-सम्मेलन को स्मरणीय बना दिया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

इस अवसर पर, प्रो राम ईश्वर पण्डित, आनन्द आशीष, प्रेम प्रकाश सिंह, दुःख दमन सिंह, वीरेंद्र कुमार, नन्दन कुमार मीत, श्रीबाबू रवीन्द्र कुमार, अमन वर्मा, डौली कुमारी, अमरेन्द्र कुमार आदि प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

फिलिस्तीन पर इजरायली हमला युद्ध नहीं जनसंहार है : दीपंकर

- अमेरिका-इजरायल पक्षी विदेश नीति भारत को मंजूर नहीं
- ऐतिहासिक चंपारण के बापू सभागार में शुरू हुआ खेग्रामस का 7 वां राज्य सम्मेलन

बेतिया। अखिल भारतीय खेत व ग्रामीण मजदूर सभा का 7वां राज्य सम्मेलन चंपारण से शुरू हुआ। बापू सभागार में सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भाकपा(माले) महासचिव कामरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने संगठन को देश के हर गांव-टोले में मजबूती से स्थापित कर देने का आह्वान किया। महासचिव दीपंकर भटटाचार्य व अन्य भाकपा (माले)-खेग्रामस नेताओं की अगुआई में एक विशाल युद्ध विरोधी मार्च निकाला गया। कामरेड दीपंकर ने कहा कि फिलिस्तीन पर विगत 7 अक्टूबर से जारी इजरायली हमला युद्ध नहीं जनसंहार है। इसे हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों जब यूएनओ में इस युद्ध को रोकने का प्रस्ताव आया तो दुनिया के अधिकांश देश इस प्रस्ताव के समर्थन में खड़े हुए, लेकिन शर्मनाक यह रहा कि दुनिया भर को शांति व अहिसा का संदेश देनेवाले भारत की मोदी सरकार हमला जारी रखने के पक्ष में खडे. अमरीका-इजरायल व चंद यूरोपीय देशों के साथ रही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने न केवल इस्रायल पक्षी विदेश नीति अपना ली है बल्कि संघ-भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर भारत में मुस्लिम समुदाय पर गन्दी राजनीति प्रेरित हमला शुरू कर दिया है। लोकतंत्र का गला घोंटते हुए देश में इजरायली हमले के विरोध में हो रहे नागरिक प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गयी है और पुलिस द्वारा दमन किया जा रहा है।उन्होंने तमाम अमन व इंसाफपसन्द नागरिकों से फिलिस्तीन पर इजरायली हमले व निहत्थे नागरिकों व मासूम बच्चों के कत्लेआम के खिलाफ आवाज बुलंद करने की अपील की। बापू सभागार के बाहर बने शहीद वेदी के पास भाकपा (माले) विधायक दल नेता व खेग्रामस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कामरेड महबूब आलम द्वारा संगठन का झंडा फहराने तथा भारतीय क्रांति के तमाम अमर शहीदों व दिवंगत नेताओं-का. चारु मजूमदार, का.जौहर, विनोद मिश्र, रामनरेश राम, मास्टर जगदीश, बूटन मुशहर, गम्भीरा साह, राजाराम आदि को श्रद्धार्जलि व शहीद वेदी पर पुष्पांजलि के साथ सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की शुरूआत हुई। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए का .दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र, विविधता, गंगा-जमुनी तहजीब पर बड़ा खतरा मंड़रा रहा है। उम्मीद है कि यह सम्मेलन इस खतरे को दूर करने की राजनीतिक जरूरत को भी पूरा करेगा।उन्होंने कहा कि मोदी राज में देश भारी आर्थिक संकट में चला गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसान आंदोलन और एनआरसी विरोधी आंदोलन को बदनाम करने के लिए इसे विदेशी वित्त पोषित बता रही है और पत्रकारों व निष्पक्ष सोशल मीडिया पर साजिशाना हमले कर रही है। वह दंगा-फसाद फैलाकर आगामी चुनाव जीतना चाहती है। हमें सावधान रहना होगा और राम मंदिर के नाम पर उसकी चुनावी साजिश को धूल चटाना होगा। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए अर्थशास्त्री विद्यार्थी विकास ने देश की खस्ताहाल होती जा रही आर्थिक-सामाजिक व शैक्षणिक अवस्था का विस्तृत ब्यौरा दिया। इस सत्र को ऐपवा महासचिव मीना तिवारी, किसान महासभा के महासचिव राजाराम सिंह, माले विधयक दल नेता महबूब आलम, आशाकर्मियों की राष्ट्रीय नेता शशि यादव, रसोइया संघ की नेता सरोज चौबे, पूर्व सांसद रामेश्वर प्रसाद, खेग्रामस के राष्

संक्षिप्त खबरें

37 लीटर शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के गंगापुर से पुलिस ने रविवार की दोपहर 37 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार धंधेबाजों में रामलाल महतो एवं विशाल कुमार के नाम शामिल हैं। बरामद की गई शराब में इंपीरियल ब्लू ब्रांड की 180 एमएल वाली 88 बोतल, 375 एमएल वाली 42 बोतल एवं 750 एमएल वाली 07 बोतल शामिल हैं। ये सभी शराब की बोतल आरोपित धंधेबाजों के घर से बरामद हुई। इस संबंध में थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि शराब के दोनों धंधेबाजों को गिरफ्तार कर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

नशे की हालत में हंगामा करते दो युवक गिरफ्तार

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग गांव से नशे की हालत में हंगामा करते दो युवकों को पुलिस ने शनिवार की शाम में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों में किशनपुर युसूफ निवासी रामचंद्र दास के पुत्र जगदीश दास एवं हरसिंगपुर निवासी रवींद्र राय के पुत्र चंद्रशेखर कुमार शामिल हैं। दोनों गिरफ्तार युवकों को जांचोंपरांत न्यायिक हिरासत में समस्तीपुर भेज दिया गया।

बीईओ ने किया मदरसा ओर उर्दू विधालय का निरीक्षण

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय रतवारा उर्दू प्राथमिक विद्यालय इस्लामपुर उर्दू प्राथमिक विद्यालय गोपालपुर उर्दू प्राथमिक विद्यालय हरिहरपुर उर्दू सहित मदरसा और उर्दू विद्यालय का रविवार को डीईओ के आदेश पर बीआईओ राजकुमार यादव ने निरीक्षण किया। वहीं निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के विभिन्न अभिलेख छात्र और शिक्षकों की संख्या सहित मूलभूत सुविधा आदि का जानकारी प्राप्त किया। जांच रिपोर्ट डीईओ को सौंपने की बात कही है।

5 लाख की मांगी रंगदारी नहीं देने पर हत्या की दी धमकी

विभूतिपुर, समस्तीपुर। पूर्व मुखिया को हत्या करवाने की आरोप लगाते हुए पांच लाख रुपए की रंगदारी मांगा, नहीं देने पर मारपीट करते हुए जान मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना क्षेत्र के विरसहिया वार्ड 07 निवासी देवनारायण सिंह के पुत्र श्रवण कुमार ने थाना में एक आवेदन देकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आवेदन में कहा गया है कि मैं घरेलु सामान के लिए सिंघियाघाट बाजार गया था। ज्यों ही एक पान दुकान पर रूके कि पीछे से बाईक से गांव के ही एक व्यक्ति आया और कॉलर पकड़ कर मारने लगा और कहां की जान से मार देंगे। तुम सुरेंद्र मुखिया जी को मरवाया है। यदि तुम बचना चाहते हो तो मुझे पांच लाख रुपए दो नहीं तो तुमको जान से मार देंगे। घटना 3 नवंबर की संध्या की बताई जाती है।

एटीएम काट कर 35 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर। अपराधी एटीएम को लगातार निशाना बना रहे हैं। ये एटीएम काटकर रुपये उड़ा लेते हैं। इसी क्रम में बदमाशों ने शहर के सटे उत्तरी क्षेत्र के अहियापुर थाना अंतर्गत बाजार समिति के गेट पर लगे एसबीआई की एटीएम को टारगेट बनाया। इसे चोरों ने गैस कटर से काटकर 34 लाख 751 रुपये चोरी कर ली। इसकी सूचना के साथ ही प्रशासनिक महकमे में खलबली मच गई है। अहियापुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटना स्थल परपहुंचकर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। इसके बाद अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अचानक आग लगने से दो घर जलकर राख

जिले के चौसा प्रखंड क्षेत्र के फुलौत पश्चिमी पंचायत में रविवार की देर शाम अचानक आग लगने से दो परिवारों का घर नुकसान हो गया है। बताया गया कि आग की लपटे इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते आग दोनों घर को अपने आवेश में ले लिया। घटना के बाद जब तक ग्रामीण वहां पहुंचकर आग पर काबू पाते तब तक दोनों ही पीड़ित परिवारों के घर में रखें खाने-पीने की संपत्ति और नगदी सहित करीब ढाई लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जलने का अनुमान लगाया जा रहा है। उधर सीओ राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित राजस्व कर्मचारी से घटना की जांच पड़ताल कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अपनी एकल माँग विभागीय "सेवा समायोजन" को लेकर एक दिवसीय धरना

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा बिहार राज्य डाटा इन्ट्री, कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ (रजि. न.-2229/2022) राज्य कमेटी के निर्णयानुसार दरभंगा जिला इकाई, दरभंगा के द्वारा अपनी एकल माँग विभागीय ह्लसेवा समायोजनह्व को लेकर जिला संघ के अध्यक्ष जयप्रकाश मेहता की अध्यक्षता में दरभंगा जिलान्तर्गत विभिन्न विभागों कार्यालयों में जिला मुख्यालय से लेकर प्रखण्ड,अंचल में लगभग 250 की संख्या में कार्यरत सभी प्रोग्रामर,आशुलिपिक,डाटा इन्ट्री ऑपरेटर एवं आई.टी. ब्यॉज,गर्ल लहेरियासराय पोलो फील्ड स्थित धरना स्थल पर एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए जिला सचिव सुनील कुमार अपने माँगों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा राज्य सरकार हमें बधुआ मजदूर समझ लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी योजनाओं का क्रियान्वयन हम लोग के द्वारा कराया जाता है, परन्तु हमें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं दिया जाङ्घस्त्र ङ्घल्ल ख रहा है, हमारे श्रम का शोषण किया जा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं देश के विभिन्न उच्च न्यायालय के द्वारा निर्देशित किया गया है कि जिस पद के विरुद्ध संविदा/ठेका पर कार्य कर रहे है, उसे पद के प्रारंभिक वेतन दिया जाए, परंतु उसे अमलीजामा नहीं दिया जा रहा है। राज्य सरकार में लाखों पद रिक्त है, परंतु सरकार हमें उसे पद पर समायोजित नहीं कर रहा है। बाध्य होकर हमारे राज्य कमेटी के संघर्ष का शंखनाद किया है। उन्होंने कहा कि हम लोग 06 नवम्बर से 11 नवम्बर 2023 तक काला बिल्ला लगाकर कार्यों का निर्वहन का करेंगे तथा 28 एवं 29 नवम्बर 2023 को दो दिवसीय राजव्यापी हड़ताल किया जाएगा, तभी भी सरकार द्वारा हमारे माँगों पर कार्रवाई नहीं किया जाता है, तो हमलोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। धरना स्थल पर उपस्थित कर्मचारियों को बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री फूल कुमार झा ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार कर्मचारी एवं श्रमिक विरोधी है। डाटा इन्ट्री ऑपरेटर की माँग जाजय है, सरकार इन्हें सरकारी सेवक घोषित करें। सभा को संबोधित करते हुए मीडिया प्रभारी मनीष कुमार आनन्द ने कहा कि जब तक राज्य सरकार हमारी माँगो की पूर्ति नहीं करेगा, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। राज्य सरकार हमारे साथ सौतेले व्यवहार कर रहा है, शोषण के विरुद्ध संघर्ष तेज करना होगा। जिला अध्यक्ष जयप्रकाश मेहता ने कहा कि राज्य सरकार हमारी सेवा नियमावली बनावें तथा सरकारी सेवक की भाँति सभी सुविधा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हम करीब 20 वर्षों से ईमानदारी पूर्वक कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं, परंतु हमारी माँग पर राज्य सरकार ध्यान नहीं दे रहा है, हमारी एक सूत्री प्रमुख मान है कि डाटा इन्ट्री ऑपरेटर को सरकारी पद पर समायोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि हम लोग प्रशासन के अभिन्न अंग है और सभी विभाग, सभी उपक्रमों, राज्यपाल भवन, मुख्यमंत्री सचिवालय में भी कार्यरत हैं, जब हम एक एकताबद्ध होकर आंदोलन करेंगे, तो माँग जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि हमारी माँगों पर सरकार सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं करती है तो हमलोग चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। कहा कि चरणबद्ध आंदोलन की अगली कड़ी में 06 नवम्बर 2023 से लेकर 11 नवम्बर 2023 तक सभी बेल्ट्रॉन कर्मी अपने-अपने सरकारी कार्यालय में काला-बिल्ला लगाकर कार्य करेंगे। तत्पश्चात हमारी माँगे पूरी नहीं हुई तो इसी माह 28 नवम्बर एवं 29 नवम्बर 2023 को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की जायेगी। धरना प्रदर्शन को संघ के उपाध्यक्ष प्रवीण राज, सचिव सुनील कुमार, मीडिया प्रभारी मनीष कुमार आनन्द, वरीय सदस्य अभिषेक कुमार, खगेन्द्र कुमार, रमेश कुमार, जीवछ कुमार, पिंकू कुमार, निर्मल कुमार, प्रिंस कुमार, अमितेश कुमार, मनोज कुमार, विपुल कुमार, मुकेश कुमार, सुरेश कुमार, रंजीत, दीपक, अजय कुमार, पंकज कुमार, अभिनाश कुमार, जयजय राम ठाकुर, सूर्यकांत साह, मनीष कुमार राउत, अमरजीत कुमार, हरेराम पासवान, गनरूप शर्मा, मनोज कुमार यादव के साथ-साथ आयुषी प्रियदर्शी, विभा कुमारी, रानी कुमारी सहित सैकड़ों महिला एवं पुरूष कर्मी धरना प्रदर्शन में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

गोली फायरिंग से जख्मी होने की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दाहू चौक वार्ड एक निवासी जीवछ राय के फर्‍ बयान पर स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज हुई है। इसमें दाहू चौक नवटोलिया वार्ड एक के रामबाबू राय, धर्मेन्द्र राय, अमरेश राय, कमलेश राय और 4-5 अज्ञात को नामजद किया है। कहां है कि दाहू चौक पर उसका आलू-प्याज का दुकान है। वह विगत 24 अक्टूबर की रात्रि करीब 9.45 बजे दुकान बंद कर रहा था। तभी दुकान से करीब 10 फीट दूरी पर गोली फायरिंग की आवाज सुनकर वह आवाज की तरफ बढ़ा। तभी आरोपित धर्मेन्द्र अपने पिता के कहने पर हाथ में लिए पिस्तौल से गोली फायरिंग कर दी। गोली पीड़ित दुकानदार के सिर में लगी। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। जब उसे होश आया तो खुद को सदर अस्पताल में भर्ती पाया। अपने बगल में खड़े पुत्र और ग्रामीणों से पूछा तो उसे घटना के बारे में बताया गया कि उसके पास का स्क्रीन टच सैमसंग मोबाइल, 54 हजार रुपए और हाथ में पहने सोनाटा घड़ी आरोपितों ने ले लिया है। जिसे इन लोगों ने देखा है। पूछे जाने पर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की अनुसंधान में जुट गई है।

कुश्ती प्रतियोगिता के सफल संचालन में सहयोगी व वोलेन्टियर को किया गया सम्मानित

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सर्व कल्याणी मां दुर्गा पूजा समिति कल्याणपुर विभूतिपुर द्वारा ऐतिहासिक दैंता पोखर भीम अखाड़ा में आयोजित तीन दिवसीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता के सफल समापन में महती भूमिका निभाने वाले सहयोगी व वोलेन्टियर को कुश्ती कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया। कुश्ती आयोजन समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार लाल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए सभी सहयोगियों और वॉलिंटियरों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि आप लोगों का सहयोग इसी तरह से मिलता रहे तो कल्याणपुर की ऐतिहासिक धरती पर एक से बढ़कर एक धार्मिक कार्यकर्मों का आयोजन किया जाएगा। समारोह को पत्रकार मनोरंजन प्रसाद मिश्र, चंदन कुमार राय, विनय भूषण, रंजीत कुमार, पूर्व सरपंच उमेश पासवान, अमर कुमार चौधरी, पूर्व मुखिया मोहम्मद हामिद, मदन साह, राजा बाबू, रमेश ठाकुर आदि ने संबोधित किया। मौके पर चंदन कुमार, दुर्गेश राय, पंकज कुमार, दीपक कुमार, राजन ठाकुर, रितुराज, विक्की कुमार, बसंत कुमार, राजीव कुमार, देव कुमार सहित लगभग तीन दर्जन से ऊपर सहयोगी व वोलेन्टियर को चादर आदि देकर सम्मानित किया गया।

दो पक्षों के बीच मारपीट व लूटपाट की अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज

- दूसरे पक्ष से भी फर्द बयान पर प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मानाराय टोल वार्ड 10 निवासी अमित कुमार झा ने मारपीट व लूटपाट की घटना को लेकर स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करवाई है। इसमें गांव के हीं प्रतिश कुमार सुमन, शंभू शरण झा, रंजू देवी, काजल पल्लवी व कल्याणपुर निवासी श्यामबाबू झा और 10 से 12 अज्ञात को आरोपित किया है। कहा है कि विगत 28 अक्टूबर को वह अपनी मां, पिता, भाई और रिश्तेदार के साथ घर के दरवाजे पर बातचीत कर रहा था। तभी आरोपित प्रतिश आ धमका और कहा कि तुम बहुत कमाते हो। प्रतिमाह पच्चास हजार रुपए रंगदारी देना होगा। अन्यथा, अंजाम भुगतने को तैयार रहना। इस बात पर उसने आजतक किसी को रंगदारी नहीं देने और आगे में रंगदारी नहीं देने की बातें कही तो आरोपित भड़क गया और पीड़ित के एक रिश्तेदार द्वारा समझाने के क्रम में पिस्तौल के बट से प्रहार कर जख्मी कर दिया। रिश्तेदार के जेब से पंद्रह हजार रुपए छिन लिया और पिस्तौल लहराते हुए भाग निकला। पुनः अन्य आरोपितों के साथ पिस्तौल लहराते हुए लाठी-डंडा से लैस होकर आया और गाली-गलौच व मारपीट करते हुए घर में घुस आया। अलमीरा का ताला तोड़कर उसमें रखे दो लाख रुपए नकद और करीब तीन लाख मूल्य के जेवरात पिस्तौल के बल पर लूट लिया। ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर आरोपित पैदल और बाइक सवार होकर भाग निकला। भागने के क्रम में उसके भाई वैद्यनाथ झा के गले में गमछा लगाकर घर से खींचते हुए सड़क पर लाकर छोड़ दिया। ग्रामीणों के सहयोग से जख्मी को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल विभूतिपुर में भर्ती कराया गया। वहीं दूसरी तरफ शंभू शरण झा के पुत्र प्रतिश कुमार सुमन के फर्द बयान पर स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज हुई है। इसमें गांव के हीं अमित कुमार झा, राजाबाबू झा, विनोद झा, वैद्यनाथ झा, विनय कुमार झा, विकास कुमार झा, विवेक कुमार झा और कापन के शुभम कुमार झा को नामजद किया है। कहा है कि उसके जमीन पर बाउंड्री हो रहा था। तभी आरोपित लाठी, फरसा, लोहे के रड आदि से लैस होकर आया और मारपीट कर जख्मी कर दिया। बचाव करने आई मां और बहन के साथ भी आरोपितों ने मारपीट कर अभद्र व्यवहार किया। आभूषण छिन लिया। जख्मी को सरकारी अस्पताल विभूतिपुर में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि अलग-अलग कांड अंकित कर पुलिस मामले की अनुसंधान में जुट गई है।

ई-कॉम एक्सप्रेस का पार्सल गबन करने के आरोप में कंपनी का डिलीवरी मैन गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

पुलिस ने ई-कॉम एक्सप्रेस डीसी के डिलेवरी मैन के द्वारा लूट की झूठी शिकायत के मामले का रविवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में डिलेवरी के समानों व ग्राहकों के द्वारा दी गई रुपयों के गबन करने के आरोप में ई-कॉम एक्सप्रेस डीसी के डिलेवरी मैन को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कपूर्रीग्राम थाना क्षेत्र के सिंघियाखुर्द निवासी रामसकल सिंह के पुत्र अभिनन्दन कुमार कुमार के रूप में हुई है। सदर डीएसपी कार्यालय में इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए सदर डीएसपी संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि ई-कॉम एक्सप्रेस डीसी के डिलेवरी मैन के द्वारा बीते तीन नवंबर को थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर के पास लूट होने की शिकायत की गई थी। वहीं ई-कॉम एक्सप्रेस डीसी के मैनेजर के द्वारा उनके डिलेवरी मैन के डिलेवरी को लेकर गए 40 पार्सल लेकर गायब होने की शिकायत की गई थी। मामला दर्ज करते हुए पुलिस की जांच में डिलेवरी मैन की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उससे पूछताछ की गई। जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बचे हुए 11 पार्सल और छह हजार रुपए व एक मोबाइल बरामद किया है। पुलिस की छापेमारी टीम में कपूर्रीग्राम थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, एसआई प्रियंका कुमारी, पीएसआई विनय कुमार कसौधन एवं थाना के पुलिस बल के जवान शामिल थे।

केएनएस पॉलिटेक्निक में टैलेंट सर्च इन मैथमेटिक्स व साईंस पीरीक्षा हुआ संपन्न

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड के किशनपुर टभका स्थित कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पोलिटेकनिक, समस्तीपुर में श्रीनिवासन रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथेमेटिक्स-2023 एवं सर सीवी रमन टैलेंट सर्च टेस्ट इन साईंस परीक्षा-2024 कदाचार मुक्त ऑन लाइन सम्पन्न हुई। चार पालियों में संपन्न इस परीक्षा में कुल 64 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। बिहार काउंसिल ऑन साईंस एंड टेक्नोलोजी एवं बिहार मैथेमेटिकल एवं साईंस सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में 22 दिसंबर 2023 को गणित दिवस मनाए जाने तथा 28 फरवरी 2024 को विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में बच्चों को गणित तथा विज्ञान के क्षेत्र में जागरूक करने तथा अभिरूचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से इस पोलिटेकनिक में श्रीनिवास रामानुजन टैलेंट सर्च टेस्ट इन मैथेमैटिक्स-2023 एवं सर सीवी रमन टैलेंट सर्च टेस्ट इन साईंस परीक्षा-2024 प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन रविवार को कदाचार मुक्त माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। संस्थान के प्राचार्य डॉ० असीम कुमार ठाकुर ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य बिहार के छिपे प्रतिभाओं की खोज करना एवं छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना है। इस परीक्षा का एक और उद्देश्य यह है कि ग्रामीण परिवेश के छात्र-छात्राओं को नजदीक से आकर अभियंत्रण महाविद्यालय एवं पोलिटेकनिक संस्थान एवं उसके प्रयोगशाला व कर्मशाला से प्रत्यक्ष रूप से रूबरू हो एवं अभियंत्रण की पढ़ाई के तरफ आकर्षित हो। संस्थान के प्राचार्य ने बताया कि इस परीक्षा के नोडल ऑफिसर डा० मो० कैसर हाशमी बनाए गए थे। प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को तारा मंडल पटना में एवं द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्थान में सम्मानित किया जाएगा। इस परीक्षा के सफल संचालन में संस्थान के शिक्षक प्रो० जयराम कुमार, प्रो० उत्तम कुमार, प्रो० सरिता कुमारी एवं अन्य कर्मियों ने सहयोग किया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के वारिसनगर प्रखंड के हांसा पंचायत भवन, नागरबस्ती में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए मनोज कुमार एवं अपर न्याययिक दण्डाधिकारी सह सचिव डीएलएसए श्वाति सिंह के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिक के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सहयोगी संस्था अनमोल उपहार सेवा फाउंडेशन के निदेशक देव कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य पर प्रकाश डाला। पैनल अधिवक्ता जयराम कुमार ने बताया कि नालसा एवं बालसा द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा 2016 स्कीम चलाया गया है, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए अधिकार एवं कर्तव्य के प्रति जागरूकता सरकार के द्वारा चलाए गए हैं। वृद्धों के कल्याण के लिए कार्यक्रम, सेवाएं न्यायपालिका के द्वारा दिए गए हैं। विभिन्न धाराओं के तहत वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षा, संरक्षण एवं संविधान के द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकार आदि की जानकारी दी गई। पीएचसी वारिसनगर के सीएचओ सुमन कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। सरपंच प्रतिनिधि दीपक कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर पीएलभी संजय कुमार चौधरी, उपसरपंच योगेन्द्र महतो, पंच उमेश दास, रामजी महतो, अनिषा खातुन, मंजु देवी, संगीता देवी, आमना खातुन, अब्बास मियां आदि थे।

ज्वलनशील मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन ने निकाला पद यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आता जा रहा है। वैसे-वैसे सभी राजनीतिक पार्टी अपनी अपनी मजबूत दावेदारी जनता के बीच सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग हथकंडे अपना रही है। इसी कड़ी में दरभंगा में इंडिया गठबंधन दरभंगा एम्स, रेलवे ओवर ब्रिज, सकरी-हसनपुर रेलवे लाइन पूरा करने , दरभंगा हवाई अड्डा को विस्तारीकरण के मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन तीन दिवसीय पद यात्रा निकला जनता के बीच जा रही है। तथा केंद्र की मोदी सरकार पर आरोप लगा रही है कि केंद्र की सरकार मिथिला और दरभंगा का विकास केंद्र की सरकार नहीं चाहती। और साथ ही यह भी कहा कि दरभंगा लोकसभा के सदस्य ठाकुर जी से कोई विकास का काम नहीं हुआ वह सिर्फ माला पहने और बातें बनाने के काम में ही सक्षम हैं। वही राजद प्रेमचंद यादव उर्फ भोलू यादव ने कहा कि तीन दिवसीय पदयात्रा के दूसरे दिन एम्स बचाव के लिए पद यात्रा निकाले हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा किया कि दरभंगा में एम्स बनकर तैयार है। उसी एम्स को खोजने के लिए हम लोग पद यात्रा के माध्यम से निकले हैं। आखिर एम्स है कहां पर बना है। अगर प्रधानमंत्री मोदी झूठ नही बोलते है। तो हम लोग चाहते हैं कि प्रधानमंत्री दरभंगा में एम्स बनावे। वहीं उन्होंने कहा कि दरभंगा में जाम की जो विकराल रूप है। जिसको लेकर ओवर ब्रिज बनाने को लेकर बात हो रही है। जिसकी आजतक नीव नही रखी गई। जिसके कारण यहां की जनता का जनजीवन अस्त्र व्यस्त हो गया है। इन सभी मुद्दों को लेकर मैं प्रधानमंत्री से आग्रह करता हूं कि जल्द से जल्द इन सभी मुद्दों पर ध्यान दें। वही राजद के जिला अध्यक्ष उदय शंकर यादव ने कहा कि 9 साल के भाजपा के शासनकाल में दरभंगा में एक भी ओवरफ्लाई नहीं बना। जिसके चलते हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। दरभंगा चारों तरफ से रेलवे लाइन से घिरा हुआ है। रेलवे फाटक बंद होने के कारण कारण हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है और इस जाम में फंसकर कितने लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दरभंगा मेडिकल हब होने के कारण सीमांचल से लेकर मिथिलांचल व उत्तर बिहार के कई जिला के लोग डीएम सी एचमें इलाज करवाने के लिए यहां आते हैं। इसीलिए इस पदयात्रा के माध्यम से केंद्र सरकार से फ्लावर बनाने की मांग करते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि सकरी-हसनपुर दरभंगा-मुजफ्फरपुर तथा दरभंगा-कुशेश्वरस्थान रेलवे लाइन को पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने 2009 में ही स्वीकृति दे दी थी। आखिर वह योजना अभी तक अधूरा क्यों है। जबकि इसका आवंटन भी पूर्व में ही स्वीकृत किया जा चुका है। वही उदय शंकर यादव ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट का परिचालन उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू करवाया गया। लेकिन आज तक ना तो एयरपोर्ट को अपग्रेड किया गया। ना ही टर्मिनल बिल्डिंग बनने का काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि दुनिया जहां का पैसा दरभंगा और मिथिलांचल के लोगों से वसूल किया जा रहा है और सिर्फ एक एयरलाइंस स्पाइसजेट को फायदा पहुंचाने का काम हो रहा है। यह सीधा सीधी लूट है दरभंगा मिथिलांचल और इस इलाके के लोगों के साथ।

मुसरीघरारी में ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० एलबी सिंह का स्वागत मुसरीघरारी चौक पर जनता दल यू चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ० कृष्ण कुमार के द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण चिकित्सकों के हित के लिए एवं सरकारी सेवा में जगह देने की मांग पत्र सरकार के सौंपी गई है। मौके पर डॉ. अशोक सिंह, डॉ. कमांल पाशा, डॉ. यशवंत भारती, डॉ. बेचन चौधरी, डॉ. संतोष गिरि, डॉ. शंभू शरण चौधरी, डॉ. सूरज महतो, डॉ. गणेश कुमार, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. चमचम कुमारी, डॉ. अनीता देवी, डॉ. लखनदार सहित कई अन्य ग्रामीण चिकित्सक मौजूद रहे।

सशस्त्र सीमा बल के जवानों को मिली बड़ी कामयाबी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सशस्त्र सीमा बल 48वीं वाहिनी जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी कमला के जिम्मेवारी के इलाके में सशस्त्र सीमा बल के जवानों को एक बड़ी कामयाबी मिली है।

संतोष कुमार निमोरिया कार्यवाहक कमांडेंट की गुप्त सूचना के आधार पर निरीक्षक लोकेन्द्र कुमार समवाय प्रभारी कमला के नेतृत्व में अन्य जवानो के साथ विशेष गस्ति दल द्वारा की गयी कार्यवाही में भारतीय-नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 271 से लगभग 01 किलोमीटर की दूरी पर भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से नेपाली रेलवे-स्टेशन जयनगर से जनकपुर नेपाल को जाने वाली रेलगाड़ी से जाने का प्रयास कर रहे जापानी मूल के नागरिक कीमियोशी शिमुरा उम्र लगभग 54 वर्ष को नेपाली रेलवे-स्टेशन जयनगर के प्लैटफार्म से अपरेहैन्ड किया गया है। निरीक्षक लोकेन्द्र कुमार समवाय प्रभारी कमला ने वताया की अपरेहैन्ड विदेशी नागरिक से गहन पूछताछ के बाद अग्रिम कार्यवाही हेतु जी आर पी० जयनगर को सुपुर्द कर दिया गया है । संतोष कुमार निमोरिया कार्यवाहक कमांडेंट, 48वीं वाहिनी जयनगर ने बताया कि प्राधिकरृत रास्तो से इतर अन्य रास्ते से भारत से नेपाल और नेपाल से भारत आना जाना अन्य देशों भारत नेपाल के अलावा के नागरिकों के लिए प्रतिबंधित है ।

इस प्रकार के अवैध आवागमन की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से सशस्त्र सीमा बल निरन्तर प्रयासरत है और अवैध गतिविधियों को रोका जा रहा है और भारत-नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया किया सके ।

सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने शराब के साथ एक तस्कर को धर दबोचा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी जानकीनगर के जिम्मेवारी के इलाके मे सशस्त्र सीमा बल के जवानों को एक ओर बडी कामयाबी मिली है। नियमित चेक पोस्ट ड्यूटी के दौरान सहायक उप निरीक्षक बसदेव के साथ अन्य जवानो ने भारत नेपाल सीमा से सटे भारतीय-नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 277/46 से लगभग 50 मीटर भारतीय क्षेत्र की तरफ मोटर साईकलों पर नेपाल से भारतीय क्षेत्र लाए जा रही भारी मात्रा में शराब के साथ एक तस्कर कुशल कुमार उम्र 31 साल सपुत्र स्वर्गीय विनोद चौधरी गाँव डाक घर-जगतपुर पुलिस स्टेशन राहिका जिला मधुबनी बिहार को सीमा चौकी जानकीनगर के जवानों द्वारा गिरफ्तार किया गया है।जब्त किए गए शराब एवं मोटरसाईकलों तथा गिरफ्तार तस्कर को अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस थाना बासोपट्टी के सुपुर्द कर दिया गया है । समवाय प्रभारी जानकीनगर निरीक्षक भगवान सहाय मीणा ने बताया की शराब तस्करी की सूचना हमें लगातार मिल रही थी। इसी के आलोक में जवानों को सीमा पर तैनात किया गया था तथा सशस्त्र सीमा बल के जवानों को सफलता मिली है। संतोष कुमार निमोरिया कार्यवाहक कमांडेंट 48वीं वाहिनी जयनगर ने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है और अवैध गतिविधियों को रोका जा रहा है और भारत-नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया जा सके।

प्रतिरोध की संस्कृति के साहित्यकार थे बाबा नागार्जुन: गुड्डु

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा कार्यालय मिथिला विकास संघ के तत्वावधान में बाबा नागार्जुन की पुण्यतिथि पर कामेश्वरनगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं संकल्प सभा आयोजित की गई. बिप्लव कुमार चौधरी की अध

संक्षिप्त खबरें

मिजार्पुर में शाकाहारी जागरूकता रैली का स्वागत किया गया

मढौरा ग्रामीण। शाकाहार को बढ़ावा देने के लिए जय गुरुदेव समिति के निदेर्शानुसार जिले में भ्रमण के लिए निकली शाकाहार जागरूकता रैली का शामिल लोगों का स्वागत स्थानीय मिजार्पुर में जय गुरुदेव के अनुयाई योगेंद्र शाह ने किया। उधर शिल्हौरी में योगेंद्र शाह के अलावे डॉक्टर जितेंद्र कुमार व अन्य ग्रामीणों ने भी सभी सदस्यों को माला पहनकर स्वागत किया। यह रैली छपरा के मेंहिया मंदिर से आरंभ होकर खैरा,पटेढा, मिजार्पुर होते हुए शिल्हौरी पहुंची जहां भोजन व विश्राम करने के बाद यहां से अमनौर, भेल्दी, गड़खा होते हुए वापस छपरा की ओर चली गई। इस दौरान इस जागरूकता रैली में शामिल जय गुरुदेव के अनुयाई शाकाहार अपनाने के लिए नारे भी लगा रहे थे और लोगों को शाकाहार के लिए जागरुक कर रहे थे।

हार्ट अटैक से आर्मी जवान का शव घर पहुंचते गांव मे छाया मातम

बनियापुर (सारण) थाना क्षेत्र के कवला छपरा बलुआ गाव निवासी इंडियन आर्मी जवान का शव गाव मे पहुंचते स्वजनों सहित पूरे गाव का माहौल मातम मे बदल गया। बता दे कि स्थानीय प्रदुमन सिंह का 32 वर्षीय पुत्र धनंजय कुमार सिंह इंडियन आर्मी मे नायक के पद तैनात थे,जो छ माह पहले ही संयुक्त राष्ट शांति सेना मे सेवा देने के लिए अफ्रीका के कांगो गए थे, मार्च मे उन्हे वतन लौटना था,हेडकवाटर से मिली सूचना पर घर परिवार मे कोहराम मच गया।

दुकान में लगी आग,लाखों रुपए के समान हुआ राख

दरियापुर।स्थानीय थाना क्षेत्र के गरीबाचक बाजार स्थित अमित जेनरल स्टोर नामक दुकान में आग लग गई।जिसमें तीस हजार नकद सहित लाखों के सामान जल कर नष्ट हो गए।जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह करीब पांच बजे दुकान में अचानक आग लग गई।कुछ लोग शौच के लिए सड़क की तरफ गए थे तो देखे की आग लगी हुई है।इसके बाद लोगों ने शोर मचाई।सुबह का समय था।इसलिए लोग जागे और आग बुझाना शुरू किए।तबतक दुकान का सारा सामान जल कर नष्ट हो गया।लेकिन लोगों की तत्परता से कई अन्य दुकानें जलने से बच गई।आग लगने का कारण बिजली की शॉट सर्किट बताया जा रहा है। दुकान मालिक अजय राय ने बताया की तीस हजार नकद रुपए थे जो जल गए।इसके साथ करीब पांच लाख का सामान भी जल कर नष्ट हो गया है।

एक ही गांव से दो युवती लापता,बना चर्चा का विषय

दरियापुर।स्थानीय थाना क्षेत्र के एक ही गांव से चार दिन के अंतराल पर एक किशोरी व एक युवती लापता हो गई है।इस वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।जानकारी के अनुसार राजेश्वर सहनी की 17 वषीर्या पुत्री सुबह में शौच करने खेत ने गई थी।वही से अचानक लापता हो गई।ठीक उसके चार दिन के बाद उसी गांव की उर्मिला देवी की पुत्री शीतलपुर बाजार में सामान खरीदने की बात कह कर घर से निकली।देर शाम तक जब घर नही लौटी तो खोजबीन शुरू हुई।लेकिन कोई पता नहीं चला।इस संबंध में दोनो के परिजनों ने थाने में अलग अलग एफआईआर दर्ज कराई है।पुलिस छानबीन कर रही है।यह घटना पूरे इलाके ने चर्चा का केंद्र बन गया है।

सात दिवसीय महायज्ञ को लेकर निकली विशाल कलश यात्रा जुलुस

बनियापुर (सारण) प्रखंड के पूछरी बजार स्थित संकट मोचन मंदिर मे पांच नवंबर ग्यारह नवंबर तक चलने वाला सात दिवसीय हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा सह मारुतिनंदन महायज्ञ के लिए हजारों की संख्या मे शामिल महिला पुरुष भक्त श्रद्धालुओ की विशाल जुलुस के साथ कलश यात्रा का आयोजन किया गया।जहा यज्ञ स्थल से एंन एच 331 पर स्थित पैगम्बरपुर पोखरा से जलभरी यात्रा की गयी।जहा इसके साथ ही यह महायज्ञ विधि विधान के साथ प्रारम्भ हो गया।यज्ञ मे काशी,वृंदावन सहित देश के कई महान प्रवचनकर्ताओ के शामिल होने की बात बताई गयी।यह अनुष्ठान व मेले की सम्पूर्ण व्यवस्था अनोखी अंदाज मे किया गया है जो आकर्षण का केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।महायज्ञ के व्यवस्थापक अध्यक्ष संजीव पाठक,सरक्षक व्यास प्रसाद सिंह राम अवतार सिंह पप्पू सिंह अन्य ने कि यह महायज्ञ एक एतिहासिक होगा ,महान आचार्यो के देख रेख मे विधि विधान के साथ ग्यारह नवंबर को पूणार्हुति के पश्चात विशाल भंडारे के साथ सम्पन होगा।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ विद्यालय का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न

छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों व अतिथियों का मन मोहा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। स्थानीय छपरा सेन्ट्रल स्कूल, परिसर में वार्षिकोत्सव समारोह के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रारंभ प्रख्यात चित्रकार व मुख्य अतिथि मेंहदी शा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल के निदेशक ड़ॉ.हरेन्द्र सिंह वरीय अधिवक्ता सुभाषचंद्र श्रीवास्तव, ब्रज किशोर किंडर गार्टन के प्राचार्य मुकेश कुमार, उप प्राचार्य अजीत कुमार, सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारंभ समृद्धि, सोनाक्षी सौम्या द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत आपके चरणों में है नमन... से हूआ।

जहाँ श्रेया सुमन द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव नृत्य ने दर्शकों का मन मोहा वही सौम्या द्वारा प्रस्तुत भजन राधा ना बोले ना बोले... ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्याम ली, दीप्ति द्वारा प्रस्तुत लावनी नृत्य काला चश्मा.. ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। वही प्रिया, सुमन, कमाया द्वारा प्रस्तुत कलबेलिया नृत्य से दर्शक झूम उठे। समृद्धि तिवारी द्वारा प्रस्तुत गजल है जिंदगी कितनी खूबसूरत.. ने दर्शकों का मन मोहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति के रूप में कव्वाली दमादम मस्त कलंदर... की प्रस्तुति बेमिसाल थी।इसके पूर्व मुख्य अतिथि मेंहदी शा ने विद्यार्थियों के शैक्षिक,सांस्कृतिक व खेलकूद के क्षेत्र विकासात्मक कार्य किये जाने की सराहना की तथा कहा कि जिस प्रकार से छात्राओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि इस विद्यालय के बच्चों के गुणात्मक विकास के प्रति सभी शिक्षक,शिक्षिकायें एवं विद्यालय प्रबंधन सतत प्रयत्नशील है जो सराहनीय है।वहीं वरीय अधिवक्ता सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव ने विद्यालय के उपलब्धियों से संबंधित तथ्यों को रेखांकित किया प्रारम्भ में विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते इस समारोह के औचित्य पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों के परिजनों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।मंच संचालन शाम्भवी एवं कृति शिखा ने किया।इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी,शिक्षक शिक्षिकायें व कर्मी सहित अभिभावक गण उपस्थित थे।

नशा मुक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य, नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर (सारण) अमनौर प्रखंड के अमनौर हरनारायण पंचायत के प्राथमिक विद्यालय अमनौर अगुआन अनुसूचित जाति टोला के प्रांगण में नशा उन्मूलन सह जागरूकता अभियान को लेकर रविवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस कार्यक्रम अध्यक्षता विमल सिंह ने किया।नशा उन्मूलन के संरक्षक प्रियरंजन सिंह युवराज ने कहा की नशा युवा पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में ले जा रहा है।नशे का शिकंजा नशा एक धीमा जहर है।इसके सेवन से मनुष्य का जीवन अंधकार में दब जाता है। आज की युवा पीढ़ी शराब तंबाकू चरस अफीम आदि सहित अन्य नशीले पदार्थो के सेवन कर रहे हैं। नशा न केवल व्यक्ति का शरीर एवं मानसिक नुकसान करता है बल्कि उसके परिवार को पतन की ओर धकेल देता है।समाज में अपराध की मुख्य वजह नशा ही माना गया है।अध्यक्ष के द्वारा सभी को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया।वही कार्यक्रम के तहत छात्रों को कॉपी,कलम का वितरण भी किया गया।

नशा उन्मूलन के अध्यक्ष बिमल सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए एक अभिशाप है। नशे की लत है ऐसी जो किसी के जिंदगी नर्क कर देती है। हमें नशा मुक्त भारत को बनना है।वही कोषाध्यक्ष प्रभात सिंह ने कहा कि इस नशा उन्मूलन अभियान को जन जन में क्रांति ला देंगे। जीवन में अगर स्वस्थ रहना है तो नशे से हमें दूर रहना है। दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है नशा भी छोड़ा जा सकता है इसके लिए दृढ़ संकल्प लेना जरूरी है।संयोजक राकेश सिंह ने कहा की व्यक्ति मनोरंजन के तौर पर नशे की शुरूआत करता है लेकिन बाद में यह आदत में शुमार हो जाता है जिसे पूरे परिवार के मानसिक स्थिति के साथ-साथ आर्थिक स्थिति भी खराब हो जाती है।सचिव पंकज मिश्रा ने कहा की जिला प्रशासन से हम आग्रह करते हैं कि इस पर शक्ति से प्रतिबंध लगाया जाए।हमारे आने वाले पीढ़ी खराब न हो।नशा से शरीर में अनेक बीमारी से ग्रसित हो जाता है ।एक सुखी परिवार आर्थिक स्थिति से नष्ट हो जाता है।उक्त मैके पर समाजसेवी कुलदीप महासेठ,कोषाध्यक्ष प्रभात सिंह, करण सिंह,आनंद कुमार राय,रजनीश राय,सुरेंद्र राम, वीरेंद्र राम, निरंजन कुमार, विश्वनाथ राय,उमेश राम, सूरज कुमार, विक्रमा राम समेत आदि मौजूद थे।

विधिक पेशे से जुड़े लोगों में ईमानदारी पूर्वक हमेशा जागरूक बने रहने की जरूरत: मनन मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गया।नवादा विधि महाविद्यालय के प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन किया गया है।इस समारोह के मुख्य अतिथि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि विधिक पेशे से जुड़े लोगों में ईमानदारी पूर्वक जागरूक बने रहने की जरूरत है। कानून पेशे में नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार की जा रही है। जनहित में नई पीढ़ी को भी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत की न्यायपालिका के इतिहास में एक अतिविशिष्ट स्थान अधिवक्ताओं का भी है। इनका कार्य बहुत महत्व है।जनहित व राष्ट्रहित में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए विधिक पेशे से जुड़े लोगों में हम सभी को विशेष रूप से जागरूकता लाने की आवश्यकता है। देश आजादी में भी कानूनविदों की काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा। महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू सहित बड़ी संख्या में हमारे राष्ट्रीय नेता अधिवक्ता थे। अधिवक्ता के रूप में प्रशिक्षण तथा भारत और विदेश की विधिक प्रणालियों से उनके परिचय ने हमारे राष्ट्रीय आंदोलन की दार्शनिक बुनियाद रखने में उनकी मदद की है।परिणामस्वरूप, स्वतंत्रता संघर्ष ने देश में स्वतंत्रता, मूल अधिकारों तथा सच्चे लोकतांत्रिक प्रतीकों के प्रोत्साहन को उच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने नवादा जैसे छोटे इलाके में इतने महत्वपूर्ण स्वरूप धारण किए नवादा विधि महाविद्यालय की व्यवस्था को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस व्यवस्था का लाभ लोगों को उठाना चाहिए। इतनी खूबसूरत और सुव्यवस्थित लाइब्रेरी त का लाभ सभी को उठाने की जरूरत पर उन्होंने जोर दिया है।

इस अवसर पर बिहार बार कॉसिंल पटना के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा,नवादा के पुरूषोत्तम मिश्रा ने भी अपना विचार व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष प्रकाश डाला है। अधिवक्ताओं की वर्तमान पीढ़ी को पूर्व के कानून विदों की उच्च शख्सियतों की प्रतिबद्धता और गुणवत्ता से प्रेरणा ग्रहण करने का संदेश दिया। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ डीएन मिश्रा ने किया। इन्होंने अपने सम्बोधन में नवादा विधि महाविद्यालय के कार्यो पर प्रकाश डालते हुए कानून की पढ़ाई का सही संचालन के लिए कानून विश्व विद्यालय की स्थापना की मांग पर जोर दिया।

डॉ अनीश मिश्रा सहित कॉलेज के दिवंगत कर्मियों का प्रतिमा अनावरण नवादा विधि महाविद्यालय के संयोजक डॉक्टर अनीश पंकज मिश्रा सहित कॉलेज के दिवंगत प्रोफेसर व कर्मियों का प्रतिमा का अनावरण करते हुए ऑल इंडिया बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि कॉलेज परिवार दिवंगत महापुरुषों का प्रतिमा का अनावरण कर ममत्व और आत्मा शांति विचारधारा को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने नम आंखों से इन महापुरुषों की प्रतिमाओं का अनावरण करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित कॉलेज परिवार सहित अन्य लोग काफी भावविह्वल हो गए और नम आंखों से सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। इसके साथ ही कॉलेज के संयोजक डॉक्टर अनीश पंकज मिश्रा सहित दिवंगतों की याद में 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई है। इस अवसर पर डॉ मनीष मिश्रा, प्राचार्य डॉ डीएन मिश्रा, प्रियंका मिश्रा आदि मौजूद रहे। समारोह में बड़ी संख्या में विधि के छात्र-छात्राएं सहित कॉलेज परिवार व गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में दिवंगत के परिवारों को सम्मान दिया गया। सफल छात्र-छात्राओं को भी मेडल व प्रशस्तिपत्र पत्र दिया गया है।

समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहे इंजीनियर एनके सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्मृति शेष इंजीनियर एनके सिंह के श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ो लोगों ने शिरकत की और प्रसिद्ध समाज सेवी के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं कई संगठनों में सहयोगी रहे प्रो रणविजय कुमार ने की।प्रो कुमार ने बताया कि इंजीनियर साहब बहु आयामी व्यक्तित्व के पुरोधा थे। जिनके गुणों की चर्चा घंटों किया जा सकता हैं। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश राय ने कहां की जीवन पर्यंत जरूरतमंद लोगों , विभिन्न संगठन के लोगों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ एक कर्तव्यनिष्ठ और योद्धा के रूप में सहयोगी बनकर खड़े रहते थे। इनका विशाल हृदय और परोपकार की भावना को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। फुटाब के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो कन्हैया बहादुर सिंहा ने इन्हें एक समर्पित समाजसेवी और 80 बरसों का युवा बताया। जस्टिस पी एन राय ने कहा कि ये बूढ़ा नहीं बल्कि वरिष्ठ समाज सेवी और विभिन्न संगठनों के उत्प्रेरक रहे हैं। इन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है सीनियर सिटीजन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रिका यादव ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की भूरि भूरि प्रशंसा की। रेड क्रॉस की सचिव डॉक्टर विभा कुमारी ने इन्हें 1400 परिवारों की तरफ से श्रद्धांजलि देते हुए कहा की इंजीनियर साहब सदा हम सबों के मार्गदर्शक रहे हैं। बखोरापुर काली माई मंदिर के अध्यक्ष सह मौर्या होटल के मुख्य प्रबंधक श्रीमान बीडी सिंह ने कहा कि ये सदैव कुछ समाज को करने, कुछ देने के लिए बराबर प्रयत्नशील रहते थे। ऐसा कोई संगठन नहीं है जिनको इन्होंने सहयोग न पहुंचा हो। रोटरी आरा के पूर्व अध्यक्ष डॉ दिनेश प्रसाद सिन्हा ने कहा कि इनकी इंजीनियर साहब की अमर कृतियों में समाहरणालय महावीर मंदिर,आरा स्टेशन, महादेवा हनुमान मंदिर, डीएवी में आज भी उनका योगदान अंकित है। समाज सेवी भाई बरमेश्वर ने उनके प्रतिभा संपन्न अनेक गुणों की चर्चा करते हुए इन्हें महामानव बताया। बाल हिंदी पुस्तकालय के सचिव विजय कुमार सिंह ने इन्हें हाथ जोड़कर नमन और श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ जितेंद्र शुक्ला ने इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए चाचा जी के सहयोग का बखान किया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में करने वालों में पूर्व कुलपति प्रो दुर्ग विजय सिंह, अधिवक्ता भाई अरुणेश, मृत्युंजय भारद्वाज ,प्रो अनिल कुमार सिन्हा, प्रेम रंजन चतुर्वेदी, महाराजा कॉलेज के अनेक शिक्षक और कर्मचारी गण उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। बताते चले की स्मृति शेष एन के सिंह सीनियर सिटीजन संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,मां बखोरापुर काली मंदिर के संरक्षक बाल हिंदी पुस्तकालय के बड़े दानदाता और रूम निमार्ता, रोटरी आरा वेस्ट के अध्यक्ष सचिव, रेड क्रॉस आरा के आजीवन सदस्य, महादेव हनुमान मंदिर के सहयोगी, रामायण परिषद के सदस्य, पेंशनर समाज के पदाधिकारी जैसे तमाम संगठनों में अपनी सेवा और भक्ति के लिए आजीवन जाने जाते रहे हैं। अंत में 2 मिनट का मौन रखकर इनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई तत्पश्चात सब लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

सरकार की प्राथमिकता है गरीबों को भोजन मिले : राजेश सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा : भाजपा के जिला प्रवक्ता राजेश सिंह ने कहा की सरकार की प्राथमिकता है गरीबों को हर दिन भोजन मिले साथ ही अन्य सुविधाएं मिले इसी वजह से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना को 5 वर्ष बढ़ाया गया है इस योजना को बढ़ाने पर भोजपुर भाजपा के लोगों ने खुशी जाहिर की है इस योजना से 80 करोड़ भारत वासियों को जो गरीब हैं उनको लाभ मिलेगा। इसके लिए भोजपुरी भाजपा के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को साधुवाद दिया है । पार्टी प्रवक्ता राजेश सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी ही गरीबों के सच्चे शुभचिंतक हितैषी हैं। धन्यवाद ज्ञापन करने वालों मैं जिला अध्यक्ष दुर्गा राज प्रदेश का समिति सदस्य विजय सिंह सीडी पूर्व जिला अध्यक्ष अंगद सिंह शर्मा जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर धीरेंद्र सिंह अखिलानंद ओझा मीरा यादव सतीश भट्ट जिला महामंत्री नरेंद्र तिवारी राकेश सिंह पूनम कुशवाहा जिला मंत्री विनय बेलाउर अजय सिंह नवीन सिंह संतोष सिंह अजीत गुप्ता विनय सिंह निलेश जैन शिवाजी सिंह रमाकांत सिंह सुरेंद्र प्रजापति विजय श्रीवास्तव आदि नेताओं ने प्रशंसा की है।

गृह मंत्री के उद्बोधन को लेकर सैकड़ों कार्यकर्ता हुए रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा से मुज्जफरपुर देश के गृह मंत्री अमित शाह के आम सभा जिले से हजारों के संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन पताही हवाई अड्डा के लिये गृह मंत्री का उदबोधन सुनने के लिये प्रस्थान किया।

छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता छपरा रवाना हुआ। छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि यह आम सभा 2024 के लोकसभा चुनाव का आगाज है । आम सभा मे लाखो लोग शामिल होंगे ,इसकी तैयारी एक पखवारा से चल रही है , बिहार सरकार में भ्रष्टाचार , अपराध चरम पर बहुच चुका है। आम सभा मे जाने वालों में मुख्य रूप से जिला भाजपा मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चौहान, सारण विभाग पर्यावरण गतिविधि संयोजक अजित राय, रिविलगंज मण्डल अध्यक्ष संजय तिवारी, रिविलगंज नगर अध्यक्ष सतेंद्र शर्मा,छपरा नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता मिश्रा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनुरंजन , नगर महामंत्री अनूप यादव, अजीत सोनी,छोटन महतो, पीढ़ी बाबा, सामाजिक कार्यकर्ता, बबली कुमारी,उषा देवी,तेतरा देवी,मीना,सुनीता,मुन्नी ,चांदनी, माधुरी आदि शामिल थी।

राज्य स्तरीय बालिका टीम बैडमिंटन प्रतियोगिता समस्तीपुर में संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। राज्य स्तरीय बालिका टीम बैडमिंटन प्रतियोगिता 2 से 4 नवम्बर तक आयोजित हुई।जिसमें जिलें की बालिकाओ नें बेहतरीन प्रदर्शन किया।राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में जिला से बैडमिंटन खिलाड़ी अंडर 14 परिधि सिंह, सौम्या सिंह, दिव्य शिखा,मीमांसा कात्यायन,अंडर 17 आद्या द्वित्वी,गरिमा सिंह, प्रिया कुमारी,स्वाति कुमारी को टीम मैनेजर के रूप में डेजी सिंह समस्तीपुर गई।जहां अंडर 14 में प्री क्वार्टर में परिधि सिंह, सौम्या सिंह मैच जीती परंतु क्वार्टर फाइनल में मैच हार कर बाहर हो गई। वही यू7 में आद्या द्वित्वी, गरिमा सिंह 31 राउंड में गेम जीत कर अगला मैच से बाहर हो गई। पहली बार चारो लड़कियों ने बेहतर प्रदर्शन किया।बैडमिंटन के जिला संयोजक प्रमोद कुमार झा, सदस्य शंकर पंडित , सदानंद ठाकुर मोहम्मद खुर्शीद अंसारी ने बहुत बधाई देते हुए सभी को शुभकामना दिए ।जिला के खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार ध्वज , कार्यालय बड़ा बाबू शीलू कुमारी सहायक मनीष कुमार और जिला का सभी खेल प्रेमी शारीरिक शिक्षक ने ढेर सारी बधाई एवं शुभकामना दी।

सहरसा प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच में समदा और प्रतापगंज ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान किया पक्का

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। सहरसा प्रीमियर लीग सीजन 2 के तीसरे दिन रविवार को पहला मैच समदा और विराटपुर के बीच खेला गया। जिसमे विराटपुर को पराजय का सामना करना पड़ा। पहले बल्लेबाजी करने आई समदा की टीम ने 184 रन का विशाल स्कोर 5 विकेट के नुकसान पर खड़ा किया। जिसमे सबसे ज्यादा राजा भवतिया ने 26 गेंदों में 55 रन बनाए और गुलजार ने 12 में तेज 34 रन बनाए और रन का पीछा करने उतरी विराटपुर की टीम ने 15 ओवर में मात्र 135 रन ही बना पाई। जिसमे गुलजार ने 2 विकेट झटके और अपनी समदा टीम को जीत दिलाई। मैन ऑफ द मैच समदा के गुलजार बने जबकि दूसरा मैच बनमनखी और प्रतापगंज के बीच खेला गया। जिसमें रोमांचक मुकाबले में बनमनखी को हार झेलना पड़ा। बनमनखी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 ओवर में 70 रन बनाए जिसमे धानी ने 6 गेंदों में 24 रन बनाए और प्रतापगंज की ओर से माइकल ने 2 और राहुल ने 2 विकेट लिए रनों का पीछा करने उतरी प्रतापगंज की टीम ने जबरदस्त शुरूआत की और मिकाइल ने 20 और सागर ने 41 रन बनाए और 8 विकेट से जीत हासिल की।इस मे आखरी मैच बहुत ही रोमांचक रहा। इस तरह से जीत के साथ समदा और प्रतापगंज ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। बीते मैच में स्कोरर की भूमिका में विकी जॉन कमेंट्री में राजा श्रीवास्तव और अंशु झा थे।वही अंपायर की भूमिका में सुमित कुमार झा तथा राज सिंह तोमर थे। संयोजक भास्कर राजपूत ने बताया कि कल का मैच सुबह 9 बजे भास्कर इलेवन सहरसा और बसौना के बीच तथा दोपहर 1 बजे से त्रिवेणीगंज और खगड़िया के बीच खेला जाएगा। इस टूनार्मेंट का फाइनल 11 नवंबर को एमएलटी कॉलेज मैदान में खेला जाएगा । मंच पर उपस्थित स्थानीय निगम पार्षद 31 आशिष रंजन सिंह ,समाज सेवी रंजन कुमार सिंह,सुनिल झा, प्रशांत सिंह राजू, रौशन सिंह धोनी, बुल्लू झा, सत्य नारायण भगत, सुधीर कुमार सुमन, विकाश कुमार, शालिग्राम चौधरी, ईशान सिंह, संजय साह, कपिलदेव साह एवं कई गण्यमान्य लोग उपस्थित रहें।

काली और छठ पूजा को लेकर बखरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बखरी, बेगूसराय। रविवार को बखरी थाना परिसर में दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर विकास कुमार राय ने की। बैठक को संबोधित करते हुए सीओ शिवेंद्र कुमार ने कहा कि तीनों पर्व को आपसी सहयोग एवं भाईचारे के साथ मनाये। किसी तरह के अफवाह पर ध्यान नहीं दें। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान डीजे पर प्रतिबंध है। कोई भी डीजे अगर पकड़े जाते हैं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्री कुमार ने छठ पूजा के दौरान बैरिकेडिंग करने से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिये। वहीं गांव एवं शहर में साफ-सफाई करने, छठ घाटों की सफाई करने तथा प्रकाश की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। थानाध्यक्ष विकास कुमार राय ने कहा कि मेला के दौरान हुड़दंग मचाने वाले लोग किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। मेला के दरम्यान विशेष गश्ती अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान काली पूजा एवं छठ पूजा समितियों के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा पूजा पंडाल एवं विसर्जन कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही अपने-अपने विचार भी प्रकट किये। मौके पर एसआई पुष्पलता, जयकुमार प्रसाद, एएसआई शंकर मंडल, सपा जिलाध्यक्ष दिलीप केशरी, जिला परिषद घनश्याम राय, भाजपा के नीरज नवीन, पूर्व मुखिया तुफैल खान, लोजपा आर के प्रखंड अध्यक्ष पंकज पासवान, जदयू के जवाहर राय, कांग्रेस के कमलेश कंचन, उप प्रमुख प्रतिनिधि बलराम कुशवाहा, अधिवक्ता गौरव कुमार, राजू कुशवाहा, मो. अली राज, मो. समीम, मो. गालीब खान, प्रिंस सिंह, डॉ. तालीब, पार्षद हीरा राम, संतोष साह, महफूज साफी, निर्मल सिंह आदि मौजूद थे।

समायोजन की मांग को लेकर विभिन्न विभागों के ऑपरेटरों ने दिया समाहरणालय के समक्ष धरना

बेगूसराय ब्यूरो। बेल्ट्रान के माध्यम से जिला इकाई बेगूसराय के विभिन्न विभागों/अंचल/प्रखंड में कार्यरत प्रोग्रामर/आशुलिपिक/ डाटा इंट्री ऑपरेटर/आईटी बॉय एवं आईटी गर्ल राज्यस्तरीय संघ के आह्वान पर रविवार को समाहरणालय के समीप एक सूत्री मांग को लेकर धरना दिया गया।जिला इकाई बेगूसराय के अध्यक्ष अमित जायसवाल व संघर्ष कोष के अध्यक्ष निलेश झा ने बताया राज्यस्तरीय संघ के आह्वान पर आज से चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की गई है। राज्यस्तरीय संघ के द्वारा निर्देशित चरणबद्ध आंदोलन में बेगूसराय जिले में कार्यरत तमाम कर्मी हिस्सा ले रहे हैं। संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार व महिला प्रमुख पिंकू कुमारी ने बताया कि चरणबद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा कुछ इस प्रकार रहेगी।

06 नवंबर 2023 से 11 नवंबर 2023 तक काला बिल्ला लगाकर अपने संबंधित विभाग/कार्यालय में कार्य कर सरकार के समक्ष अपना विरोध दर्ज करेंगे। सरकार के द्वारा हमारी माँगों पर कोई ठोस पहल/कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में 28 नवंबर 2023 व 29 नवंबर 2023 को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल वहीं सचिव राकेश कुमार सिन्हा व कोषाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया तकरीबन 20 सालों से सरकार के विभिन्न विभागों में काम करने के बावजूद अभी तक सरकार हमलोगों को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं ले सकी। जिस वजह से सभी कर्मियों में रोष व्याप्त है।

संघ के सक्रिय सदस्य चन्दन कुमार व सौरभ ने बताया कि अगर सरकार हमारी मांगों पर गंभीरता पूर्ण विचार नहीं करती है, तो दिसंबर से हम सभी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिहार सरकार की होगी।

शिविर में 26 रक्तवीरों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

बेगूसराय ब्यूरो। सेवा परमो धर्म को अपनाते हुए बरौनी प्रखंड अंतर्गत सिमरिया 1 ग्राम पंचायत स्थित दिनकर पुस्तकालय सिमरिया में वत्स सेवा समिति के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर में ग्राम पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि डॉ गोपाल कुमार, सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए जितेंद्र जी सहित कुल 26 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।सिमरिया ग्राम निवासी कृष्ण मुरारी जी ने एचडीएफसी बैंक, रोटरी ब्लड बैंक सेंटर बेगूसराय और वत्स सेवा समिति के सक्रिय सदस्यों को सम्मानित करने का कार्य किया। वत्स सेवा समिति के तरफ से सक्रिय सदस्यों में मंसूरचक के राजीव कुमार, सुमित सुमन एवं दुलारपुर निवासी रजनीश कुमार मौजूद थे।

सम्पादकीय

शक की वजह है माहौल

मामले को इसलिए अत्यधिक गंभीर समझा गया है, क्योंकि विपक्षी नेता लगातार निशाने पर हैं। इसके पहले पेगासस का मामला उठ चुका है, जिसके जरिए सरकार से असहमत लोगों के फोन हैक करने की शिकायत चर्चित हुई थी। अनेक राजनेताओं और कुछ अन्य व्यक्तियों को एपल कंपनी का नोटिस मिलने की खबर आते ही केंद्र सरकार ने इस प्रकरण की जांच का एलान किया। हालांकि केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह कयास भी लगाया कि संभवतः किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण एपल के कुछ यूजर्स को ऐसा नोटिस आ गया होगा। इसके बाद एपल का स्पष्टीकरण भी आ गया। सामान्यतः उसके बाद विवाद खत्म हो जाता, लेकिन माहौल ऐसा है कि ये चर्चा अभी ठहरने वाली नहीं है। मामले को इसलिए अत्यधिक गंभीर समझा गया है, क्योंकि आए नोटिस में लिखा है कि यूजर्स के फोन को संभवतः सरकार समर्थित एजेंसियां हैक करने की कोशिश कर रही हैं। चेताया गया है कि हैकर सफल हुए, तो वे दूर से ही फोन में मौजूद सभी सूचनाओं तक पहुंच बना सकते हैं। उचित ही इस घटनाक्रम को पेगासस विवाद की शृंखला में देखा गया है। जुलाई 2021 में दुनियाभर के 17 मीडिया संस्थानों ने- पेगासस प्रोजेक्ट- नाम से एक रिपोर्ट छापी थीं। उसमें दावा किया गया कि एक इजराइली कंपनी द्वारा बनाए गए सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए विभिन्न देशों की सरकारों ने अपने यहां पत्रकारों, नेताओं और मानवाधिकार कार्यकताओं के फोन हैक करने की कोशिश की। रिपोर्ट में भारत में 300 से ज्यादा पत्रकारों, नेताओं और राजनीतिक कार्यकताओं के हैक करने की कोशिश का दावा किया गया था। हालांकि भारत सरकार ने कभी यह नहीं माना कि उसने पेगासस का इस्तेमाल दूसरों की जासूसी के लिए किया, लेकिन कभी इस बात का दो टूक खंडन भी नहीं किया। मामला सुप्रीम कोर्ट में गया, तो अदालत ने विशेष जांच समिति बनाई। समिति ने जिन 29 उपकरणों की जांच की, उनमें से पांच में मैलवेयर पाया गया, लेकिन समिति को यह प्रमाण नहीं मिला कि यह पेगासस था। इससे ये मामला खत्म हो गया, लेकिन उठा संदेह खत्म नहीं हुआ। उसी पृष्ठभूमि में ताजा मामला सामने आया है। वैसे भी देश में विपक्षी नेताओं और सरकार से असहमत नागरिकों के खिलाफ कार्रवाइयों का ऐसा वातावरण बना हुआ है, जिसमें ऐसे प्रकरण सनसनी पैदा कर देते हैं। और इसका एक कारण यह भी है कि ऐसे मामलों का सच कभी सामने नहीं आता।

कठघरे में है सरकार की विदेश नीति

सत्येन्द्र रंजन

यह वक्त गहरे आत्म-निरीक्षण का है। भारत के नीति निमार्ताओं को इस बात की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए कि वैसे तो पिछले साढ़े तीन दशक में, लेकिन खासकर पिछले नौ वर्षों के दौरान विदेश नीति संबंधी जो प्राथमिकताएं तय की गईं, उनसे देश को असल में क्या हासिल हुआ है? क्या इस प्राथमिकताओं से भारतीय जनता के हित सधे हैं? और इनसे भारत अपने इतिहास, अपने आकार, अपनी शक्ति, और अपनी संभावनाओं के अनुरूप विश्व मंच पर अपनी हैसियत बनाने में कामयाब हुआ है? बात की शुरूआत हाल में घटी कुछ घटनाओं के जिक्र से करते हैं। ध्यान दीजिएः बीजिंग में भूटान और चीन के बीच हुई 25वें दौर की सीमा वार्ता में उस संयुक्त तकनीकी दल (जेटीटी) की जिम्मेदारियों और कर्त्तव्यों पर सहमति बन गई, जिसका गठन दोनों देशों के बीच सीमा निर्धारण और परिसीमन के लिए हुआ है।

यह सहमति भूटान के उप विदेश मंत्री सुन वाइदोंग की बीजिंग यात्रा के दौरान हुई, जहां उनकी चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। इस वार्ता के दौरान दोनों देश राजनयिक संबंध कायम करने की प्रक्रिया को तेज करने में सहमत हुए। स्पष्टतः भारत के लिए इस घटनाक्रम के गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे।

उधर चीन का अनुसंधान जहाज शी यान-6 श्रीलंका पहुंच गया। अंग्रेजी अखबार द हिंदुस्तान टाइम्स में छपी एक खबर के मुताबिक भारत ने श्रीलंका से ह्यअनुरोधह्न किया था कि वह इस जहाज को अपने यहां ना आने दे। खबर की हेडिंग में कहा गया था कि श्रीलंका भारतीय अनुरोध पर विचार कर रहा है, हालांकि उसी खबर के अंदर यह बताया गया था कि श्रीलंका सरकार ने इस बारे में भारत से कोई वादा नहीं किया है। बहरहाल, अब यह साफ है कि श्रीलंका ने भारत के अनुरोध को ठुकरा दिया।

पिछले दिनों मालदीव के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजे ने कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को इंटरव्यू दिया। बीबीसी को एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कहा कि उनके देश में तैनात भारतीय सुरक्षाकर्मियों को वापस भेजना उनकी प्राथमिकता है। मुइजे ने भारतीय सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी को मालदीव की संप्रभुता का हनन बताते हुए उसे हाल में हुए चुनाव में प्रमुख मुद्दा बनाया था। वे नवंबर अपने पद की शपथ लेंगे। फिर खबर आई कि भारत ने कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा देने की सुविधा सीमित रूप में फिर से शुरू कर दी है। सीमिति रूप का अर्थ यह है कि अभी पर्यटकों के लिए यह सुविधा शुरू नहीं की गई है। इसके पहले भारत सरकार कनाडा के खिलाफ अपने सख्त रुख पर रही और कनाडा के 41 राजनयिकों को भारत से वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन उस पर अमेरिका और ब्रिटेन ने सार्वजनिक रूप से भारत की आलोचना की। जाहिर है, वीजा सेवा को फिर से शुरू करने के निर्णय को इस संदर्भ से जोड़ कर देखा जाएगा। इसे इस बात का संकेत माना जाएगा कि खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर मढ़ने के कनाडा सरकार के कदम के बाद दोनों देशों में बढ़े तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश शुरू हो गई है। इसके पीछे कारण क्या है, इस पर तमाम तरह के अनुमान लगाए जाएंगे, जिनमें अमेरिका की संभावित भूमिका भी शामिल है। इस घटना के पहले इजराइल-फिलस्तीन युद्ध के सिलसिले में भी भारत सरकार के रुख को लेकर कई सवाल उठे। सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे आतंकवादी हमला बताते हुए यह एलान कर दिया कि भारत इजराइल के साथ खड़ा है। पश्चिम एशियाई देशों में इस पर कड़ी प्रतिक्रिया होना लाजिमी था। संभवतः उसी का नतीजा हुआ कि प्रधानमंत्री ने फिलस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति मोहम्मद अब्बास को फोन कर फिलस्तीनी मुद्दे पर भारत का परंपरागत रुख दोहराया- यानी यह कि भारत फिलस्तीनियों के स्वतंत्र एवं संप्रभु राज्य की स्थापना का समर्थक है। इजराइल की तरफ से गाजा में जारी नरसंहार से दुनिया भर में लोगों की संवेदनाएं रोज अधिक आहत हो रही हैं। अमेरिका और उसके पिछलग्गू देशों को छोड़ दें, तो बाकी सारी दुनिया के लिए गाजा में युद्धविराम लागू कराना सर्वोच्च प्राथमिकता बनती जा रही है। मगर इस बारे में भारत की क्या राय है और भारत क्या पहल करने की स्थिति में है, यह बात दुनिया के विमर्श में सिरे से गायब है। बात सिर्फ यहीं तक नहीं है। बल्कि भारतीय हितों के लिहाज से आज नरेंद्र मोदी सरकार की पूरी विदेश नीति कठघरे में खड़ी नजर आती है। यह साफ है कि मोदी सरकार ने अपनी विदेश नीति में अमेरिकी धुरी से निकटता बनाने को प्राथमिकता दी। इस प्रयास में ग्लोबल साउथ (विकासशील दुनिया) में बन रहे नए समीकरणों से उसने अपेक्षाकृत एक दूरी बना ली। इनमें वे समीकरण भी शामिल हैं, जिनकी नींव डालने में अतीत में भारत की प्रमुख भूमिका रही थी।

मसलन, इस वर्ष भारत जी-20 के साथ-साथ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन का भी मेजबान था। मगर ऐन वक्त पर भारत ने अपनी प्राथमिकता सूची में एससीओ का दर्जा गिराते हुए इस शिखर सम्मेलन को वर्चअल माध्यम से आयोजित करने का फैसला किया। स्वाभाविक रूप से इस पर एससीओ के बाकी सदस्य देशों में विपरीत प्रतिक्रिया देखने को मिली। समझा जाता है कि इससे चीन के साथ भारत का दुराव और बढ़ा। उधर चूंकि जी-20 एक प्रासंगिकता खोता हुआ मंच है, इसलिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उसके नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में नहीं आए। अनेक पर्यवेक्षकों ने इसे महत्त्वपूर्ण माना है कि उन्होंने अपने ना आने की सूचना देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से फोन करने की औपचारिकता तक नहीं निभाई, जैसाकि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने किया, जो संभवतः किसी अन्य कारण से शिखर सम्मेलन में नहीं आए। एससीओ शिखर सम्मेलन का जब ऑनलाइन आयोजन करने की घोषणा हुई थी, तब एक राय यह जताई गई थी कि भारत ने अमेरिका को सकारात्मक संदेश देने के लिए यह निर्णय लिया, जिससे निकटता बनाना मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। उस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी की हाई प्रोफाइल वॉशिंगटन यात्रा हुई थी। मगर उन घटनाओं के बाद क्या हुआ, अब उस पर नजर डालना उचित होगाः-निज्जर हत्याकांड के मामले में कनाडा ने भारत पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए, जिसका

आरएसएसः भावनात्मक एकता के बहाने यथास्थिति कायम रखने की कोशि

ये संस्थाएं शिक्षा, राजनीति, सामाजिक गतिविधियों आदि में संलग्न हैं। भागवत संघ परिवार को विजयादशमी (दशहरा) के दिन मार्गदर्शन देते हैं। विजयादशमी का यह भाषण उस बहुसंख्यकवादी हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति की विचारधारा और राजनैतिक एजेंडा को प्रतिबिंबित करता है, जिसका नेतृत्व संघ परिवार के हाथों में है। इस वर्ष (2023) के 24 अक्टूबर को उन्होंने अपने भाषण में केवल शब्दों के कुछ हेरफेर के साथ ऐसी कई बातें कहीं जिन्हें द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ह्यबंच ऑफ थाट्स में निरूपित किया था। इस पुस्तक में गोलवलकर लिखते हैं, मुस्लिम, ईसाई और कम्युनिस्ट हिन्दू राष्ट्र के लिए आंतरिक खतरा हैं। छलपूर्ण भाषा में भागवत ने कहा कि सांस्कृतिक मार्क्सवाद एक खुदगर्ज और धोखेबाज ताकत है जो मीडिया और शिक्षण के क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर देश को विभाजित करना चाहती है। उन्होंने आगे कहा, ये शक्तियां कुछ उत्कृष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करने का दावा करती हैं लेकिन उनका वास्तविक लक्ष्य दुनिया की व्यवस्था एवं नैतिकता, परोपकार, संस्कृति, गरिमा और संयम को अस्त-व्यस्त करना है। उन्होंने यह भी कहा कि, ये विध्वंसक शक्तियां अपने आप को वोक या मार्क्सवादी बताते हैं।।। विश्व की सभी सुव्यवस्था, मांगल्य, संस्कार, तथा संयम से उनका विरोध है।

राम पुनियानी
लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हामोर्नी एवार्ड से सम्मानित हैं

वर्तमान सत्ताधारी दल सहित हिन्दू राष्ट्र की कायमी के लक्ष्य को लेकर काम करने वाली कई अन्य संस्थाओं से मिलकर बने संघ परिवार के मुखिया हैं मोहन भागवत। ये संस्थाएं शिक्षा, राजनीति, सामाजिक गतिविधियों आदि में संलग्न हैं। भागवत संघ परिवार को विजयादशमी (दशहरा) के दिन मार्गदर्शन देते हैं। विजयादशमी का यह भाषण उस बहुसंख्यकवादी हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति की विचारधारा और राजनैतिक एजेंडा को प्रतिबिंबित करता है, जिसका नेतृत्व संघ परिवार के हाथों में है। इस वर्ष (2023) के 24 अक्टूबर को उन्होंने अपने भाषण में केवल शब्दों के कुछ हेरफेर के साथ ऐसी कई बातें कहीं जिन्हें द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने अपनी पुस्तक ह्यबंच ऑफ थाट्स में निरूपित किया था। इस पुस्तक में गोलवलकर लिखते हैं, मुस्लिम, ईसाई और कम्युनिस्ट हिन्दू राष्ट्र के लिए आंतरिक खतरा हैं। छलपूर्ण भाषा में भागवत ने कहा कि सांस्कृतिक मार्क्सवाद एक खुदगर्ज और धोखेबाज ताकत है जो मीडिया और शिक्षण के क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर देश को विभाजित करना चाहती है।

उन्होंने आगे कहा, ये शक्तियां कुछ उत्कृष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करने का दावा करती हैं लेकिन उनका वास्तविक लक्ष्य दुनिया की व्यवस्था एवं नैतिकता, परोपकार, संस्कृति, गरिमा और संयम को अस्त-व्यस्त करना है। ह्व उन्होंने यह भी कहा कि, ये विध्वंसक शक्तियां अपने आप को वोक या मार्क्सवादी बताते हैं।।। विश्व की सभी सुव्यवस्था, मांगल्य, संस्कार, तथा संयम से उनका विरोध है।।।। माध्यमों तथा अकादमियों को हाथ में लेकर देशों की शिक्षा, संस्कार, राजनीति और सामाजिक वातावरण को भ्रम एवं भ्रष्टता का शिकार बनाना उनकी कार्यशैली है। वोक शब्द मौजूदा दौर में सांस्कृतिक चचाओं के केन्द्र में रहा है। इसकी जड़ अफ्रीकी-अमेरिकियों की स्वयं को नस्लवाद के चंगुल से निकालकर समानता हासिल करने की ललक में है। यह शब्द लोकतंत्र के आगाज के पूर्व के तानाशाही के दौर की पितृसत्तात्मकता, नस्लवाद और वर्णों से संबंधित ऊंच-नीच द्वारा खड़ी की गई रुकावटों पर विजय हासिल करने का प्रतीक भी है। यह कहा जा सकता है कि यह शब्द अब सारी दुनिया में प्रचलित हो गया है। यूरोप और आस्ट्रेलिया में रूढ़िवादी राजनीतिज्ञ वोक के समावेशिता के विचार का उपहास करते हैं और इसके आधार पर लैंगिक समानता और पर्यावरण संरक्षण का विरोध करते हैं। बीबीसी की डाक्यूमेन्ट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन (मोदी के मुख्यमंत्रित्वकाल में गुजरात में हुई हिंसा पर बनी डाक्यूमेन्ट्री जिस पर भारत में पाबंदी लगा दी गई है) के बारे में टिप्पणी करते हुए आरएसएस नेता राम माधव ने ह्यद इंडियन एक्सप्रेस में लिखा कि बीबीसी का यह पतन ब्रिटेन के संभ्रात वर्ग में ह्यवोक संस्कृतिह्न के उदय के कारण हुआ है। जो राम माधव यह मानते हैं कि ह्यद मोदी क्वेश्चनह्न का प्रसारण करने से बीबीसी का ह्यपतनह्न हुआ है वे ही राम माधव सरसंघचालक के ह्यजड़ोंह्न की ओर लौटने (संक्षेप में मनुस्मृति के मूल्यों के इर्दगिर्द जाने) के आव्हान का समर्थन करते हैं और सांस्कृतिक मार्क्सवादियों पर हमारे शिक्षण संस्थानों और मीडिया पर कब्जा करने का आरोप लगाते हैं। उनके अनुसार सांस्कृतिक मार्क्सवादियों ने ऐसा आख्यान विकसित किया है जिसमें हिन्दू धर्म को उच्च जातियों की प्रभुता के रूप में परिभाषित कर हिंदुत्व और जाति या जाति प्रथा को दमनकारी और शोषक निरूपित किया गया है। माधव के अनुसार जातिगत जनगणना विभाजनकारी है। सच यह है कि स्वाधीनता संग्राम के दिनों से ही मार्क्सवाद से प्रभावित लोग समानता के लिए सामाजिक परिवर्तन के हामी रहे हैं। भगतसिंह और उनके साथियों ने समानता की बात थी। औद्योगीकरण और शिक्षा के प्रसार के साथ प्रगतिशील ताकतों ने उस विचारधारा को उखाड़ फेंकने की वकालत की जो सामंती समाज से हमें विरासत में मिली थी और जो वर्गीय, जातिगत और लैंगिक उंचनीच पर आधारित थी। कम्युनिस्टों के अलावा, जोतीराव फुले और आंबेडकर के नेतृत्व वाली धारा ने भी उस दमनकारी व्यवस्था को चुनौती दी, जिसमें ऊंची जातियों के पुरुष दलितों और महिलाओं पर अपना प्रभुत्व जमाते थे और जिसमें पितृसत्तात्मक मूल्यों की प्रधानता थी। गांधीजी के नेतृत्व वाले स्वाधीनता आन्दोलन ने भी इन मुद्दों को उठाया और दमनकारी सामाजिक प्रथाओं के खिलाफ विद्रोह को व्यापक स्वरुप देने का प्रयास किया और उसे स्वाधीनता आन्दोलन का अभिन्न अंग बनाया।

अभिव्यक्ति की आजादी के लिए संघर्ष भी स्वाधीनता आन्दोलन का अभिन्न अंग था और लोकमान्य तिलक से लेकर गाँधीजी और उनसे लेकर नेहरु तक सभी ने इसका समर्थन किया। प्रगतिशील वर्गों ने विश्वविद्यालयों में शिक्षण और लेखन व भाषणों के जरिए अपने विचारों को आम लोगों तक पहुँचाया।

इन लोगों ने अपनी बौद्धिक आजादी का उपयोग कर हमारी शिक्षा प्रणाली को प्रजातान्त्रिक नींव दी और वे जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय जैसे बौद्धिक उत्कृष्टता के केन्द्रों की स्थापना में सहायक बने। इस संस्थान ने जबरदस्त प्रतिष्ठा अर्जित की और देश को अनेक लेखक, नौकरशाह और पुलिस अधिकारी दिए। निश्चित रूप से भागवत और माधव का यह दावा सही नहीं है कि शिक्षा के केन्द्रों में घुसपैठ करने का कोई योजनाबद्ध प्रयास किया गया, जिसके चलते हम ह्यअपनी जड़ोंह्न से दूर चले गए। उनके लिए तो पूरा स्वाधीनता संग्राम ही ह्यहमारी जड़ों से दूर जाना था। ह्व

हिन्दू राष्ट्रवादियों के इस दावे में भी कोई दम नहीं है कि मार्क्सवादियों की दृष्टि में हिन्दू धर्म का अर्थ था उच्च जातियों की प्रभुता। यह हिन्दू राष्ट्रवादियों की हमारे अतीत की सतही समझ को दशार्ता है। वे भूल जाते हैं कि आंबेडकर (चुनाव में लाभ प्राप्त करने के लिए जिनकी शान में हिन्दू राष्ट्रवादी कसीदे काढ रहे हैं) ने कहा था कि हिन्दू धर्म में ब्राह्मणवादी मूल्यों का बोलबाला है। दलितों को समानता का अधिकार न देने के प्रति कटिबद्ध कट्टरपंथी हिन्दू धर्म के सिद्धांतों से आंबेडकर इतने आहत थे कि उन्होंने न केवल सार्वजनिक रूप से मनुस्मृति का दहन किया बल्कि यह घोषणा भी की कि, ह्लमैं हिन्दू के रूप में पैदा हुआ था। वह मेरे हाथ में नहीं था। परन्तु मैं हिन्दू के रूप में मरूंगा नहीं। ह्व इसी कारण आंबेडकर उन ह्यजड़ोंह्न से दूर चले गए थे, जिनका गुणगान भागवत और माधव कर रहे हैं। वोक, जो कि सामाजिक ऊंचनीच की बेड़ियों को तोड़ देना चाहता हैं, को भागवत एंड कंपनी नीची निगाहों से देखते हैं। उदारवादी भारतीय संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहते हैं और वे संयुक्त राष्ट्रसंघ के मानवाधिकार घोषणापत्र के मूल्यों का सम्मान करते हैं। इसके विपरीत, आरएसएस ने अत्यंत योजनाबद्ध तरीके से सरस्वती शिशु मंदिरों की श्रृंखला की स्थापना की है, जिनका पाठ्यक्रम जातिगत और लैंगिक पदक्रम का समर्थन करता है। संघ के ह्यशिक्षा संस्कृति उत्थान न्यासह्न ने वेंडी डोनिगर के तार्किक और विद्वतापूर्ण लेखन का वि किया। एक अन्य संघी संगठन एके रामानुजन के लेख ह्लथ्री ह रामायाणासह्न को पाठ्यक्रम से ब करवाया। यह लेख हमारी विविध संस्कृति को समझने में हमारी करता है। और ये तो केवल उदाहरण हैं। उदारवादी मूल्य देश नहीं बाँट रहे थे। वे तो पितृसत्तात्म और जाति प्रथा से मुक्ति की बात हैं। देश को जो बाँट रहा है व आरएसएस शाखाओं, उसके ल स्वयंसेवकों और हजारों प्रचा द्वारा किया जा रहा अल्पसंख्य विरोधी दुष्प्रचार। जहाँ तक मी पर नियंत्रण का सवाल है, उ बारे में जितना कहा जाए, वह है। सन 1977 में जनता पार्टी सरकार में लालकृष्ण अडवाणी सूचना और प्रसारण मंत्री बने बाद से आरएसएस के स्वयंसे का मीडिया संस्थानों में घुसपैठ का जो सिलसिला शुरू हुआ था, अब भी जारी है। मोदी के गुजरात मुख्यमंत्री बनने के बाद से कॉर्प घरानों ने मीडिया के एक बड़े हि पर अपना नियंत्रण कायम कर लि और यह हिस्सा अब संघ और भा का भौंपू बन गया है। ये सभी सं और उनके नेता, जाति जनगणना देश को बांटने वाला बता रहे हैं। यह है कि जाति जनगणना, सामा न्याय की स्थापना के दिशा में कदम कहने की जरुरत नहीं कि आरएस सामाजिक न्याय का घोर विरोधी है

टूट रहे हैं प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड, सांसों का ये कैसा आपातकाल

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है लेकिन दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि करीब 3.3 करोड़ लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है।

योगेश कुमार गोयल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

दिल्ली-एनसीआर की हवा में दीवाली से कुछ दिन पहले ही इस कदर जहर घुल चुका है और हवा इतनी दमघोंटू हो चुकी है कि लोगों को न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है बल्कि अन्य खतरनाक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है लेकिन दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि करीब 3.3 करोड़ लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है। लोगों की सांसों पर वायु प्रदूषण का खतरा इतना खतरनाक होता जा रहा है कि वैज्ञानिक अब दिल्ली में साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण के कारण बढ़ रहे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब रहेगी, जिसका कारण तापमान में कमी और पराली जलाने से होने वाला उत्सर्जन है। केंद्र सरकार के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (डीएसएस) ने पराली जलाए जाने की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताई है, जिससे अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब होने की आशंका है। चिंता का विषय यह है कि हर साल दिल्ली सहित, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में इस सीजन में खेतों में बड़े स्तर पर पराली जलाई जाती है, जिसके चलते प्रदूषण का यही आलम देखने को मिलता है। यह बेहद चिंता की बात है कि किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाए जाने के निरंतर अनुरोधों के बाद भी इस बार दशहरे के मौके पर तो जैसे किसानों में पराली फूंकने की होड़ सी लगी दिखी, वहीं करवा चौथ के मौके पर चांद के दीदार होते ही दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में लोगों जमकर आतिशबाजी की, जिसने प्रदूषण की स्थिति को और विकराल बनाने में आग में घी का काम किया। विकास के नाम पर अनियोजित तथा अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, खेतों में जलती पराली, खतरों को जानते-समझते हुए भी की जाने वाली भारी आतिशबाजी तथा वाहनों और औद्योगिक इकाईयों के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों को हम इसी प्रकार साल-दर-साल झेलने को विवश हैं। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली तो वक्त-बेवक्त ह्यस्मॉगह्न से लोगों का हाल बेहाल करती रही है। न केवल दिल्ली-एनसीआर में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा निरन्तर मंडरा रहा है। वायु, जल तथा अन्य प्रदूषण के कारण अब हर साल देशभर में लाखों लोग जान गंवाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मानव निर्मित वायु प्रदूषण के ही कारण प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं।

अब देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुएं, कचरे और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों। देश के अधिकांश शहरों की हवा में जहर घुल चुका है। पयार्वरण तथा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेविड आर. बॉयड का कहना है कि विश्वभर में इस समय छह अरब से भी ज्यादा लोग इतनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिसने उनके जीवन, स्वास्थ्य और बेहतरी को खतरे में डाल दिया है और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें करीब एक-तिहाई संख्या बच्चों की है। अपनी बहुचर्चित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न में मैंने विस्तार से बताया है कि वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को बल्कि स्वास्थ्य को तमाम अन्य तरीकों से भी प्रभावित करता है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और बैक्टीरियल संक्रमण के खतरे बढ़ सकते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता व्यक्ति में ऑटिज्म, तनाव और स्ट्रोक जैसे तमाम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर सहित अन्य बीमारियों को भी बढ़ावा देती हैं वायु प्रदूषण के कारण हवा में कई प्रकार की हानिकारक गैसें सम्मिलित हो जाती हैं, जिनसे सिरदर्द, खांसी, जुकाम और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। पर्यावरण, प्रदूषण और स्वास्थ्य पर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के भयावह खतरों के बारे में विस्तार से जानने के लिए ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्न पुस्तक को फ्लिपकार्ट से प्राप्त किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दुनियाभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है, जिनमें करीब छह लाख बच्चे भी शामिल होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वातावरण में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी समस्यादायक स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रेसपिरे न्यूरोबिहेवियरल, कार्डियोवैस्कु तथा इम्यून सिस्टम से संबं बीमारियां हो सकती हैं। शिक विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलि इंस्टीट्यूट शिकागो (ईपीआईसी) निदेशक और अर्थशास्त्र के प्रोपे माइकल ग्रीनस्टोन तथा उनकी द्वारा किए गए एक अध्ययन के कुछ समय पहले कहा जा चुक कि भारत की कुल आबादी का हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक ज्यादा है। देश में करीब 84 फी व्यक्ति ऐसी स्थानों पर रहते हैं, प्रदूषण का स्तर भारत द्वारा तय मा से अधिक है और भारत की चौथाई आबादी बेहद प्रदूषित वा जीने को मजबूर है। चूंकि वायु प्र का प्रभाव मानव शरीर पर इतना घा होता है कि सिर के बालों से लेकर के नाखून तक इसकी जद में होते इसीलिए शिकागो विश्वविद्यालय माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि प्रदूषण पर अब गंभीरता से ध्यान की जरूरत है ताकि करोड़ों-अ लोगों को अधिक समय तक स्व जीवन जीने का हक मिल सके।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 75000 करो

सनत जैन

पिछले तीन माह से विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपने शेयरों की बिकवाली कर रहे हैं। शेयर की बिकवाली कर, विदेशी निवेशकों ने मुनाफा कमाकरअपने देश में ले गए हैं। अब भारत में निवेश भी नहीं कर रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से भारत का शेयर बाजार विदेशी निवेशकों के लिए कमाई का सबसे बड़ा जरियाबना हुआ था। जब से अडानी का घोटाला सामने आया है। जिस तरह की आर्थिक स्थिति विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार से मुंह मोड़ लिया है। गिरते हुए शेयर बाजार को थामने के लिए सरकार और बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने एक बार फिर दे

संक्षिप्त खबरें

स्वर्गीय शिक्षक नारायण यादव के परिजन से मिले शरद यादव के पुत्र

उदाकिशुनगंज प्रखंड क्षेत्र के बीड़ीरणपाल गांव में शोकाकुल परिवारों को दुःख की घड़ी में सांत्वना देने शरद यादव के पुत्र शांतनु यादव शनिवार को पहुंचे। ज्ञात हो कि विगत दिनों वार्ड नंबर 3 निवासी शिक्षक सूर्यनारायण यादव का निधन हो गया था। जहां स्व सूर्यनारायण यादव के परिवार संदीप कुमार यादव एवं उनके परिजनों से मिलकर सांत्वना दी और हिम्मत बंधाया। उन्होंने पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमारे पिता का गृह जिला है इसलिए हम लगातार मधेपुरा आ रहे हैं वहीं चुनाव के मैटर में बताया कि अभी कुछ भी बोलना जल्दबाजी है समय पर आप लोगों को बता देंगे। मौके पर राजद के कई नेता मौजूद थे।

लायंस कल्ब ने दो महिलाओं को किया सिलाई मशीन प्रदान

मुरलीगंज शहर के हेमलता आंख अस्पताल में शनिवार की शाम लायंस कल्ब के द्वारा दो महिलाओ को जीविकोपार्जन हेतु सिलाई मशीन प्रदान किया गया। नगर पंचायत अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर दो विधवा महिलाओं को जीविकोपार्जन हेतु सिलाई मशीन दिया। इस दौरान लायंस कल्ब के अध्यक्ष डॉ. रूपेश कुमार, सचिव प्रणय साह, पूर्व अध्यक्ष डॉ. अनंत प्रसाद, डॉ. साकेत, डॉ. मानव कुमार सिंह, डॉ. रोहित, मुन्ना चौधरी मौजूद रहे। मौके पर डॉ. रूपेश कुमार ने कहा कि लायंस कल्ब हमेशा जनकल्याण के दिशा में कार्य करती है। गरीबो के उत्थान व जीविकोपार्जन के लिए प्रयासरत रहता है।

409.04 लीटर शराब विनष्ट

मनीगाछी संवाददाता दरभंगा थाना कांड संख्या-166/23,173/23 एवं 190/23 में नेहरा सहायक थाना द्वारा जब्त 409.04 लीटर विदेशी, देशी एवं नेपाली शराब को सीओ सह दंडाधिकारी राजीव प्रकाश राय की मौजूदगी में थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने रविवार को विनष्ट करवाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब विनष्टीकरण जिला दंडाधिकारी के निदेर्शालोक में किया गया है। मौके पर राजस्व कर्मचारी निरंजन कुमार, एस आई शिव कुमार राम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नशामुक्त व शिक्षायुक्त समाज बनाना ही लक्ष्य : मुनेश

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। नशामुक्त व शिक्षायुक्त समाज बनाना ही हमारा लक्ष्य है। हम छोटे-छोटे जातियों व कुनबे में बंटे लोगों को संगठित कर उन्हे अंधविश्वास, पाखंड, अशिक्षा, बाल विवाह मुक्त स्वच्छ तथा स्वस्थ समाज बना विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उक्त बातें अम्बेडकर ज्ञान मंच के संस्थापक मुनेश राम ने रविवार की सुबह प्रखंड के हरनाही गांव में आयोजित सामाजिक विकार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बुद्ध, कबीर, फूले, शाहू, पेरियार सहित संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जातिविहीन शिक्षित व नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे तथा उनका सपना था भारत विश्व का एकमात्र ऐसा लोकतांत्रिक देश बने। जिसके सिद्धांत समतामूलक, भाईचारे पर आधारित न्याय बंधुत्व के साथ सबके उत्थान के लिए समर्पित हो और उसे ही बाबा साहेब ने संविधान का मूलमंत्र बनाया।

फलतः हमारा भी फर्ज है कि अपने संत गुरु महापुरुषों के विचारों व संवैधानिक व्यवस्था को आत्मसात करके शिक्षित व नशामुक्त समाज निर्माण के लिए संकल्पित हो। तभी अभिवंचित समाज का कायाकल्प हो सकता है।वही सदस्य चंद्रकिशोर पाल ने सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति आंदोलन की धारा को मजबूत कर बहुजन समाज को शासन प्रशासन में संख्यानुपाती भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। जबकि भाग्यनारायण साह ने सामाजिक कुरीतियों को तौबा कर वैज्ञानिक सोच विकसित करने का मूलमंत्र दिया। वही युवा सदस्य अर्जुन देव पासवान ने युवा वर्ग का आह्वान करते हुए कहा कि अगर समाज का युवा वर्ग व महिलाएं संकल्पित हो जाए तो एक भी लड़के व लड़कियां स्कूलों से वंचित निरक्षर नही रहेंगे। इसके लिए बिहार सरकार नशा और अशिक्षा के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है, जिसका हम सफर बनने की जरूरत है। गोष्ठी में रामेश्वर साह गोंड,विशुनी साह गोंड, अभिमन्यु साह, फूलेना कुमार गांव, रामचंद्र साह गोंड, प्रदीप साह गोंड, सीताराम साह गोंड, विशाल कुमार, अनुराग गोंड, दीपक गोंड, कन्हैया गोंड,रंजीत साह,कुंदन गोंड,अर्जुन गोंड, रवि कुमार गोंड, विकास कुमार बैठा, शर्मा साह गोंड,लव कुमार गोंड,शिवजी साह कानू, नंदलाल साह, इंदल साह, कपिलदेव साह, छोटू साह,आदित्य कुमार साह,महेश बैठा,रवीश कुमार, परमेंद्र साह, धर्मेंद्र साह, गोपाल बैठा, शशिराजा कुमार, राजू राम गौतम, जटाशंकर साह, छोटेलाल राम, रामप्रवेश प्रसाद, अर्जुनदेव पासवान सहित अन्य शामिल रहे।

576 लीटर नेपाली शराब के साथ स्कॉर्पियो जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा मनीगाछी संवाददाता दरभंगा नेहरा सहायक थाना पुलिस ने रविवार की अहले सुवह 576 लीटर नेपाली शराब के साथ एक स्कॉर्पियो को जब्त किया है। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि सकरी थानाध्यक्ष द्वारा सूचना मिली की नेहरा की ओर तेज गति में ब्लू रंग की स्कॉर्पियो भाग रही है, जिसका सकरी थाना पुलिस पीछा कर रही है। नेहरा में नाकाबंदी किया जाय। सूचना मिलते ही रात्रि गस्ती में तैनात पुलिस पदाधिकारी एस आई शिव कुमार राम सूचित किया गया। पुलिस पदाधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर नेहरा के मुख्य सड़क एवं गली मुहल्लों की तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान में नेहरा दरगाह चौक के पास एक मार्केट में एम एच 11 वाई 6967 नम्बर की ब्लू रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी थी। लेकिन गाड़ी के पास कोई व्यक्ति नहीं था। जब गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें 13 बोरा में रखे 64 काटन सौरभ सौफी नेपाली शराब पाया गया। गाड़ी को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भारत विकास परिषद का अन्नपूर्णा रसोई सेवा सातवें महीने भी जारी

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। शहर के पोस्ट ऑफिस के समीप भारत विकास परिषद शाखा रक्सौल के तत्वावधान में अन्नपूर्णा रसोई सेवा के तहत 450 से अधिक लोगों को निःशुल्क भरपेट भोजन कराया गया। भोजन वितरण के पूर्व सर्वप्रथम माँ अन्नपूर्णा का भोग लगाया गया तत्पश्चात लोगों के बीच भोजन वितरित किया गया। परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सिंह एवं मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने संयुक्त रूप से बताया कि परिषद सेवा, सहयोग, समर्पण एवं राष्ट्र सेवा के संस्कार के भाव को आत्मसात कर बीते छः महीने से सेवा कार्य में लगी हुई है साथ ही बिना रूके निःशुल्क अन्नपूर्णा रसोई सेवा प्रदान करते जाना यह सबों की शुभेच्छा है, जो संकल्प की सिद्धि देता है

जिससे शहर में विगत छः महीनों से यह सेवा से जारी है। गौरतलब है कि परिषद द्वारा 4 मई 2023 को प्रारंभ अन्नपूर्णा रसोई सेवा के माध्यम से सेवा प्रकल्प के तहत लगातार सातवें महीने की चार तारीख को समाज के गरीब, असहाय, जरूरतमंद, दैनिक मजदूर, रिक्शा, ठेला एवं टेंपो चालक के बीच निःशुल्क भरपेट भोजन वितरित किया गया। परिषद के संरक्षक अवधेश सिंह ने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई सेवा परिषद के ऐच्छिक कोष एवं उदारमना लोगों के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की परिषद के इस मुहिम में सहयोग कर सेवा भाव दे सकते हैं। इन जरूरतमंदों के चेहरे की मुस्कान बन सकते हैं। परिषद के उपाध्यक्ष विजय कुमार साह एवं संगठन सचिव सुनील कुमार ने कहा कि परिषद द्वारा प्रत्येक महीने के भोजन के मेनू में कुछ फेर बदल कर भोजन परोसा जा रहा है जिसमें आज गर्मागर्म चावल, दाल, आलू, गोभी एवं टमाटर की सब्जी एवं तिलौरी रही जिसे लोग पूरे चाव से भोजन ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सेवा देने वालों में नरेश मित्तल, अजय मस्करा, विष्णु मस्करा, परिषद के संरक्षक अवधेश सिंह, मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी, उपाध्यक्ष विजय कुमार साह, योगेन्द्र प्रसाद, संगठन सचिव सुनील कुमार, दिनेश प्रसाद, सुरेश धनोठिया, विनोद केशरीवाल, वीरबहादुर साह समेत के कई सदस्यों का नाम उल्लेखनीय रहा ! इसकी जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने दी है।

काली पूजा व छठ पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगाः सिमरी थाना परिसर में रविवार को आगामी काली पूजा और महापर्व छठ को लेकर थाना अध्यक्ष पूजा कुमारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष ने कहा छठ पूजा के लिए घाटों पर सादे लिबास में पुलिसकर्मियों की तैनात की जाएगी। वही छठ घाट मार्गो पर भी विशेष नजर रखी जाएगी उन्होंने सभी समुदाय के लोगो से आपसी भाईचारगी पूर्वक पर्व मनाने की अपील करते हुए कहा की नशेड़ियों और आसामाजिक तत्वों को किसी भी सूरत में बक्शा नही जाएगा। वही जुआरियों के खिलाफ भी विषेश अभियान चलाया जाएगा। वही काली पूजा में भी डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। विसर्जन जुलूस निर्धारित रूट से निकले पूजा समिति को इसकी जवाबदेही तय की गई है। मौके पर कलीमुद्दीन रही,महेश दुबे,शकील खान,अमजद अब्बास,रामबाबू साह,गोपाल सिन्हा,मुखिया पप्पू चौधरी,संतोष पंडित,मुकेश कुमार,दिलीप कुमार यादव मौजूद थे वही बिट्टू सिंह राणा ने नए थाना अध्यक्ष को पाग चादर से सम्मानित किया।

सफल छात्र-छात्राओं को सृजन शिक्षण केंद्र द्वारा किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर प्रखंड क्षेत्र के रतबारा पंचायत अंतर्गत मुरौत में सृजन शिक्षण केंद्र के द्वारा बीते महीना छात्र छात्रों का परीक्षा लिया गया था। जिसमें सफल छात्र-छात्राओं को स्थानीय प्रतिनिधि गंगापुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि बमबम भगत, लोजपा नेता प्रशांत कुमार, अधिवक्ता पारस कुमार एवं नंदकिशोर माधवानंद उच्च विद्यालय के शिक्षक ब्रह्मचारी कुमार के द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित पत्र दिया गया। वही इस दौरान गंगापुर पंचायत के पूर्व मुखिया बमबम भगत ने सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा से बढ़कर कोई अस्त्र नहीं है। उन्होंने कहा इस सुदूर इलाके में सृजन शिक्षण केंद्र खुलने से छात्र-छात्राओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। वही इस दौरान अधिवक्ता पारस कुमार ने बताया कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। इसलिए आप पढ़ाई में रुचि रखें मंजिल आपको जरूर मिलेगा। मौके पर सपना कुमारी, सुमित कुमार, अभिलाषा कुमारी, प्रेम कुमार, अंजली कुमारी सहित कई छात्र-छात्राएं के साथ-साथ शिक्षक गण मौजूद थे।

जातीय गणना कराए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति जदयू ने निकाली आभार यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। जनता दल यू के द्वारा रविवार को नगर के वीर कुंवर सिंह चौक से शंकर चौक तक बिहार में जातीय गणना कराए जाने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार यात्रा निकाली गई।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चंद्रदेव मुखिया ने कहा कि देश में आजादी के बाद बिहार पहला राज्य है। जहां जातियों की गणना कराई गई।इस ऐतिहासिक कार्य की सराहना चहुओर हो रही है।अब इस कार्य से विकाश के रोशनी से वंचित वर्ग के लिए कार्य योजना बनाने में सहूलियत होगी।ताकि राज्य के हर नागरिक तक न्याय के साथ विकाश की कल्पना किया जा सके।वरिष्ठ नेता आनंदी मेहता ने कहा नीतीश कुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री रहते कई ऐतिहासिक कार्य जैसे एक साथ सामूहिक रूप से एक लाख बीस हजार शिक्षकों की बहाली कर इतिहास रचने जैसा कृत किए हैं।जातीय गणना भी उनका साहसिक एवं ऐतिहासिक कदम है ।इसलिए पार्टी की ओर से नीतीश कुमार का अभिनंदन है।रेणु सिन्हा ने कही न्याय नीतीश कुमार के रगों में है इसलिए सभी के लिए ईमानदारी से कार्य करते हैं।आज बिहारी कहलाना शर्म की बात नहीं बल्कि गर्व की बात हो गई है।इस अवसर पर उपस्थित रहे ,देवेंद्र देव,रंजित कुमार बबलू,डॉक्टर सुशील कुमार यादव,दिनेश पासवान,गणेश गौरव,जवाहर यादव,राज कुमार सिंह मोहिउद्दीन राईन,सीमा गुप्ता,स्मिता सिन्हा,अनुजा मिश्रा,रंजना गुप्ता ,निशा पांडे ,दिलीप साह,रणबीर यादव युवा अध्यक्ष विनय यादव ,संजीत कुमार,गणेश शर्मा ,साजन शर्मा,अमरदीप शर्मा,मुकेश शर्मा,डॉक्टर लुटफुल्लाह ,प्रहलाद रमन ,सोहन झा अक्षय झा ,अर्जुन ठाकुर ,उपेंद्र दास,सुजीत कुमार सिंह बिपिन सम्राट ,विपिन यादव प्रमोद सादा,गोविंद सादा,प्रमानंद सादा,कमलनारायण गुप्ता ,कुंदन कुमार लालबहादुर शाह,कृष्ण मोहन सिन्हा,अवनीश कुमार बिट्टू राय ,पवन कुमार सहित अन्य मौजूद थें।

मंगलम क्लासेज में सम्मान सह कैरियर गाइड प्रोग्राम का सफल आयोजन

सहरसा। मंगलम क्लासेज के प्रांगण में सैंकड़ों छात्र छात्राओं के बीच कैरियर गाइड प्रोग्राम रखा गया। जिसमे मुख्य वक्ता के रूप में प्रभा शंकर मिश्र का सम्मान मिथिला की परंपरा अनुसार विजय कुमार मिश्र द्वारा पाग चादर भेंट कर किया गया । प्रभा शंकर मिश्र 67 वीं बीपीएससी उत्तीर्ण कर सेल टैक्स कमिश्नर के पद पर चयनित हुए है।कैरियर गाइड के इस विचार संगोष्ठी में वक्ताओं में प्रो ब्रजेंद्र कुमार मिश्र , प्रो अरविंद कुमार मिश्र , चंद्र शेखर मिश्र , संस्थान के निदेशक सह अध्यापक वेद प्रकाश भारतीय , राणा मिश्र सहित सैंकड़ों छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम का आरंभ छात्रों द्वारा मंगलगान प्रस्तुत कर किया गया।छात्रों द्वारा अनेकों पश्नों के उत्तर देते हुए प्रभा शंकर ने कहा की सफलता के लिए मूल विषय है निरंतरता और एकनिष्टता । घंटों चले इस संगोष्ठी में सभी वक्ताओं द्वारा अपने अपने विचार रखे गए ।

छात्रावास में प्रेरणा-सत्र का किया गया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा महाविद्यालय, मधेपुरा के जननायक कपूर्री ठाकुर अति पिछड़ा छात्रावास में प्रेरणा-सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को बिहार सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग एवं अतिपिछड़ा वर्ग के कल्याणार्थ चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलानुशासक डॉ. बी. एन. विवेका ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसमें प्री मैट्रिक से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई के लिए अलग-अलग योजनाएं शामिल हैं। विद्यार्थीयों को इन योजनाओं का समुचित लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता जिला कल्याण पदाधिकारी (डीडब्ल्यूओ) रामकृपाल प्रसाद ने बताया कि छात्रावास में सौ विद्यार्थी नामांकित हैं। इन विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे कठिन परिश्रम करके प्रतियोगिता परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करें। विद्यार्थियों के परिणाम पर ही योजनाओं की सफलता निर्भर है। उन्होंने बताया कि इस छात्रावास में सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। इसमें नामांकित सभी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री छात्रावास अनुदान योजना अन्तर्गत एक हजार रुपए प्रति माह अनुदान दिया जाता है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री छात्रावास खाद्यान्न योजना अन्तर्गत प्रतिमाह प्रति छात्र 9 किलो ग्राम चावल एवं 6 किलो ग्राम गेहूँ दिया जाता हैं। आवासित छात्रों को ऑनलाईन डिजिटल अध्ययन केंन्द्र एवं पुस्तकालय की सुविधा प्रदान की गई है। बीएनएमयू में हैं दो केंद्र विशिष्ट अतिथि उप कुलसचिव (स्थापना) डॉ. सुधांशु शेखर ने बताया कि बीएनएमयू के प्रशासनिक परिसर में बिहार सरकार द्वारा दो केंद्र संचालित है। पहले से संचालित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में एसएससी, रेलवे एवं बैंकिंग और बीपीएससी की निः शुल्क तैयारी कराई जाती है। इस वर्ष से मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन केंद्र की शुरूआत की गई है। इसमें नेट, पीएचडी आदि की निः शुल्क तैयारी कराई जाती है और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कैरियर बनाने हेतु समुचित मार्गदर्शन दिया जाता है। छात्रावास खोलने का है प्रस्ताव उन्होंने बताया कि दोनों केंद्रों को बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन से काफी सहयोग प्राप्त हो रहा है। सरकार ने दोनों केंद्रों में बायोमेट्रिक मशीन, कम्प्यूटर एवं ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था की है और प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के लिए एक भवन-निर्माण का प्रस्ताव मांगा गया है। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय कैम्पस में दो नए छात्रावास खोलने का भी प्रस्ताव है। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत छात्रावास परामर्शी रत्नेश प्रसाद यादव और अंत में धन्यवाद ज्ञापन छात्र नायक नीरज कुमार ने किया। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष उमेश कुमार, सन्नी कुमार, अभिषेक कुमार, नीरज, उज्जवल कुमार, प्रभात कुमार, भूषण कुमार, राम कुमार, रोहित गुप्ता, आशीष कुमार, रतन कुमार, अमित कुमार, विकास कुमार, आकाश कुमार, विजय कुमार साह, विवेक कुमार, रंधीर कुमार सिंह, सुमित कुमार, राजेश कुमार गुप्ता, अजित कुमार, मनीष कुमार, जयेश कुमार, धीरज कुमार, धमेन्द्र कुमार, नीतीश कुमार, प्रमोद कुमार, राजा कुमार, मनोहर कुमार, बादल कुमार, गुलशन कुमार सिन्हा, सिन्टु कुमार, राधे कुमार आदि उपस्थित थे।

पत्रकार के साथ हुई बदसलूकी, थाने में दिया गया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

मुरलीगंज बिहारीगंज मुख्यमार्ग एस एच 91 कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज के निकट शनिवार की दोपहर दैनिक अखबार के पत्रकार का पुलिस बल के समक्ष मोबाइल छीन कर संकलन किया हुआ वीडियो फुटेज डिलीट कर दिया गया। इसको लेकर पत्रकार ने मुरलीगंज थाना को आवेदन देकर दोषियों के विरुद्ध कारवाई की मांग किया है। मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगापुर वार्ड 6 निवासी पत्रकार आदर्श कुमार ने थाना में आवेदन देकर बताया कि वह अपनी बीमार पत्नी का पूर्णियां हॉस्पिटल से इलाज करवाने के उपरांत कार से वापस घर लौट रहा था। इसी क्रम में मुरलीगंज बिहारीगंज मुख्यमार्ग एस एच 91 कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग कॉलेज के निकट उसने एक उजले रंग की स्कॉर्पियो जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर इफ07ढइ 8055 मुरलीगंज थाना की पुलिस गाड़ी सड़क किनारे खड़ी देखी। स्कॉर्पियो में एक व्यक्ति अधिकारी बनकर कुछ गाड़ियों को रोककर रुपए लेकर स्टीकर लगा रहा था। स्कॉर्पियो के कर्मचारियों के द्वारा पत्रकार के कार को भी सड़क के बीचो-बीच जाकर रोका और साइड करने के लिए बोला गया। जैसे ही उसने कार को साइड किया एक लड़का जो पीले रंग की जर्सी और टोपी लगाए हुआ था वह कार के आगे स्टीकर चिपकाने लगा। जब पत्रकार ने पूछा कि किसके आदेश पर गाड़ियों में स्टीकर लगाया जा रहा है। कर्मचारी ने स्कॉर्पियो में बैठे व्यक्ति की तरफ इशारा किया। पत्रकार ने उस कर्मचारी स्टीकर लगाने से मना करते हुए कार से बाहर निकाला और मोबाइल का वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन कर स्कॉर्पियो में बैठे व्यक्ति से उनका नाम और किस अभियान के तहत स्टीकर लगाई जा रही है यह जानने के लिए स्कॉर्पियो की तरफ बढ़ा। जैसे ही स्कॉर्पियो के निकट पहुंचकर उसमे बैठे व्यक्ति से उनका नाम पूछा उसने बिना कुछ बताए हैं स्कॉर्पियो से उतरकर पत्रकार का मोबाइल लपक कर छीन लिया और मोबाइल में किया हुआ सारा रिकॉर्डिंग वीडियो डिलीट कर दिया। पत्रकार ने बताया कि पहले से रिकॉर्ड की गई आवश्यक वीडियो भी उन्होंने डिलीट कर दिया और बदतमीजी पर उतर गया तथा मोबाइल लौटाने में आनाकानी करने लगा। बड़ी मस्कत के बाद मोबाइल वापस लौटाया गया। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी एस आई शिवजी सिंह तथा उनके साथ खड़े पुलिस बल मूकदर्शक बने हुए तमाशबीन बने रहे। मोबाइल लौटाने के बाद पत्रकार के द्वारा उस व्यक्ति का नाम पूछने पर उसने अपना नाम अंकुल गुप्ता बताया। अब उसने सही नाम बताया या फर्जी नाम बताया इस बात पर भी आशंका है। जब उनसे पूछा गया कि यह किसके आदेश पर वे लोगों की गाड़ियां रोक कर रुपए लेकर स्टीकर लगाया जा रहा है तो उन्होंने बिना किसी अधिकारी का नाम लिए हुए बताया कि यह ऊपर से मुझे आदेश मिला हुआ है और थाने में इसकी लिखित सूचना दी गई है।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी शिवाजी सिंह से पूछा तो उन्होंने बताया कि उन्हें थानाध्यक्ष ने यहां ड्यूटी लगाई है। इसके बाद दोपहर के करीब 1 बजे दरभंगा निवासी किसी रोहित गुप्ता के द्वारा 7015503760 से कॉल कर पत्रकार से घटना से संबंधित सारी जानकारी ली गई तथा बताया गया कि रविवार को वे मुरलीगंज आकर अभियान से संबंधित स्टीकर लगाए जाने संबंधित कागजात दिखा देंगे। पत्रकार आदर्श कुमार ने बताया कि चूंकि उनकी पत्नी बीमार है, और अपनी आंखों के सामने इस तरह की घटना को देखकर वह सदमे में आ गई। उन्होंने उनकी परेशानी और बढ़ जाने की आशंका जताई है। पुलिस को दिए लिखित आवेदन के साथ उन्होंने डॉक्टर का सारा जांच रिपोर्ट और पर्चा भी सलग्न किया है। मामले में थानाध्यक्ष रणवीर कुमार ने बताया कि आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सांसद का युवा राजद ने किया पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। सांसद डॉ. संजय जायसवाल के द्वारा रक्सौल स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रक्सौल के लिए नौटंकी शब्द का प्रयोग किए जाने पर युवा राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा सांसद डॉ. संजय जायसवाल का पुतला दहन किया गया। युवा राजद के प्रखंड अध्यक्ष सैफुल आजम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांसद के विरूद्ध नारेबाजी करते हुए राजद कार्यकताओं के द्वारा उनका पुतला दहन किया गया। पुतला दहन से पहले अपने संबोधन में सैफुल आजम ने कहा कि सत्ता के नशे में सांसद रक्सौल की आम जनता को नौटंकीबाज कह रहे है। सांसद के भाषण में साफ सुना जा सकता है कि यहां का लोग नाटक ज्यादा करता है। तो राजद यह एलान करती है कि ऐसे नौटंकीबाज सांसद को रक्सौल की जनता सबक जरूर सिखायेगें। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने के बाद भी सांसद की बात न तो मंत्री सुनते है और ना ही अधिकारी. अपनी कमी का सारा आरोप नगरपालिका पर लगाने वाले सांसद को यह जबाब देना चाहिए कि कोविड से पहले जो ट्रेने रक्सौल से चलती थी, उनका परिचालन अब तक क्यों नहीं शुरू हो पाया। रक्सौल को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने की बात थी, अब तक इसको लेकर क्या प्रगति हुई। रक्सौल एयरपोर्ट के नाम पर जनता को धोखा देने वाले सांसद को यह बताना चाहिए कि आपने कितनी बार जमीन के लिए मुख्यमंत्री से बात की। रक्सौल ओवरब्रीज के लिए जमीन नहीं मिलने का आरोप लगाने वाले सांसद को जबाब देना चाहिए कि यदि सरकार जमीन नहीं दे रही है तो आप पटना में सीएम आवास के सामने धरना क्यों नहीं देते है। मो. आजम ने कहा कि सांसद की पूरी कहानी झुठी है और वे केवल समस्याओं को जिंदा रखकर उसपर राजनीति करना जानते है, जिसको जनता जान चुकी है। इस बार रक्सौल के सभी वर्ग के लोग ऐसे निक्कमे सांसद को सत्ता से बेदखल करने का काम करेगें। मौके पर राजद प्रदेश महासचिव फखरुद्दीन आलम, राजद नेता सुनील कुशवाहा,राजद नगर अध्यक्ष चन्द्रशेखर कुमार,मदन गुप्ता प्रदेश महासचिव,मूसा आलम नगर अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ,सोनू साह, अनिल दास,मनोज पासवान, ओम कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर

मुजफ्फरपुर प्रशासनिक व्यवस्था चाक-चौबंद रही।सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम था। किया है । भारतीय जनता पार्टी की ओर से भीड़ जुटाने की पूरी तैयारी की गई थी। दो लाख लोगों के आने का दावा किया गया था। फिर भी उतना लोग नहीं जुटे। मुजफ्फरपुर के सांसद अजय निषाद ने कहा था कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा । आम लोगों में भी गृह मंत्री अमित शाह को सुनने को लेकर उत्सुकता की बात कही गई थी।सभा मंच पर 70 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी।गृहमंत्री की सभा के लिए बने डी एरिया के ठीक पीछे भी वीआइपी गैलरी बनाई गई थी। इसी गैलरी में मीडिया कर्मियों के भी बैठने की व्यवस्था की गई है। सभा स्थल व आसपास सैकडों माइक लगाए गए थे। रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

जीविका समूह से महिलाओं के विकास की बदल रही तस्वीर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले में एसएससी द्वारा चयनित 36 सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) के एक्सपोजर विजिट के पहले दिन सभी अधिकारियों ने मुसहरी प्रखंड के मझौली खेतल पंचायत के बजरंग और सीता स्वयं सहायता समूह के साथ ही गांधी ग्राम संगठन की बैठक में हिस्सा लेते हुए समूह और ग्राम संगठन की बारीकियां के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा किया। स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क, बिजली,पानी ,राशन,शिक्षा के साथ ही समूहों के माध्यम से किस तरह की सुविधा जीविका दीदी को मिल रही है इस पर प्रतिभागियों ने कई सवाल किये। 10 जोड़कर महिलाएं किस तरह से अपना आत्म बल बढ़ाते हुए आज लाखों रुपए का लोन लेकर अपना कारोबार खड़ा कर रही है। इसकी बानगी देखकर प्रतिभागियों में काफी खुशी देखी गई। ग्राम संगठन की बैठक में समूह को आने वाली परेशानी और मार्गदर्शन पर किस तरह से महिलाएं अपने सवालों का जवाब तलाशती हैं और इसके साथ ही बैंकों से जुड़ाव के बाद किस तरह से ऋण और एनपीए को लेकर के कैसे दीदियां काम कर रही है। इसके बारे में जानकारी ली। समूह के साथ में महिलाओं ने ग्राम संगठन तक का सफर तय करते हुए परियोजना द्वारा प्राप्त खाद्य सुरक्षा निधि और स्वास्थ्य सुरक्षा निधि का उपयोग कैसे किया। इसके साथ ही आपातकालीन बैठक और आजीविका से संबंधित गतिविधियों के लिए क्या कार्य योजना है इस पर चर्चा की। ग्राम संगठन और समूह में अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष के चुनाव और समूह और ग्राम संगठन के नेतृत्व कताओं के बदलाव पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही सतत जीविकोपार्जन योजना के लाभार्थियों से भी सभी ऑफीसरों ने एक-एक कर बात कर उनके आजीविका संवर्धन में जीविका के सहयोग और सरकार की शराबबंदी योजना के बारे में जानकारी ली। गरीबी के सफर से दर्द भरे जिंदगी के राह पर आगे बढ़ रही सतत जीविकोपार्जन योजना से जुड़ी दीदी की कहानी जानकर सबको अचरज हुआ कि गरीबी में रहते हुए कैसे शराब और ताड़ी के कारोबार से लोग अलग हटकर सामान्य जिंदगी जीने के लिए कोशिश कर रहे हैं और इसमें सतत जीविकोपार्जन योजना के कर्मियों का किस तरह से सहयोग मिल रहा है ये भी जाना। इससे पहले मुजफ्फरपुर के विनायक होटल में सभी अधिकारियों का स्वागत जिला परियोजना प्रबंधक अनीशा ने जीविका की पूरी टीम के साथ किया और पूरे कार्यक्रम के रूपरेखा की चर्चा की ।इस दौरान रितेश कुमार,उज्जवल कुमार, आनंद शंकर, मोहम्मद अमानुल्लाह, कुणाल मिश्रा ,विकास कुमार ,चन्द्रप्रभात कुमार, पन्नालाल, रौशन कुमार, के साथ ही कम्युनिकेशन मैनेजर राजीव रंजन मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हुआ विस्तारीकरण

भागलपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग संगठन के प्रधान कार्यालय प्रांगण में संगठन के विस्तार हेतू बिहार झारखंड के जाँच दल कमाण्डर प्रसादी गोप के नेतृत्व में लोगों को संगठन के चिन्हित पदों पर नियुक्त कर उक्त लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया है। इस दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के बिहार प्रदेश अध्यक्ष विभूति सिंह, प्रदेश सचिव मनोज मंडल और जिला मिडिया प्रभारी शुभम कुमार झा चयनित कर सभी लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान की गई, साथ ही संगठन के कमाण्डर ने बताया कि हमलोगों का कुछ कार्य पूर्व के समय में गोपनीय चल रहा था लेकिन अब हम लोगों साथ मिलकर ग्रामीण विकास के कार्य क्षेत्र में करेंगे, साथ ही जो आयोग का मुख्य उद्देश्य है उनका पूरी निष्ठा से पालन कर लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे।

पूर्वर्ती छात्र सम्मेलन का किया भव्य आयोजन

भागलपुर। महामना मालवीय मिशन बिहार इकाई द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी सह पूर्वर्ती काशी हिंदू विश्वविद्यालय छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों का सम्मेलन सह भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय विचार एवं अनुशीलन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को लेकर महामना मिशन बिहार इकाई अंग कोसी प्रक्षेत्र द्वारा किया गया था। वही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय गांधीनगर के कुलपति प्रो./डॉ. रमाशंकर दूबे, विशिष्ट अतिथि के रूप में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतीहारी बिहार के प्रो./डॉ. संजय श्रीवास्तव, मुख्य प्रवक्ता के रूप में प्रसिद्ध विचारक एवं संयोजक रामाशीष सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता टीएमबीयू के कुलपति प्रो./ डॉ. जवाहर लाल ने किया। इस मौके पर एमएलसी एन के यादव, संजीव कुमार सिंह, विधायक अजीत शर्मा, मेयर डॉ. वसुंधरा लाल के अलावे कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन

औरंगाबाद। जिले के दानी बिगहा बस स्टैंड के निकट बेल्ट्रॉन के माध्यम से ऑउटसोर्स द्वारा सरकार के विभिन्न कार्यालयों में बहाल डाटा इंट्री ऑपरेटर संघ/ कम्प्यूटर ऑपरेटर संघ के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम दीप प्रज्जवलीत करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ सरकार को चेताया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महागोप गुट के अध्यक्ष रामईश्वर सिंह थे। जिसकी अध्यक्षा जिला इकाई औरंगाबाद के संघ के अध्यक्ष आलोक रंजन पाण्डेय ने कहा कि हम सभी डाटा इंट्री ऑपरेटर 20 वर्षों से सरकार के विभिन्न विभागों में कार्य कर रहे है और सरकार के महत्वकांक्षी योजना सभी विभागों को डिजिटाईजेसन एवं पारदशीर्ता के रूप अहम भूमिका निभा रही है। आज 05 नवबंर को सांकेतिक शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन कर रहे है। सरकार से एक ही मांग है ऑउटसोर्सिंग को हटाते हुए सेवा समायोजन करें। यदि सरकार विचार नहीं करती है तो प्रदेश संघ के नेतृत्व में 6 नवम्बर से 11 नवम्बर तक सभी कार्यालयों में काला बिल्ला लगा कर सरकार का विरोध करेंगे और 28-29 नवम्बर को दो दिवसीय हड़ताल पर जायेगे।

नारायण सिंह की पुण्यतिथि समारोह किया जाएगा आयोजित

औरंगाबाद। 30 एवं 31 दिसंबर को देवकुंड महोत्सव आयोजित किया जाएगा। उक्त निर्णय जनेश्वर विकास केंद्र की अधिवक्ता संघ भवन औरंगाबाद में हुई बैठक में लिया गया । बैठक रामजी सिंह की अध्यक्षता और डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ । सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया की राजा नारायण सिंह अंग्रेजों के प्रथम और पर्बल शत्रु थे । उन्होंने अपने मित्र और बनारस के राजा चेत सिंह के सहयोग में करीब 6 हजार अंग्रेज सैनिकों को सोन नदी में डुबोकर मार दिया था। वे आजीवन अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध लड़ते रहे। वे कुंवर सिंह से भी करीब सौ वर्ष पूर्व के स्वतंत्रता सेनानी रहे परंतु जहां कुंवर सिंह पूरी दुनिया के हीरो है वही नारायण सिंह को इस जिले के लोग हैं पूरी तरह से नहीं जानते ।यही कारण है कि जनेश्वर विकास केंद्र एवं जन विकास परिषद 1992 से ही इनका पुण्यतिथि समारोह आयोजित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से जिला वासियों को परिचित करा रहा है। पूर्व की भांति इस वर्ष भी 12 नवंबर को उनके चित्र पर माल्यार्पण के साथ समारोह की शुरूआत किया जाएगा। तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर संगोष्ठी आयोजित किया जाएगा । इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजन को सम्मानित भी किया जाएगा ।

सेविका सहायिका अपनी पांच सूत्री मांगों के समर्थन में धरना पर

धरना पश्चात डीएम को सौंपा पांच सूत्री से संबंधित ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

सदर मुंगेर। शनिवार को अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर सेविका व सहायिकाओं ने जिला महासचिव की अगुवाई में किला परिसर स्थित शहीद स्मारक के पास धरना दिया। धरना में जिले भर की काफी संख्या में सेविका व सहायिका मौजूद थीं। धरना में बैठी सभी सेविकाओं ने कहा कि जब तक हम लोगों की मांगे सरकार मान नहीं लेती है, तब तक हम लोग हड़ताल जारी रखेंगे। धरनार्थी सेविका व सहायिकाओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए कहा कि आश्वासन के बाद भी सरकार हम लोगों की बातें नहीं सुन रही हैं। महागठबंधन की सरकार पिछले साल ही हमलोगों की मांगे मान लिये जाने की बातें कही थी। धरना का नेतृत्व कर रहीं सेविका ने कहा कि

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन की सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका के मानदेय को दोगना करने का वादा किया था। साथ ही मुख्यमंत्री अपने सभी चुनावी सभाओं में इस आशय का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि मानदेय दोगुना करने की बात तो दूर अब तक हमलोगों से मिलने तक का समय नहीं दिया। सेविका ने कहा कि जनवरी महीने से मार्च महीने के बीच लगातार तीन महीने तक संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आहूत चरणबद्ध आंदोलन के दौरान आईसीडीएस एवं प्रधान महासचिव समाज कल्याण विभाग के द्वारा आश्वासन मिलने पर हमलोगों ने राज्यव्यापी आंदोलन को स्थगित कर दिया था।असके विरोध में हमलोग 7 नवंबर को पटना में घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम के तहत विधानसभा का घेराव करेंगे। जिसमें हजारों की संख्या में सेविका तथा सहायिका मौजूद रहेगी। महाधरना में जिला अध्यक्ष, राज परिषद सदस्य, ,मुंगेर ग्रामीण अध्यक्ष, सचिव, सहित काफी संख्या में सेविका व सहायिका मौजूद थीं।

नियमितीकरण के लिए एकताबद्ध होकर भागीरथ प्रयास करना होगा : सतेंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

दाऊदनगर (औरंगाबाद)। "सिंचाई विभाग के मौसमी कर्मियों को सालों भर काम देने के लिए अभियंता प्रमुख,पटना ने राज्य के सभी चीफ इंजीनियरों को जो पत्र लिखा है उससे मौसमी कर्मियों की सेवा नियमितीकरण की उम्मीदें काफी बलवती हुई हैं लेकिन फिर भी सेवा के इस नियमितीकरण के हक को हासिल करने के लिए हमें मजबूती के साथ एकताबद्ध होकर भागीरथ प्रयास करना होगा।

उक्त बातें महासंघ (गोप गुट) के जिला सचिव सत्येन्द्र कुमार ने आज यहां सिंचाई विभाग के प्रांगण में मौसमी कर्मियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विगत 08 सितंबर 2023 को चीफ इंजीनियर औरंगाबाद ने मौसमी कर्मियों के प्रदर्शन के दौरान उनके प्रतिनिधियों के साथ किए गए शिष्टमंडल वार्ता में आश्वासन देते हुए स्पष्ट तौर पर कहा था कि मौसमी-कर्मियों के बकाए वेतन का भुगतान दशहरा पर्व के पूर्व हर हाल में कर दिया जाएगा जो कि अभी तक नहीं हो पाया है ! इसके अलावा उस दिन चीफ-इंजीनियर,औरंगाबाद के द्वारा मौसमी कर्मियों की 14- सूत्री मांगों में से अनेक मांगों की पूर्ति का भी आश्वासन दिया गया था लेकिन

उनमें से किसी भी मांग को अभी तक पूरा नहीं किया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ (गोप गुट) के जिला संरक्षक कृष्णा प्रसाद चंद्रवंशी ने कहा कि दशहरा जैसे हिंदुओं के महत्वपूर्ण पर्व के अवसर पर भी मौसमी कर्मियों को बकाया वेतन नहीं मिलना बेहद अमानवीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है जिसकी जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। इससे भी ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिला के सभी आला अधिकारियों की नजर में मौसमी कर्मियों की समस्या स्पष्ट होने के बावजूद कोई भी पदाधिकारी इनकी समस्याओं को हल करने के लिए कोई त्वरित कार्रवाई नहीं कर रहा है । यह आज के दौर में तन्त्र को असंवेदनशील एवं अमानवीय हो जाने का प्रमाण है । उन्होंने मौसमी कर्मियों को एकताबद्ध ढंग से अपनी मांगों की पूर्ति के लिए अपना धारावाहिक संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। बैठक में यह भी तय किया गया कि जिला स्तर पर होने वाले अगले आंदोलन की घोषणा करने के पूर्व अगले हप्ते में चीफ इंजीनियर औरंगाबाद से एक शिष्टमंडल वार्ता कर के उक्त मांगों के सन्दर्भ में उनका दृष्टिकोण एक बार फिर से समझ लिया जाए। बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर यह निर्णय लिया गया कि आने वाले निकट भविष्य में अपनी मांगों में शामिल विभिन्न मुद्दों, जैसे- सभी मौसमी कर्मियों की सेवा नियमित करने,स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा मौसमी कर्मियों का शोषण-दमन-उत्पीड़न बंद कराने,विगत जून-2023 से लेकर अक्टूबर-2023 तक के वेतन का भुगतान अति शीघ्र करने,सभी मौसमी कर्मियों को विभाग के स्तर से पहचान-पत्र निर्गत कराने, उन्हे वर्दी,टॉर्च, सिटी,साइकिल,छाता,कार्य से संबंधित उपकरण-औजार मुहैय्या कराने,मौसमी कर्मियों के साथ पदाधिकारियों द्वारा गुलामों जैसे किए जा रहे अपमानजनक दुर्व्यवहार बंद कराने एवं उक्त मामलों से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करवाने, इत्यादि मांगों की पूर्ति के लिए औरंगाबाद जोन कमिटी के साथ विचार-विमर्श कर के बहुत जल्द धारावाहिक और जुझारू आन्दोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के दाउदनगर प्रमंडलीय अध्यक्ष- रविन्द्र कुमार तथा संचालन संघ के सचिव- अरविंद कुमार ने की ! इनके अलावा इस बैठक में मौसमी कर्मचारी संघ के राज्याध्यक्ष- जयराम सिंह,सदस्य- रविन्द्र सिंह,जनेश्वर ठाकुर, गजेन्द्र चौधरी, महावीर पासवान, मो अनवर शाह, जलेंदर शर्मा,बबन यादव, महेन्द्र सिंह,सूबेदार कुमार,जुगल सिंह,जगन सिंह,इंद्रदेव पासवान,सिपाही चौधरी,सुरेश पासवान,जगदीश राजवंशी,विनय राम,इत्यादि सैंकड़ों मौसमी कर्मियों ने भी भाग लिया।

द होली सेवियर चर्च रमना में दो दिवसीय पारिवारिक सम्मेलन उत्साह पूर्वक मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा :.द होली सेवियर चर्च रमना आरा में दो दिवसीय पारिवारिक सम्मेलन बड़े उत्साह पूर्वक माहौल में मनाया गया ।सभा की शुरूआत पास्टर अनिल जीऊत ने यहुना 10:10 बाइबल पाठ पढ़कर शुरूआत किया। सामूहिक भजन ,आराधना हो यीशु की आराधना हो ,उसकी महिमा करो बंधन टूट जाएगा मेरा यीशु मौजूद है यहां ।आया है इशू आया है मुक्ति ले साथ आया है ।स्तुति आराधना ऊपर जाती है आशीष देखो नीचे आती है गीतों को गाकर प्रभु यीशु की स्तुति ,आराधना किया गया। जिसकी अगुवाई, सुषमा, पूजा ,जोशना सोनू ,मोहन, सुदेश्वर ने किया। मुख्य अतिथि टाम पासमौर और सिंडी पासमौर का स्वागत गमछा और माला पहनकर किया गया। मसीही पारिवारिक सम्मेलन में सैकड़ो मसीह लोगों ने पांच प्यार की भाषा विषय पर प्रशिक्षक ,पादरी अनिल जी ऊत व रजनी के विचारों को बड़े ध्यान से सुना कि परमेश्वर ने

यह जिंदगी दिया है हमें बहुतायत का जीवन जीने के लिए अपने जीवन साथी की 1,सराहना करेंगा (बडाई करे) 2, उनके लिए समय निकले 3,उपहार देना सीखें ,4,भौतिक और आत्मिक स्पर्श। 5,सेवा का काम करके अपने पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। टाम पासमौरव सिंडी ने भारतीय परंपरा की सराहना किया और मसीही महिलाओं को सिखाया कि हम ईश्वर की नजर में समान व्यक्तिव है, दो अधूरे व्यक्तित्व वयस्क मिलकर जीवन साथी बनते हैं जो परमेश्वर को अपने सिंहासन पर विराजमान करते हैं और परमेश्वर की महिमा करते हैं यह सम्मेलन सभी मसीही परिवार के लिए प्रेरणादायक रहा इस अवसर पर आरपी किरण, निर्मला आरती, आलोक ,किरण संतोष ,रितु ,सोनू, मोहन ज्योति,अनमोल, जोशना वीर बहादुर ,पूजा पिंकी, छोटू ,काशीनाथ ,विनय ,राज किशोर राजकुमारी ,राजू प्रमिला ,राजकिशोर राजकुमारी ,विनय ,कुणाल आदि सैकड़ो मसीही समाज के लोगों ने उपस्थित होकर सभा को गरिमा बनाया। आगामी क्रिसमस मिलन समारोह 24 दिसंबर और क्रिसमस प्रेयर 25 दिसंबर को मनाने का निर्णय सभी लोगों की सहमती से लिया गया और मसीही एकता के लिए महारैली निकालने का प्रस्ताव सर्वसम्मत से लिया गया ।चर्च मे बिजली लगने से आरा सांसद आर के सिह के प्रति मसीही समुदाय हर्षित है चर्च के सदस्य चर्च के जीर्णोद्धार की आस लगाये हुये है जल्द चर्च असमाजिक लोगो से मुक्त होगा। पास्टर अनिल जीऊत के धन्यवाद ग्यापन से दो दिवसीय सभा प्रभु भोज विधि और आशीर्वाद प्रार्थना से अन्त हुआ।

पुर्व सभापति के पति पर बाइक सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने किया जनलेवा हमला

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। जिले भर के ग्रामीण इलाकों में अपराधियों के अपराध की घटनाएं चरम पर होता दिख रहा है, वही अपराधी लगातार लूट, छिनतई, पिरोती मांग व गोलीबारी की घटना को सरेआम अंजाम दे नंगा नाच का खेल घटना को अंजाम दे रहा है। वही जिला पुलिस प्रशासन के द्वारा अपराधियों के बुलंद हौसले पस्त करने की लगातार मुहिम चला रही हैं लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बावजूद दिन प्रतिदिन अपराधी अपने मंसूबों को पूरा करने की गतिविधियों में डटे हुए हैं। इसी कड़ी में एक और गोलीबारी की घटना घटित होने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक सुलतानगंज थाना परिक्षेत्र इलाके के नई सीढ़ी घाट

के समिप नगर परिषद सुलतानगंज के पुर्व सभापति दयावती देवी के पति रंजीत यादव उर्फ बुच्चा यादव पर जनलेवा हमला कर गोलीबारी की है। अपराधियों ने रंजीत यादव के घर में घुसकर उसके ऊपर गोली फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि एक बाईक पर सवार तीन अज्ञात अपराधीयों ने देर शाम घर में घुसकर सभापति के पति को गोली मार कर गम्भीर रूप से घायल कर अपराधी बाइक लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा है। वही घटना कि जानकारी मिलने पर घटना स्थल पर स्थानीय थाना पुलिस की टीम पहुचकर घायल रंजीत यादव उर्फ बुच्चा यादव को त्वरित ईलाज के लिए रेफरल अस्पताल लेजाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक ने हालत की गम्भीरता को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। जहां परिजन व ग्रामीण ने घटना को लेकर बताया कि अपराधियों ने फायरिंग की जो रंजीत यादव उर्फ बुच्चा यादव को सीने में गोली लगी है। वही घटना को लेकर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना को लेकर पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है, हालांकि घटना के कारणों का कोई पता नहीं चल पाया है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी सभापति के पति पर अपराधियों ने जान मारने की धमकी दी थी।

सड़क किनारे दुकान में लगी भीषण आग इलाके में मची अफरा तफरी का माहौल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र स्थित परबत्ता थाना क्षेत्र अंतर्गत जहान्वी चौक के समीप एक किराना दुकान की गुमटी में अचानक आग लग गई, देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि आसपास के करीब आधा दर्जन अन्य दुकानों को अपने आगोश में ले लिया। वहीं अगलगी की घटना को देख स्थानीय लोगों व दुकानदार ने आग पर काबू पाने का अथक प्रयास किया लेकिन आग काफी तेज गति से पूरे दुकान को राख की ढेड़ में तब्दील कर दिया। वही घटना को लेकर स्थानीय लोगों व ग्रामीणों ने अगलगी की सूचना अग्निशमन विभाग को दी। वही सूचना मिलते ही अग्निशमन की दो गाड़ियों के साथ अग्नि शमन टीम मौके पर पहुंच आग पर काबू पाने के

कवायद में जुट गई। करीब 1 घंटे की मस्कत के बाद अग्नि शमन की टीम ने आग पर काबू पाने में सफलता प्राप्त की। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि दुकान में रखे हुए गैस सिलेंडर में हुए लीकेज के कारण आग लगी थी। वही अगलगी की घटना में ग्रामीण दुकानदार के लाखो रुपये की छति के साथ भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

बरियारपुर : लोगों ने छठ घाट को दुरुस्त करवाने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । बरियारपुर इंटर स्तरीय आदर्श उच्च विधालय घोरघट का आम रास्ता मणि नदी के किनारे कटाव हो जाने से हजारों छात्र छात्राओं का आवागमन बाधित होने के साथ-साथ छठ पर्व करने वालों के लिए समस्या हो गई है, अगर इस छठ घाट को दुरुस्त नहीं किया जाएगा तो छठ पर्व के दौरान कोई भी घटना घट सकती है। इसलिए समय रहते दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि आदर्श उच्च विद्यालय घोरघट एवं मनी नदी के बीच आम रास्ता को जो पानी के कटाव से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है जिस पर बच्चे एवं बूढ़े जवान कोई भी जरा सा चुक होते ही उसे सड़क मार्ग पर चलते हुए 15 - 20 फीट की गहराई में गिर पड़ेंगे। क्योंकि सड़क के किनारे बड़े-बड़े धंसाना के रूप में मिट्टी गिरकर मणि नदी में विलीन हो चुके हैं और छठ करने के दौरान मणि नदी पर छठ पर्व करने के लिए जो भी जाएंगे वह भी इस सड़क पर हादसे का शिकार हो सकते हैं । गांव की आधी आबादी जिनका रेलवे हाल्ट जाने का मुख्य रास्ता भी यही सड़क मार्ग है। इसलिए जनता के हित में इस सड़क मार्ग को दुरुस्त करते हुए किनारे पर मिट्टी की भारी सरकारी स्तर पर किया जाना अति आवश्यक है इसे जान माल सभी सुरक्षित रहें।

थाना अध्यक्ष को भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर दी गई विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। प्रभात क्लब इटबा द्वारा निर्वतमान धरहरा थाना अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह को भव्य सम्मान समारोह आयोजित कर मैत्री पूर्ण विदाई दी गई ।जिसमें की क्लब के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, युवाओं वक्ता ने उनके मिलनसार और सेवाभावी व्यक्तित्व की खूब प्रसंशा की और कहा की उनके कार्यकाल में पुलिसिंग का उच्च आदर्श देखने को मिला। आम फरियादियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों को थाने में सम्मान और सहयोग दिया जाता रहा। क्रिकेटर और बॉडी बिल्डर होने के कारण वे स्थानीय खिलाड़ियों और युवाओं को आगे बढ़ाने हेतु लगातार खेल एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाते रहे। विधि व्यवस्था संधारण हेतु शराबबंदी कानून का कठोरता पूर्वक पालन

हुआ फलस्वरूप अपराध पर रोक लगी। जिसके बाद लोगों ने बारी बारी से रोहित कुमार सिंह को फूल माला पहनाया एवं अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मान प्रगट किया ।मौके पर जबरदस्त आतिशबाजी भी की गई ।लोगों का प्रेम और सम्मान पाकर भावुक हुए थाना अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह ने चलते चलते मेरे ये गीत याद रखना,कभी अलविदा ना कहना गीत के माध्यम से अपनी भावनाएं प्रगट की और समारोह स्थल से संग्रामपुर थाना हेतु प्रस्थान किया। इस दौरान अपर थाना अध्यक्ष राजीव कुमार,मनोज कुमार सिंह मौजूद थे।

जिप सदस्य के दिवंगत पिता के श्राद्ध कर्म में जुटे जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी गण

प्रात : किरण संवाददाता

कैमूर। शहर के पटेल चौक स्थित होटल शिवाय में रविवार को स्थानीय जिला परिषद सदस्य सह बीएसपी नेता विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल के दिवंगत पिता स्व. विजय सिंह की ब्रह्मभोज भंडारा का आयोजन किया गया जहां हजारों गणमान्य लोगों ने शिरकत कर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

वहीं आए गणमान्यों द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु मौन धारण किया गया और उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया ।वहीं वक्ताओं ने कहा कि विजय सिंह शांत स्वभाव के कोमल हृदय दूसरों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यक्ति थे। ईमानदारी और तेजस्वी व्यक्तित्व के धनी स्व.विजय सिंह अपने कर्तव्यों को निभाने में पूरी निष्ठा रखते थे ।उन्होंने अपने जीवन में बहुतेरे असहायों की मदद की ।उनका जीवन गरीबों के उत्थान और सहयोग में बीता ।त्याग ,संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतिमूर्ति थे और एक अच्छे पिता की भांति अपने परिवार की परवरिश की संवारा और अच्छी शिक्षा के साथ अच्छा संस्कार दिया ।बता दें कि स्व.विजय सिंह का निधन विजयादशमी के दिन विगत 24 अक्टूबर को हृदय गति रुकने के कारण हो गया था ।खास बात है कि विजयादशमी के दिन ही जन्मे विजय सिंह का सुनहरा अंत भी विजयादशमी को ही हो गया ।विजयादशमी के दिन जन्म लेने के कारण ही परिवार जनों ने इनका नाम विजय रखा था ।नाम के अनुरूप ही इनका कार्य समाज के पटल पर रहा।

एम्स पटना में राष्ट्रीय नवजात वेंटिलेशन कार्यशाला का हुआ आयोजन

32 बेड्स एनआईसीयू के लिए 7.5 करोड़ के मशीनों की खरीदारी की मंजूरी : जी के पाल

प्रात : किरण ब्यूरो

पटना। एम्स पटना के नियोनेटोलॉजी विभाग ने 4-5 नवंबर को राष्ट्रीय नवजात वेंटिलेशन कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के 34 उभरते नियोनेटोलॉजिस्ट और बाल रोग विशेषज्ञों का प्रशिक्षण शामिल था। उन्हें राज्य के भीतर और बाहर के नौ राष्ट्रीय संकायों द्वारा नवजात वेंटिलेशन की बारीकियों में प्रशिक्षित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन की अध्यक्षता एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रोफेसर (डॉ.) जी.के. पाल ने की।

डॉ. पाल ने इस कार्यशाला के आयोजन के लिए नियोनेटोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया की 32 बेड्स एनआईसीयू के लिए 7.5 करोड़ के मशीनों की खरीदारी की मंजूरी दे दी

है और जल्दी ही नवजात शिशु विभाग को ये मशीने मिल जायेंगी। एम्स पटना के डीन (अकादमिक) डॉ. यू के भदानी ने भी उनके प्रयास के लिए टीम की सराहना की और भविष्य में ऐसे और सत्रों की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। एम्स पटना के चिकित्सा अधीक्षक डॉ सीएम सिंह ने भी टीम को प्रोत्साहित किया और बताया कि जल्द ही एम्स, पटना में 32 बेड्स एनआईसीयू चालू हो जायेगा। यह समझना महत्वपूर्ण है कि नवजात शिशुओं के फेफड़ों में अद्वितीय शारीरिक विशेषताएं होती हैं। इसलिए, यह समझना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि इन छोटे और बीमार नवजात शिशुओं में वेंटिलेशन को कैसे नियंत्रित किया जाए और इस प्रक्रिया में उनकी रुग्णता और मृत्यु दर को कैसे कम किया जाए।

यह कार्यशाला, इसमें शामिल प्रतिभागियों के लिए नवजात वेंटिलेशन जटिलताओं को समझने के लिए एक महान सीखने का अनुभव था। इसमें शामिल राष्ट्रीय संकायों में आईपीजीएमईआर कोलकाता से डॉ. बिजन साहा, एनएमसीएच पटना से डॉ. सरोज कुमार, एम्स भुवनेश्वर से डॉ. तनुश्री साहू, एनएसएमसीएच बिहटा से डॉ. नीरज मिश्रा शामिल थे। एम्स पटना के नियोनेटोलॉजी विभाग के संकायों से डॉ. भावेश कांत चौधरी विभागाध्यक्ष एवम आयोजन अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर प्रसाद आयोजन अध्यक्ष, डॉ. रिची दलाई आयोजन सचिव, डॉ. केशव पाठक और डॉ. सौरभ कुमार जो कार्यशाला समन्वयक थे। प्रतिभागियों ने बताया कि उन्होंने इस सत्र से बहुत कुछ सीखा है और अब वे प्राप्त ज्ञान को अपने-अपने केंद्रों पर प्रसारित करने और बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित हुए हैं।

10वें रंग महोत्सव का हुआ आगाज

दिल्ली, गुजरात, छत्तीसगढ़ के साथ साथ कई राज्यों से कलाकार पहुंचे भागलपुर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। रंग ग्राम जान सांस्कृतिक मंच की ओर से 10वें भागलपुर रंग महोत्सव का रंगारंग आगाज कला केंद्र परिसर में विधिवत रूप किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत कई तरह के रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देश विदेश से पहुंचे कलाकारों द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम में देश के कई राज्यों से कला प्रदर्शन को लेकर कई क्षेत्र के कलाकार भागलपुर पहुंचकर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। वही कार्यक्रम में गुजरात, दिल्ली, छत्तीसगढ़ के अलावे कई राज्यों से कलाकार द्वारा कला संस्कृति की स्मृति पर आधारित कई तरह के नाटक, नृत्य कला की प्रस्तुति के लिए भागलपुर पहुंचे हैं। वही कार्यक्रम के क्रम में अखिल भारतीय बहुभाषीय लघु नाटक, नुक्कड़ नाटक, लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य एवं रंगजुलूस का भव्य मंचन

के आयोजन किये गये है। इस दौरान संबंधित कलाकार एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देते दिखाई दिये। वही इसके पूर्व में कार्यक्रम का विधिवत्त उद्घाटन बिहार राज्य बाल श्रम आयोग के अध्यक्ष डॉक्टर चक्रपाणि हिमांशु, मेयर डॉ. बसुंधरा लाल, डिप्टी मेयर डॉ. सलाउद्दीन अहसन के अलावे शहर के कई गणमान्य लोगों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान कार्यक्रम की शुरूआत में भागलपुर अंग जनपद की बिहुला विषहरी व पूरे बिहार की झांकियां नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान बरियारपुर की टीम ने हास्य नाटक "यह कैसा इंसाफ" की प्रस्तुति देने के साथ ही दिल्ली के कलाकारों ने "गोरखधंधा" की प्रस्तुति दी। जिसे देखकर उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा है। वहीं पटना की टीम ने कथा "एक सराय" का भी भव्य मंचन के साथ अपने कला का प्रदर्शन किया है। इस दौरान शहर के प्रबुद्ध वर्ग के लोगों के साथ साथ कई लोगों की भीड़ रही थी।

संक्षिप्त खबरें

पेंचक सिलाट एशियन चैंपियनशिप मे दो खिलाड़ी हुए चयन

करपी (अरवल) पंकज ज्योति स्पोर्ट्स अकेडमी गांधी मैदान करपी के दो खिलाड़ियों का पेंचक सिलाट एशियन चैंपियनशिप में हुआ चयन , यह खेल दुबई में होने वाले हैं आयोजित सोमवार के,पेंचक सिलाट एशियन चैंपियनशिप का प्रतिनिधि करेंगे कृष्ण कुमार व मुरली मोहन और दुबई में दिखाएंगे अपना हुनर, इस मौके पर पेंचक सिलाट एशियन चैंपियनशिप एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार समाजसेवी शैलेश कुमार सनोज सोनम मिश्रा कृष्ण कुमार पिंटू कुमार समेत अन्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर खिलाड़ियों को रवाना किया, साथी खिलाड़ी कृष्ण कुमार एवं मुरली मोहन को जीत की अग्रिम पूरे जिले वासियों की बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

लोजपा (रा) भोजपुर का संकल्प यात्रा आज : राजेश्वर पासवान

लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्देश पर पूरे बिहार में जिलावार बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट का संकल्प यात्रा चालू है ।बिहार के सभी जिलो में लोजपा रामविलास के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी के नेतृत्व में संकल्प यात्रा का कार्यक्रम चल रहा है, उसी कर्म में आज आरा नागरी प्रचारनी सभागार में समय 10: 30 बजे दिन में भोजपुर के पार्टी कार्यकर्ता बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट, 2025 में चिराग मस्ट,, का संकल्प लेंगे। इस आशय की जानकारी पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने दी है,और आगे उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष गण का भी आगमन होने जा रहा है ।भोजपुर के सभी प्रकोष्ठ के जिला कमिटी,प्रखंड कमिटी एवम पंचायत कमिटी के कार्यकर्ता भाग लेंगे।

पुलिस ने फरार शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शेरघाटी ।थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के गोपालपुर कस्बे से शराब के एक धंधे बाज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विमल कुमार ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी अवैध शराब के धंधे से जुड़ा है इसके विरुद्ध थाने में पूर्व से ही प्राथमिक की दर्ज है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया।

भाजपा नेता के माता जी के निधन पर कार्यकर्ताओं ने जताया शोक

औरंगाबाद। शहर के वार्ड नंबर 20 नावाडीह निवासी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार सिंह जी के माताजी अनारकली देवी(78 वर्ष)के निधन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने उनके घर जाकर परिवार जनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में ढ़ाढस बढ़ाया। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धेय अनारकली देवी अपने पीछे तीन पुत्र एवं तीन पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है ।वह धर्म परायण व समाजसेवी महिला थी उनके निधन से औरंगाबाद पूरे शहर में शोक की लहर है ।निधन के उपरांत भाजपा कार्यकताओं सहित शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी, व्यवसायी व राजनीतिक जनों ने घर जाकर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। उनका अंतिम संस्कार वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट पर किया गया। शोक संवेदना व्यक्त करने वाले में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अधिवक्ता इंद्रदेव यादव, युगल किशोर सिंह, विनोद शर्मा ,राकेश कुमार देवता ,रघुनाथ राम, दूना प्रसाद गुप्ता शामिल हैं।

पूर्व मंत्री ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी से बीएलओ संबंधित विषय की चर्चा

गया। अतिथि में पूर्व कृषि मंत्री सह नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने सदर अनुमंडल अधिकारी एवं गया नगर विधानसभा बीएलए अमित लोहानी के साथ बैठक किया है। डॉ कुमार ने नगर में चल रहे सभी बूथों पर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने एवं शुद्धिकरण पर चर्चा करते हुए जानकारी लिए। अनुमंडल अधिकारी ने बताया कि सभी बूथों पर प्रक्रिया जोरों पर है तथा जिस जगह पर मोबाइल अथवा इंटरनेट की समस्या होती है वहां मैन्युअल फॉर्म भरवा कर कार्यालय में ऑनलाइन करवा दिया जाता है। जिन बूथों पर बीएलओ नहीं है अथवा सुचारू रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं, वैसे समस्याओं का जल्द ही निवारण किया जाएगा। बीएलए अमित लोहानी ने बताया की गया महानगर विधानसभा के सभी बूथों पर एजेंट नियुक्त करने का कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। डॉ कुमार ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलए की संयुक्त बैठक बुलाकर आ रही सभी समस्याओं का निवारण किया जाय है, गया जिला में बड़ी संख्या में मतदाता का नाम छूटा हुआ है चुनाव आयोग के द्वारा इस अभियान से मतदाताओं के लिए सुनहरा मौका है जिसके अंतर्गत फॉर्म 06 के माध्यम से नया नाम जोड़ा जाएगा फॉर्म 07 के माध्यम से नाम हटाने का एवं फॉर्म 08 के माध्यम से नाम सुधारने का नियम है।

नगर आयुक्त ने छठ घाटों का किया निरीक्षण मरम्मती एवं चैंजिंग रुम बनने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा द्वारा बिहार के महान पर्व पर शनिवार को नगर आयुक्त,गया नगर निगम द्वारा गया नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया है। सबसे पहले पोलटेकनिक घाट के निरीक्षण के दौरान पाया गया आवारा पशु घाट पर घूम रहे थे अतः नगर प्रबंधक को निर्देश दिया गया की आवारा पशु को घाट से हटवाने का निर्देश दिया गया है।

केंदुई घाट के निरीक्षण के क्रम में सुबोध कुमार सिंह कनीय अभियन्ता को नदी में अधिक पानी होने के कारण बेरिकेटिंग करवाने का निर्देश दिया गया है, अच्छी तरह से साफ सफाई , पार्किंग स्थल से घाट तक पथ का लेवेलिंग करवाने का निर्देश दिया गया है ,प्रकाश व्यवस्था ,जलपूर्ति की व्यवस्था एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था करवाने का निर्देश दिया गया है

इसके बाद सूयापीखरा घाट के निरीक्षण के दौरान टूटे हुए टाइल्स पाए गए अतः किशोर कुमार , कनीय अभियन्ता को घाट पर टूटे हुए टाइल्स को मरमती करवाने का निर्देश दिया गया है एवं बैरिकेटिंग करने का भी निर्देश दिया गया है। फिर धोबियाघाट के निरीक्षण के दौरान पानी नही होने के कारण शैलेन्द्र कुमार सिन्हा सहायक अभियन्ता को 3 अदद कुण्ड निर्माण करवाने का निर्देश दिया गया है। सुबोध कुमार सिंह , कनीय अभियन्ता को टूटे हुए टाइल्स को मरमती करवाने के निर्देश दिया गया है वहां विशेष सफाई करने एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया है ।रामकुंड तालाब के निरिक्षण के दौरान सुबोध कुमार कनीय अभियन्ता को टूटे हुए टाइल्स का मरमती सिन्धु कुमार मिश्रा ,निरीक्षक को तालाबों में फिटकरी डालने का निर्देश दिया गया है। वही उतरी छोर पर स्थित बिन्देश्वरी घाट , सीढ़िया घाट एवं महादेव घाट के निरीक्षण के दौरान सुबोध कुमार सिंह, कनीय अभियन्ता को पारपथ बनाने का निर्देश दिया गया है एवं वहां विशेष सफाई करने एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था, जलपूर्ति की व्यवस्था एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था का निर्देश दिया गया है ।पितामहेश्वर के निरीक्षण के दौरान सुबोध कुमार सिंह, कनीय अभियन्ता को पितामहेश्वर घाट पर पारपथ कराने का निर्देश दिया गया है, वहां कुंड का निर्माण करने एवं विशेष सफाई करने एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था, जलपूर्ति की व्यवस्था एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था करवाने का निर्देश दिया गया है ।ब्राह्मणी घाट पर निरीक्षण में धर्मेन्द्र कुमार,कनीय अभियन्ता को मंदिर जाने वाले रास्ते पर टूटे टाइल्स की मरमति, थोड़े से नाली का निर्माण, पहुंच पथ का समतलीकरण एवं पार पथ का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया है। नोडल पदाधिकारी सफाई को घाट की अच्छी तरह से सफाई कराने का निर्देश दिया गया है।

मगध विश्वविद्यालय के इंटर कॉलेज में चेस टूर्नामेंट आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गौतम बुद्ध महिला महाविद्यालय की छात्रा निशा भारती तथा सोनी कुमारी ने मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा आयोजित इंटर कॉलेज चेस टूनामेंट-2023 में क्रमशः प्रथम तथा तृतीय स्थान प्राप्त करके कॉलेज का नाम रौशन किया है। सभी विजेताओं को ट्रॉफीज, मेडेल्स तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। प्रधानाचार्य प्रो. जावैद अशरफ एवं बर्सर डॉ. सहदेव बाउरी सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने विजेता छात्राओं को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। कॉलेज की पीआरओ डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी ने बतलाया कि गत शुक्रवार दिनांक 3 नवंबर को कॉलेज की छात्राएँ इंटर कॉलेज चेस टूनामेंट-2023 में भाग लेने खेलकूद प्रभारी डॉ पूजा राय एवं शिक्षकेतर कर्मी रौशन कुमार के संरक्षण में दाउदनगर कॉलेज गयी थीं, जहाँ छात्राओं की प्रतिभागिता अत्यंत प्रशंसनीय रही हू। छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन के फलस्वरूप गौतम बुद्ध महिला कॉलेज को इंटर कॉलेज चेस टूनामेंट-2023 में रनर्स ट्राफी प्राप्त हुई है। आगामी सोमवार को छात्राएँ इंटर कॉलेज वॉलीबॉल टूनामेंट-2023 में भाग लेने राम लखन सिंह यादव कॉलेज, औरंगाबाद जायेंगी।

मधुमेह जांच शिविर का किया गया आयोजन

पटना। शहर की अग्रणी सामाजिक सेवा संस्था लायंस क्लब ऑफ पटना सोशल ने इको पार्क में बेहद सफल मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया। 50 से अधिक लोगों ने अपने रक्त शर्करा के स्तर की जाँच करायी। क्लब के अध्यक्ष लायन उमंग बूबना ने उन लोगों से आगे चिकित्सीय सलाह लेने को कहा। क्लब सचिव लायन नितेश बिदासरिया ने लायन विशाल कपूर के साथ टेस्ट का संचालन किया। क्लब के कोषाध्यक्ष लायन गौरव मेहरोत्रा ने कार्यक्रम का आयोजन किया और लायन रवि कपूर के साथ शिविर में प्रतिभागियों का पंजीकरण किया। जिन लोगों ने अपने रक्त शर्करा के स्तर का परीक्षण करवाया, उनमें से कई को बढ़े हुए स्तर के बारे में पता नहीं था, और उन्होंने इस गतिविधि के आयोजन के लिए क्लब के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

पूर्व मंत्री ने राजकीय मध्य विद्यालय खरखुरा का किया उद्घघाटन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पूर्व मंत्री सह गया नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत निर्माण कार्य का वार्ड नं 01 में राजकीय मध्य विद्यालय खरखुरा गया का उद्घघाटन किया है। इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने बताया की यहां विद्यालय के निर्माण से मोहल्लों के बच्चों में अभिभावकों में शिक्षकों में काफी खुशी का माहौल है। सभा को संबोधित करते हुए डॉ कुमार ने बताया कि भूमि एवं भवन के अभाव में इस विद्यालय को दूसरे विद्यालय में शिफ्ट कर दिया गया था जिसे माननीय विधायक के प्रयास से स्थगित करते हुए उच्च विद्यालय में पठन पाठन के लिए शिफ्ट किया गया एवं अपने विधायक निधि फंड से 14 लाख 90 हजार की राशि से अनुशंसा कर विद्यालय का भवन का निर्माण कराया गया जिसका आज उदघाटन किया गया है, डॉ कुमार ने कहा इस विद्यालय का और भी विकास किया जाएगा। वार्ड नं0 27 धनिया बगीचा में नव पदस्थापित उच्च विद्यालय भवन का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया जो तीन माह में बन कर तैयार हो जाएगा, जिससे वार्ड नं0 01, 02, 03, 27 की बड़ी आबादी के छात्र छात्राओं को काफी लाभ मिलेगा। यह विद्यालय का जमीन खरखुरा के निवासी समाजसेवी स्व फकीरा महतो के द्वारा दान में दिया गया था ।जिसे कुशवाहा ट्रस्ट के अध्यक्ष महादेव प्रसाद सचिव गुरुदयाल के सहयोग से यह जमीन प्राप्त हुआ तब जमीन मिलने के उपरांत विद्यालय भवन का निर्माण कराया गया है। इस के लिए डॉ कुमार ने स्व फकीर महतो को स्मरण किया और ट्रस्ट के अध्यक्ष सचिव को बधाई दी और भविष्य में दान दाता स्व फकीर महतो का तेल चित्र लगाया जाएगा ताकि उनके योगदान का आने वाले पीढ़ी को प्रेरणा मिलते रहेगा। इस मौके पर मौजूद उपस्थित विद्यालय निरीक्षक श्रीमति अनन्या कुमारी, पश्चमी मंडल अध्यक्ष गौतम कुशवाहा, अशोक गुप्ता,महेश विद्यार्थी,सुरेंद्र यादव,विक्की कुमार, संजय वर्मा, मनोज चंद्रवंशी, देवानन्द पासवान, बंटी वर्मा, धर्मेन्द्र प्रसाद, प्रशांत कुमार, अमित कार्तिके, सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता, शिक्षक परिवार छात्र एवं अभिवावक मौजूद रहे हैं।

एक दिवसीय धरना का किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य डाटा एंट्री ऑपरेटर/कंप्यूटर ऑपरेटर संघ, बिहार पटना के आह्वान पर अपनी एकसूत्री मांग - सेवा समायोजन एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया, जिसमे जिले के विभिन्न विभागों/कार्यलय में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटरगण उपस्थित हुए. उनके द्वारा बतया गया कि हम सरकार के विभिन्न कार्यालयों में विगत 10-25 वर्षो से कार्यरत हैं । लेकिन हमें आज भी सेवा सुरक्षा के संबंध में डर बना रहता है। इसके लिए हम सब सरकार से एकमात्र मांग किया गया कि हमारी सेवा को विभाग में समायोजित किया जाय , ताकि हम भी मानसिक रूप मजबूत होकर अपनी सेवा विभाग में दे सकें। अगर सरकार हमारी मांगों को नही मानती है तो हम सरकार के सारे काम ठप कर के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर हो जाएंगे। धरना में काफी संख्या में पूरे भोजपुर जिला से कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित हुए जिसमें जिला इकाई - भोजपुर के अध्यक्ष - सरोज कुमार, सचिव - चितरंजन चौहान, मिडिया प्रभारी - सागर वर्मा, के साथ जिले के सक्रिय सदस्य - संजीव श्रीवास्तव, प्रकाश कु0 रमन,हरिनारायण पंडित, अलोक कुमार, विंध्याचल कुमार पाण्डेय, रामशुभग शर्मा, मंजय कुमार, मनीष कुमार, अजय कुमार, राजेश कुमार, गुड्डू कुमार, ब्रजेश कुमार, अविनाश कुमार, विनय शंकर, सुनील कुमार, चन्दन कुमार भगत, टऊरशीद, पंकज कुमार, सुजीत मिश्रा, पप्पू कुमार, रवि कुमार, पवन कुमार ठाकुर सहित अन्य काफी संख्या में कर्मी उपस्थित हुए।

मुख्यमंत्री ने जो ऐतिहासिक कार्य किया है , स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा : मंत्री रत्नेश सदा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया केगांधी मैदान के सामने रैन बसेरा स्थल के समीप जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा के अध्यक्षता में आभार कार्यक्रम किया गया एवम संचालन आसिफ जफर द्वारा किया गया है। आभार कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अभय कुशवाहा ने बताया कि बिहार में ऐतिहासिक जाति आधारित गणना करा कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देश में नजीर प्रस्तुत किए हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण मंत्री रत्नेश सदा जी शामिल हुए हैं। मंत्री रत्नेश सदा ने कहा की नीतीश कुमार ने जो ऐतिहासिक कार्य किया है जिसे स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झूठा वादा करके केंद्र की सत्ता पर काबिज हुआ है। आज देश में अराजक स्थिति बना हुआ है। खाद्य आयोग के अध्यक्ष विद्यानंद विकल ने बताया कि देश में मोदी और अमित शाह ने देश में अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है। देश को चंद पूंजीपति चलाने का काम कर रहा है। सांसद विजय मांझी ने कहा कि जातियों के जनसंख्या के आधार पर उनका आरक्षण होना चाहिए । मनोरमा देवी ने कहा कि आगामी 2024 के लोक सभा चुनाव में बिहार और देश की लोग भाजपा को देश की गद्दी से हटाने का काम करेंगे और बिहार के सभी 40 सीट इंडिया गठबंधन जीतेगी।

इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री विनोद यादव, पूर्व विधायक अजय पासवान, कृष्णनंदन यादव, संजीव श्याम सिंह,नगर अध्यक्ष राजू वर्णवाल, अलेकजेंडर खान, द्वारिका प्रसाद, शौकत अली, कुंडल वर्मा, सोनम दास, पूनम कुशवाहा,जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल, राजेश प्रसाद,अरविंद प्रिदर्शी , जितेंद्र दास,अरविंद सिंह, विनोद कुमार, रौशन मांझी, देवरानी देवी, अरविंद वर्मा, जिलाअध्यक्ष युवा कुमार गौरव, जितेंद्र पंडित, राजेश शर्मा, प्रकाश राम पटवा, रेशमा खातून,बबन चंद्रवंशी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष उतम कुशवाहा,राजेश शर्मा, कैलाश पासवान, सुरेश राव,अनिल वर्मा,अजीत कुमार, बलीराम चौधरी,संतोष चौधरी,अजीत शर्मा, संजय कुमार, सुरेंद्र कुमार सहित सभी प्रखंड के अध्यक्ष , पंचायत अध्यक्ष एवम सभी प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता उपस्थित रहें हैं।

बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति सह युवा मंच भोजपुर की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति सह युवा मंच भोजपुर के तत्वाधान में जैन धरशाला महावीर टोला, आरा में शाहाबाद स्तरीय चिंतन बैठक का आयोजन किया गया । बैठक की अध्यक्षता हरेंद्र पंडित पूर्व प्रमुख पति के द्वारा किया गया। इस बैठक मे प्रजापति समाज की सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रगति के विषय पर गहन विचार विमर्श किया गया।इस सामाज के पिछड़े लोगो के आर्थिक विकास,राजनैतिक जागरुकता एवं राजनीतिक भागीदारी पंचायत स्तर से राजनीतिक पार्टी स्तर तक बढाने के मूल बिन्दुओं पर बैठक मे उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने मिलकर चिंतन-मनन किए।सभी लोगो ने मिलकर अपने सामाज के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य करने के लिए संकल्प लिए। जिसमें मुख्य रूप से रंजन पंडित, अध्यक्ष युवा मंच, जिला भोजपुर ,सचिव उमाशंकर पंडित, प्रमंडल अध्यक्ष शंकर पंडित, उप-सचिव ओम प्रकाश पंडित , कोषाध्यक्ष सतेंद्र पंडित एवम राज्यस्तरीय पदाधिकारीगण राज्य सचिव पिंटू गुरु जी ,संगठन सचिव गुरु प्रसाद पंडित , रोहतास जिला सचिव मनोरंजन प्रकाश, बिकास कुमार, मीडिया प्रभारी रोहतास जिला अध्यक्ष कैमूर जय शंकर बिहारी प्रजापति, बक्सर जिला अध्यक्ष सुरेंद्र पंडित , और सभी प्रजापति भाई शामिल हुए ।

आसमा- एनीमिया की रोकथाम कर सुरक्षित मातृत्व के संबंध में समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

गया जिला पदाधिकारी गया डॉ त्यागराजन एसएम ने समाहरणालय सभागार में आसमा- एनीमिया की रोकथाम कर सुरक्षित मातृत्व के संबंध में समीक्षा बैठक किया है। आसमा कार्यक्रम के तहत गर्भावस्था के दौरान आयरन फोलेट और आयोडीन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी विशेष रूप से पाई जाती है। मां और नवजात शिशु की पोषक तत्वों की बढ़ती जरूरतों के कारण ये कमियां मां एवं नवजात शिशु के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। एक गर्भवती महिला को एनीमिया तब माना जाता है जब गर्भावस्था के दौरान उसकी हेमोग्लोबिन एकाग्रता की 11 ग्राम से कम हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान कम हेमोग्लोबिन सांद्रता माध्यम या गंभीर एनीमिया का संकेत समय से पहले प्रसव, मातृ और शिशु मृत्यु दर और संक्रामक रोगों को बढ़ते जोखिम से जुड़ा हुआ है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की आवश्यकता के वल बहुत कम मात्रा में होती है, लेकिन सामान्य शारीरिक क्रिया, वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक है।

आसमा कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि गया जिले में 9 ग्राम से कम हेमोग्लोबिन वाली गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त आयरन युक्त आहार एवं आई०एफ०ए० गोली का सेवन शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराना है। गया जिला में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की कमी लाने के उद्देश्य से संचालित किया गया है। गर्भवती महिलाओं में खानपान में व्यवहार परिवर्तन ला कर उनमें एनीमिया की रोकथाम की जानी है ताकि एनीमिया से ग्रसित महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सके एवं जन्म लेने वाले बच्चे का स्वास्थ्य को भी बेहतर किया जा सके।

आसमा कार्यक्रम का क्रियान्वयन में प्रथम चरण में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 9 ग्राम से कम हेमोग्लोबिन वाले गर्भवती महिलाओं एनीमिया से ग्रसित का वी०एच० एस०एन०डी०, वंडर कैंप,आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र पर कैंप के माध्यम से लाइन लिस्ट तैयार किया गया था। पंचायत स्तर पर चयनित जीविका के सी०एल०एफ के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र पर पोषण युक्त भोजन उपलब्ध करवाया गया है। एनीमिया से ग्रसित चयनित गर्भवती महिलाओं को आई०एफ०ए अनुपूरक टेबलेट पूरी देखरेख में लगातार 100 दिनों तक खिलाया गया है।

जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने बताया कि आसमा प्रोजेक्ट के तहत गया जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत तीन प्रखंड यथा कोच प्रखंड के 10 पंचायत के 178 गर्भवती महिलाएं, मानपुर प्रखंड के 8 पंचायत के 89 गर्भवती महिलाएं तथा बोधगया के 8 पंचायत के 233 गर्भवती महिलाओं को चिन्हित किया गया थाजिनका होमो ग्लोबिन 9 ग्राम से कम है। इस प्रकार कुल 26 पंचायत के 500 गर्भवती महिलाओं को लाइन लिस्टिंग कर उन्हें लगातार 100 दिनों तक प्रोटीन युक्त खाना एव आयरन की गोली खिलाने के काम किया गया। जिले के लिये एक अच्छी बात यह है कि उन सभी गर्ववती महिलाओं में हेमोग्लोबिन की काफी आपेक्षित सुधार हुआ है। प्रत्येक गर्ववती महिला में 3 ग्राम से ऊपर हेमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ी है। इनमें से कुछ महिलाओं का प्रसव हुआ है वह भी सामान्य एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव हुआ है। हर 15 दिनों के अंतराल पर नियमित रूप से सभी गर्ववती महिलाओं की हेमोग्लोबिन जांच की जाती रही है। जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग एव आईसीडीएस विभाग को निर्देश दिया कि जिले के अन्य और प्रखंडों में यह कार्यक्रम चलाने हेतु प्रस्ताव तैयार करें। जिला पदाधिकारी के व्यक्तिगत रूप से लगातार गहन समीक्षा एव प्रयास के कारण इन महिलाओं में हीमोग्लोबिन में सुधार लाने का काम किया गया है ।कोच प्रखंड के मंझियाव पंचायत के बिझड़ी गाँव की रहने वाली पुष्पा कुमारी गर्ववती महिला जिसका मई माह में हीमोग्लोबिन जांच किया गया था उस समय 9 ग्राम था।

युवा जदयू ज़िला अध्यक्ष के अध्यक्षता में ज़िला कमिटी का किया गया विस्तार

आरा । आरा नगर के सर्किट हाउस के सभागार में युवा जानता दल यूनाइटेड के ज़िला अध्यक्ष अभिषेक मेहता के अध्यक्षता में ज़िला कमिटी विस्तार हुआ। जिसमें युवा उपाध्यक्ष 10 , प्रखंड अध्यक्ष 13 ,महासचिव 15 , सचिव 13 एवं सोशल मीडिया प्रभारी 4 , मीडिया प्रभारी एक कोषाधायश सह प्रयक्ता के संगठन पद पर मनोनीत किया गया । जिस्म मुख्य अतिथि के रूप में रास्ट्रिय महासचिव सह पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा शामिल हुए । उन्होंने युवाओं को संबोधती करते हुए कहा की हमारे नेता श्री नीतीश कुमार जी ने सबके साथ सबका विकास के लिए कार्य करते है , उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरकार ने सिर्फ. युवाओं को रोजगार देने के नाम पर भ्रमित करती है जबकी नीतीश कुमार जी ने जो कहते है वो कर के दिखाते है । वर्तमान की केंद्रीय सरकार से सबसे जायद खतरा युवाओं को है ।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक द्वारा चलाया गया सतर्कता जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारत सरकार के द्वारा मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30 अक्टूबर से 05 नंबर के तत्वाधान में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, आरा के द्वारा लोगों को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करने के लिए एक वाकाथन का आयोजन किया गया वाकाथन क्षेत्रीय कार्यालय, आरा से निकलकर समाहरणालय पोखरा होते हुए जज कोठी मोड़ पर जाकर समाप्त हुई जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय आरा के सभी कर्मियों के द्वारा बैनर एवं तख्ती के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाई गई। उक्त वाकाथन में आमजनों की भी उत्साहजनक भागीदारी रही क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री विकास कुमार के द्वारा सभी लोगों को भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए शपथ दिलाया गया। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार का समूल नाश करके ही हमलोग सरदार पटेल के सपनों का विकसित, स्वस्थ व संमृद्ध भारत का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए कहा की यदि कोई व्यक्ति आपसे रिश्वत कि मांग करता है तब इसकी शिकायत उचित मंच पर अवश्य करनी चाहिए। क्षेत्रीय अधिकारी महोदय द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह कि थीम भ्रष्टाचार का विरोध कर लोगो को जागरूक करे वही आरा के होटल रीगल में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे आरा प्रक्षेत्र के 95 शाखा प्रबंधकों ने हिस्सा लियो कार्यक्रम का शुभ आरम्भ दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री डा. आशुतोष कुमार झा, महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विकास कुमार, एवं अन्य अधिकारीयों ने द्वीप प्रज्वालित कर किया। प्रशिक्षण के उपरान्त सभी शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का भी आयोजन किया गया जिसमे पिछले छमाही में प्रबंधकों द्वारा किये गए कार्यों की समीक्षा की गई बैठक में अध्यक्ष महोदय ने बैंक द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कैंपेन के बारे में प्रबंधकों को विस्तृत जानकारी दी जिसमे मुख्यतः प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत ऋण वितरण करने हेतु प्रोत्साहित किया। महाप्रबंधक महोदय ने पिछले छमाही में आरा प्रक्षेत्र द्वारा किये गये कार्यों को सराहा एवं इस वित्तीय वर्ष के आखरी छमाही में अपने सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया। क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विकास कुमार ने आरा प्रक्षेत्र में मौजूद खुदरा ऋण की आपार संभावनाओं को भुनाने का संकल्प लेने का आवाहन समस्त शाखा प्रबंधकों से किया समीक्षा बैठक के उपरांत पिछले छमाही में चले विभिन्न कैंपेन में अच्छा प्रदर्शन करने वालें शाखा प्रबंधकों को सम्मानित भी किया गया इस मौके पर दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के शाखा अनाइठ के मुख्य प्रबंधक श्री अभिषेक कुमार, वरीय प्रबंधक ऋण विभाग श्री बिरेन्द्र कुमार, विपणन अधिकारी श्री कुंदन कुमार एवं अन्य बैंक के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्य प्रबंधक श्री अभिषेक कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

फ्री स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आरा। बदलते मौसम के मिजाज के साथ तरह तरह की बढ़ती मौसमी बीमारी को देखते हुए आज प्रदेश सचिव संजीव सुमन के दिशानिर्देश पर एमआईएम छात्र संगठन अध्यक्ष नवेद आरफी व नोमान शोहरत द्वारा इस्लामपुर शाहजंगी मे फ्री फूल बॉडी चेकप शिविर का आयोजन किया गया. जिसमे जिसमे के.भी.इसान टीम के कुशल चिकत्सक द्वारा आधुनिक जापानी मशीनों के माध्यम से निशुल्क 100 से ज्यादा लोगों के पूरे शरीर की जाँच डॉ विजय डॉक्टर श्रीधर डॉ राज के द्वारा की गई. जिससे लाभान्वित होकर जनता ने खुशी जाहिर की।

मौके पर एमआइएम प्रदेश सचिव संजीव सुमन, कलामउद्दीन, जिला संयोजक साहिन शाहिद, युवा संयोजक सय्यद फैजान, युवा सह संयोजक जोहर शहीद, प्रवक्ता शम्स तबरेज रहमानी, छात्र नेता नवेद आरफी, नोमान शोहरत, नाथनगर विधानसभा अध्यक्ष गुलाम अशरफ, दाऊद आजाद, संतोष यादव आदि मौजद रहे।

कारीसाथ ग्राम में निकाला गया जलभरी यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

आराः कारी साथ ग्राम में जल भरी का आयोजन किया गया जो श्री श्री 1008 नागा बाबा के अध्यक्षता में यह यज्ञ हो रहा है यह यज्ञ शिव प्राण प्रतिष्ठात्मक सह रूद्र यज्ञ होगा जो दिनांक 5 नवंबर 2023 से 11 नवंबर 2023 तक चलेगा 11 नवंबर को ही भंडारा का आयोजन होगा जिसमें आस-पड़ोस के सभी गांव की जनता भाग लेगी आज जल भारी में कारीसाथ ग्राम के साथ-साथ नवानगर गजराजगंज महुली सरफफर सासाराम ती रोजपुर आमा मोहम्मदपुर सभी गांव के लोगों ने हिस्सा लि

एफडी पर 8.05 प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने एफडी (फिक्सड डिपॉजिट) की ब्याज दरों में इजाफा किया है। नई दरें 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी पर है। बैंक की तरफ से दी जानकारी के अनुसार फिक्सड डिपॉजिट की नई दरें 1 नवंबर 2023 से प्रभावी रहेंगी। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य नागरिकों को 7 दिन से 10 साल की एफडी पर 3.05 प्रतिशत से 7.25 प्रतिशत तक ब्याज देगा। 444 दिन की एफडी पर बैंक सबसे अधिक 7.25 प्रतिशत का ब्याज दे रहा है।

गुजरात की मुनाफे वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ

गुजरात के अहमदाबाद स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी सनरेस्ट लाइफसाइंस लिमिटेड का आईपीओ लॉन्च होने वाला है। कंपनी अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से 10.85 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। यह आईपीओ 7 नवंबर को ओपन होकर 9 नवंबर को बंद हो जाएगा। बता दें कि कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना सार्वजनिक निर्गम लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है।

इस हफ्ते आएंगे औद्योगिक उत्पादन यानी आईआईपी के आंकड़े

▶▶ एचपीसीएल, एनएचपीसी और आईआरसीटीसी का आएगा रिजल्ट ▶▶ इजराइल-हमास युद्ध का बाजार पर रहेगा सीमित पड़ाव

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू कंपनियों का तिमाही रिपोर्ट कार्ड, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा, घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। यदि विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध रूप से लिवाल रहते हैं, तो इससे बाजार की तेजी को और समर्थन मिल सकता है।

मीणा ने कहा, हालांकि भू-राजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन उनका बाजार के कुल रुझान पर सीमित प्रभाव पड़ा है। वैश्विक बाजारों का जुझारूपन इस सकारात्मक धारणा को कायम रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद की जाएगी।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक घटनाक्रम, एफआईआई के साथ घरेलू संस्थागत निवेशकों का रुख, कच्चे तेल का भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, इजराइल-हमास संघर्ष और दूसरी तिमाही के नतीजे इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इन कंपनियों के आएंगे रिजल्स

नंदा ने बताया कि आगामी दिनों में कुछ बड़ी कंपनियां मसलन एचपीसीएल, एनएचपीसी, आईआरसीटीसी, पावर ग्रिड, टाटा पावर, अशोक लेलैंड, कोल इंडिया, हिंडाल्को, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा केमिकल्स अपनी तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी।

पिछले हफ्ते रही थी बढ़त

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 580.98 अंक या 0.91 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 183.35 अंक या 0.96 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स शुक्रवार को 282.88 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 64,363.78 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 97.35 अंक या 0.51 प्रतिशत के लाभ के साथ 19,230.60 अंक पर पहुंच गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, मजबूत वैश्विक संकेतक, स्थिर वृहद आर्थिक आंकड़े और घरेलू कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार मजबूत हुआ है। इसके अलावा फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने का संकेत तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

खंडवा , एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2023 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार कट-ऑफ तिथियाँ निम्नलिखित हैं- पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को तूफ़ान, ओलावृष्टि, बाढ़, तूफ़ानी बारिश, बेमौसम बारिश, बादल फटने, प्राकृतिक कारणों से लगी आग जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुक़सान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि सीसीई में फसल के कम आँकड़े पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल की पैदावार कम हुई है, जिसके लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पादों को मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदन मिला है। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों के किसान ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के तहत बीमा कवर का लाभ अपने जिले में अपने बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट्स से संपर्क करके प्राप्त कर सकते हैं। बीमा कवर प्राप्त करने की अंतिम तिथि का वर्णन एवं अन्य विवरण कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

इस बार वर्ल्ड डायबिटीज डे पर मुट्ठीभर बादाम से पाएं राहत!

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड डायबिटीज डे 14 नवंबर, 2023 को मनाया जाता है, इसलिए इस बढ़ती महामारी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। खासकर, भारत खुद को इस महामारी के केंद्र में पाता है, जिसे पूरी दुनिया में 'डायबिटीज कैपिटल' का खिताब मिला हुआ है। इस साल, वर्ल्ड डायबिटीज डे के मौके पर टाइटप 2 डायबिटीज के खतरे को समझने के महत्व पर जोर दिया गया है। इसका लक्ष्य इस समस्या से बचाव या देरी करना है। ऐसे में, पाया गया है कि नियमित रूप से बादाम का सेवन करने से प्रीडायबिटीज को पलटा जा सकता है। हाल के अध्ययनों 3,4 में पाया गया है कि खाना खाने के 30 मिनट पहले 20 ग्राम बादाम खाने से ब्लड शुगर का स्तर बेहतर हो सकता है। यह भी देखने को मिला है कि 23.3 त्न (30 में से 7) प्रीडायबिटिक मरीज, खाने से पहले 20 ग्राम बादाम का सेवन कर लें तो ब्लड शुगर का स्तर सामान्य हो जाता है। वहीं, दूसरे अध्ययन5 में पाया गया कि 12 हफ्तों तक रोजाना बादाम खाने से इंसुलिन की प्रतिरोधकता, फास्टिंग ग्लूकोज कम होता है और पैनक्रियाटिक कार्यप्रणाली में सुधार होता है। इसके साथ ही रोजाना, बादाम खाने से वजन कम होता है, बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) में कमी आती है, कमर की चौड़ाई कम होती है और कुल कोलेस्ट्रॉल कम होता है। बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और इसमें प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, गुड फैट्स, विटामिन ई, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसके परिणामस्वरूप, प्रीडायबिटिक के लिए यह एक अच्छा स्नैक है। सही मायने में, बादाम की अच्छाइयों को कम नहीं आंका जा सकता।

मदर डेयरी पर प्याज बिक रहा 25 रुपये किलो

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने शनिवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी के सफल बिक्री केंद्र पर 25 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से प्याज मिलेगा। प्याज की बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए यह कदम उठाया गया है। हैदराबाद कृषि सहकारी संघ तेलंगाना और अन्य दक्षिणी राज्यों में ऐसी ही पहल संचालित कर रही है। सहकारी निकाय एनसीसीएफ और नेफेड पहले ही केंद्र सरकार की ओर से रियायती दर पर बफर प्याज की खुदरा बिक्री कर रहे हैं।

नेफेड ने अब तक 21 राज्यों के 55 शहरों में मोबाइल वैन और स्टेशन आउटलेट सहित 329 खुदरा केंद्र स्थापित किए हैं। दूसरी ओर एनसीसीएफ ने 20 राज्यों के 54 शहरों में 457 खुदरा केंद्र स्थापित किए हैं। केंद्रीय भंडार ने भी तीन नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में अपने आउटलेट से प्याज की खुदरा आपूर्ति शुरू कर दी है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सफल मदर डेयरी में इस सप्ताहांत से बफर

प्याज की बिक्री शुरू होगी। तेलंगाना और अन्य दक्षिणी राज्यों में उपभोक्ताओं को प्याज की खुदरा बिक्री हैदराबाद कृषि सहकारी संघ (एचएसीए) कर रही है। मंत्रालय ने खरीफ फसल की आवक में देरी के कारण प्याज की कीमतों में हालिया वृद्धि से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बफर स्टॉक से प्याज की खुदरा बिक्री शुरू की है। सरकार ने चालू वर्ष के लिए पांच लाख टन प्याज का बफर स्टॉक बनाए रखा है और अतिरिक्त दो लाख टन का बफर बनाने की योजना है। सरकार के इन कदमों से प्याज की थोक कीमतों में गिरावट का रुख दिख रहा है, लेकिन खुदरा बाजारों में इसका असर दिखने में समय लग रहा है। मंत्रालय ने कहा, खुदरा कीमतों में आने वाले सप्ताह में इसी तरह की गिरावट की उम्मीद है। इसके अलावा सरकार ने आम घरों में दाल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती कीमत पर भारत दाल पेश की है। भारत दाल को नेफेड, एनसीसीएफ, केंद्रीय भंडार, सफल और तेलंगाना तथा महाराष्ट्र में राज्य नियंत्रित सहकारी समितियों के जरिए उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा रहा है।

दिवाली से पहले मचेगा धमाल! आ रहे 4 आईपीओ, मामाअर्थ समेत 8 की होगी लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ में पैसा लगा मुनाफा कमाने वालों के लिए अच्छी खबर है। इस हफ्ते 4 आईपीओ मार्केट में आ रहे हैं। वहीं, 8 शेयरों की स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग भी होगी। इस तरह दिवाली से पहले बाजार में पैसा कमाने के अच्छे मौके बन सकते हैं। इस हफ्ते प्रोटीन ईगोव टेक्नोलॉजीज और एएसके ऑटोमोटिव का आईपीओ भी बाजार में आ रहा है। ये आईपीओ कुल 1,324 करोड़ रुपये मार्केट से जुटाएंगे। वहीं, लिस्टिंग की बात करें, तो इस हफ्ते सेलो वर्ल्ड और मामाअर्थ का शेयर भी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होगा।

इस आईपीओ में 7 नवंबर से 9 नवंबर तक बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 268 से 282 रुपये प्रति इक्विटी शेयर है। यह आईपीओ 834 करोड़ रुपये का है। एएसके ऑटोमोटिव ब्रेक-शू और एडवांस्ड ब्रेकिंग सिस्टम में एक बड़ी कंपनी है। दो-पहिया वाहनों के लिए ब्रेक-शू और एडवांस्ड ब्रेकिंग सिस्टम के मार्केट की 50 फीसदी बाजार हिस्सेदारी एएसके के पास है। कंपनी के क्लाइंट्स में हीरो मोटोकॉर्प, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया शामिल हैं। आईपीओ में 15 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। 17 नवंबर को शेयर डीमैट खाते में क्रेडिट होंगे। इसके बाद 20 नवंबर को एएसके ऑटो के शेयर स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होंगे।

प्रोटीन ईगोव टेक्नोलॉजीज आईपीओ निवेशकों के लिए 6 नवंबर को खुल रहा है। इसमें आप 8 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। आईपीओ में प्राइस बैंड 752 से 792 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 490 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 16 नवंबर को होगी।

इन शेयरों की होगी लिस्टिंग

इस हफ्ते 8 शेयरों की स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग होगी। सेलो वर्ल्ड के शेयर 6 नवंबर को लिस्ट होंगे। इसके बाद मामाअर्थ के शेयर 10 नवंबर को लिस्ट होंगे। इस आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 7 नवंबर को होगा। केके शाह हॉस्पिटल का शेयर 8 नवंबर को लिस्ट होगा।

मुश्किलों में घिरी बायजू को फिर हुआ 2250 करोड़ रुपये का घाटा, कर्ज संकट गहराया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शिक्षा स्टार्टअप बायजू को एक बार फिर से बड़ा घाटा हुआ है। ऐसे में पहले ही 1.2 अरब डॉलर के कर्ज में फंसी कंपनी की चुनौतियां बढ़ गई हैं। बंगलूरू स्थित ऑनलाइन शिक्षा देने वाली कंपनी बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट है, जिसने मार्च 2022 में वित्तीय वर्ष के अंत में 2250 करोड़ रुपये का घाटा दर्शाया है। हालांकि कंपनी की आय बढ़कर दोगुनी यानी कि 35.7 अरब रुपये हो गई है। एक समय भारत में स्टार्टअप कल्चर की अग्रणी कंपनी होकर उभरी बायजू कोरोना महामारी के दौरान खूब मजबूत हुई लेकिन कोरोना महामारी के बाद के दौर में कंपनी को काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल कॉलेज बंद थे तो कंपनी ने खूब निवेश किया। इस दौरान कंपनी को खूब निवेश भी मिला लेकिन जैसे ही कोरोना महामारी के बाद स्कूल कॉलेज खुले तो कंपनी की ग्रोथ भी धीमी हो गई। कंपनी पर 1.2 अरब डॉलर का कर्ज है और लेनदारों से कंपनी का विवाद भी चल रहा है। वित्तीय परिणाम दाखिल करने में देरी के चलते भी नियामक एजेंसी ने बायजू के खातों की जांच हुई, जिसके चलते कंपनी के ऑडिटर डेलॉयट एंड सेल्स को इस्तीफा देना पड़ा। अप्रैल में विदेशी मुद्रा विनियमन में धांधली के चलते कंपनी के बंगलूरू स्थित परिसरों में जांच एजेंसियों ने छापेमारी भी की। अमेरिका स्थित कई निवेशकों ने भी बायजू पर करीब 50 करोड़ डॉलर का फंड छिपाने का आरोप लगाया, जिसके चलते भी कंपनी कानूनी पचड़े में फंसी।

श्रीराम फाइनेंस के निवेशकों को मिलने वाली है अच्छी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते 6 महीने के दौरान श्रीराम फाइनेंस के शेयरों की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में आई तेजी की वजह से संभव है कि कंपनी आने वाले समय में निफ्टी-50 में अपनी जगह बना सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यूपीएल को इस लिस्ट से बाहर होना पड़ सकता है।

मार्च में मिल सकती एंट्री

ईटी से बातचीत के दौरान सिक्योरिटीज के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (अलटरनेटिव रिसर्च) श्री राम वेलायुद्धन ने बताया, हमारी अपनी स्टडीज के अनुसार निफ्टी 50 में श्रीराम फाइनेंस की जगह बन सकती है। हमें उम्मीद है कि कंपनी मार्च 2023 के सेमी एनुअल रिव्यू के दौरान यूपीएल को रिप्लेस कर सकती है। उम्मीद है कि इंडेक्स में बदलाव की घोषणा फरवरी 2024 के दूसरे हफ्ते में किया जा सकता है। वहीं, यह प्रभावी 29 मार्च 2024 से हो सकता है।

पिछला एक महीना कैसा रहा है

बीते 6 महीने में श्रीराम फाइनेंस के शेयरों की कीमतों में 52 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान निफ्टी इंडेक्स 6 प्रतिशत बढ़ा है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर का भाव 2.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 2007.55 रुपये के लेवल पर पहुंचकर बंद हुआ था। बता दें, पिछले एक महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 8 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

एफपीआई ने नवंबर के तीन कारोबारी सत्रों में शेयरों से 3,400 करोड़ रुपए निकाले

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला नवंबर में भी जारी है। पश्चिम-एशिया में तनाव तथा बढ़ती ब्याज दरों के बीच एफपीआई ने नवंबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों से 3,400 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की है। इससे पहले एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजारों से 24,548 करोड़ रुपए और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपए निकाले थे। एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह माह के दौरान लगातार शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपए डाले थे।

हालांकि, आगे चलकर एफपीआई का बिकवाली का सिलसिला थम सकता है, क्योंकि

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के नरम रुख की वजह से बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी थमी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पावेल की नरम टिप्पणी के बाद बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी का रुख पलट गया है। बाजार ने उनकी इस टिप्पणी की व्याख्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी के सिलसिले पर रोक के रूप में की है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से तीन नवंबर के दौरान 3,412 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। सितंबर की शुरुआत से एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक एवं प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''इजराइल-हमास संघर्ष और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की वजह से एफपीआई बिकवाल रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा परिदृश्य में एफपीआई निवेश के अधिक सुरक्षित विकल्प सोने और अमेरिकी डॉलर की ओर रुख कर सकते हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,984 करोड़ रुपए डाले हैं। इससे पहले अक्टूबर में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में 6,381 करोड़ रुपए डाले थे। इस तरह चालू साल में शेयरों में एफपीआई का निवेश अबतक 92,560 करोड़ रुपए रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 34,485 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

बोनस शेयर देने जा रही है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। बोनस शेयर पर दांव लगाने वाले निवेशक डी पी वायर्स लिमिटेड ने दिवाली से पहले बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने निवेशकों के लिए बोनस शेयर का ऐलान किया है। योग्य निवेशकों को 1 बोनस शेयर मिलेगा। डी पी वायर्स लिमिटेड ने बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट भी ऐलान कर दिया है। एक्स-बोनस डेट इसी हफ्ते है। 29 सितंबर को डी पी वायर्स लिमिटेड की तरफ से दी जानकारी के अनुसार बोर्ड मीटिंग में बोनस शेयर का ऐलान किया गया था। कंपनी ने 7 बोनस शेयर पर 1 बोनस शेयर देने का फैसला किया है। वहीं, 26 अक्टूबर 2023 की मीटिंग में 8 नवंबर 2023 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिस किसी का निवेशक का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उसे ही बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। शुक्रवार को कंपनी के एक शेयर का भाव 664.40 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 60 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 1 साल पहले खरीद कर होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 50 प्रतिशत से अधिक का मुनाफा हो गया है। कंपनी का 52 वीक हाई 724.95 रुपये और 52 वीक लो 330.30 रुपये प्रति शेयर है।

कंपनियों के तिमाही रिपोर्ट-कार्ड, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू कंपनियों का तिमाही रिपोर्ट कार्ड, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। यदि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध रूप से लिवाल रहते हैं, तो इससे बाजार की तेजी को और समर्थन मिल सकता है। मीणा ने कहा, ''हालांकि भू-राजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं लेकिन उनका बाजार के कुल रुझान पर सीमित प्रभाव पड़ा है।

वैश्विक बाजारों का जुझारूपन इस सकारात्मक धारणा को कायम रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। वृहद आर्थिक मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों की घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद की जाएगी। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, ''वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक घटनाक्रम, एफआईआई के साथ घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख, कच्चे तेल का भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, इजराइल-हमास संघर्ष और दूसरी तिमाही के नतीजे इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नंदा ने बताया कि आगामी दिनों में कुछ बड़ी कंपनियां मसलन एचपीसीएल, एनएचपीसी, आईआरसीटीसी, पावर ग्रिड, टाटा पावर, अशोक लेलैंड, कोल इंडिया, हिंडाल्को, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा केमिकल्स अपनी तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 580.98 अंक या 0.91 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 183.35 अंक या 0.96 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स शुक्रवार को 282.88 अंक या 0.44 प्रतिशत चढ़कर 64,363.78 अंक पर बंद हुआ।

किसानों के खाते में भेजे जाएंगे 2000 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। 15वीं किस्त का इंतजार कर रहे किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के लिए अच्छी खबर है। मोदी सरकार पीएम किसान के लाभार्थियों को इसी महीने 15वीं किस्त जारी कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त नवंबर महीने के अंत तक ही जारी कर दी जाएगी। बता दें कि पीएम किसान के लाभार्थियों को 6,000 रुपये का सालाना नकद लाभ दिया जाता है, जो 2,000 रुपये की तीन किस्तों में दिए जाते हैं। 14वीं किस्त 27 जुलाई को जारी की गई थी। अगर आपको पीएम किसान योजना से रिलेटेड किसी तरह की कोई समस्या आ रही है तो आप किसान ईमेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं।

लगातार हार निराशाजनक, आस्ट्रेलिया से मैच गंवाकर पर बोले जोस बटलर

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने कहा कि विश्व कप में लचर प्रदर्शन और उनकी खराब फॉर्म निराशाजनक है लेकिन उनका या टीम का विश्वास नहीं डिगा है। पिछली बार का चैंपियन इंग्लैंड शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों से 33 रन से हार के साथ ही वर्तमान विश्व कप में सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया है। यह उसकी सात मैच में छठी हार थी।

बटलर ने ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि हमारा विश्वास डिगा है लेकिन निराशा निश्चित तौर पर बढ़ी है। हमारे पास शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के पास बेहद कुशल और अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद उसकी टीम विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसको सबसे अधिक निराशा कप्तान बटलर के लगातार नाकामी की वजह से मिली।

बटलर ने कहा, 'मेरा अपने खेल पर विश्वास पहले की तरह ही है जिसका मतलब है कि इतनी अधिक निराशा क्यों है। टूर्नामेंट में आकर मैंने महसूस किया कि मैं शानदार फॉर्म में हूं, मैं हमेशा की तरह अच्छी फॉर्म में हूं। इसलिए टूर्नामेंट में इस तरह का खराब प्रदर्शन निश्चित तौर पर निराशाजनक है लेकिन इससे हमारा विश्वास नहीं डिगा है। उन्होंने कहा, 'अगर मैं खुद पर विश्वास करना बंद कर दूं तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ऐसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि कप्तानी के बोझ का बल्लेबाजी में उनकी असफलता से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'नहीं मैं ऐसा नहीं कहूंगा। यह ऐसी जिम्मेदारी है जिसका मैंने इस टूर्नामेंट से पहले टी20 और वनडे क्रिकेट में पूरा आनंद लिया है। मुझे लगता है कि इससे मेरी बल्लेबाजी में निखार आया है, इसलिए इस तरह का प्रदर्शन निराशाजनक है।

बटलर ने कहा, 'मैं इसके लिए कोई एक कारण नहीं बता सकता कि मैं उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने भारत में बहुत अधिक क्रिकेट खेली है और आईपीएल में भी काफी क्रिकेट खेली है इसलिए ऐसा नहीं है कि मैं परिस्थितियों को नहीं समझता। लेकिन निश्चित तौर पर मैं कप्तान के रूप में आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहता हूं।

वर्ल्ड कप 2023: प्रदूषण के कारण श्रीलंका और बांग्लादेश मैच पर छाए अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के कारण श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच सोमवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं और यह देखना होगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है या मैच को। जहरीली धुंध ने राष्ट्रीय राजधानी को अपने आगोश में ले रखा है जिससे दोनों टीमों को कम से कम एक बार अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा था क्योंकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना हुआ है।

श्रीलंका ने शनिवार को अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था लेकिन बांग्लादेश के खिलाड़ी मास्क पहनकर फिरोजशाह कोटला में शाम को अभ्यास के लिए पहुंचे थे। बांग्लादेश ने इससे पहले शुक्रवार को प्रदूषण के कारण अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था। गुरुवार से ही एक्यूआई 400 से ऊपर बना है तथा वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार मंगलवार तक इसके 'गंभीर' बने रहने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार रविवार सुबह एक्यूआई 457 रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि मैच के बारे में फैसला मैच वाले दिन ही किया जाएगा जब सोमवार को मैच अधिकारी वायु गुणवत्ता की जांच करेंगे। आईसीसी के खेल की परिस्थितियों से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के अनुसार, 'अगर किसी भी समय अंपायर इस बात पर सहमत होते हैं कि मैदान, मौसम या रोशनी या कोई अन्य परिस्थितियां खतरनाक या अनुचित हैं, तो वे तुरंत खेल को निलंबित कर देंगे या

खेल शुरू करने या फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं देंगे।

दोनों टीम का इस तरह की परिस्थितियों से पहले भी सामना हो चुका है। श्रीलंका के खिलाड़ियों ने 2017 में टेस्ट मैच में मास्क पहनकर हिस्सा लिया था जबकि बांग्लादेश के क्रिकेटरों ने 2019 में टी20 मैच में ऐसा किया था। श्रीलंका के खिलाड़ियों को तब सांस संबंधी परेशानियां हुई थी जबकि कुछ खिलाड़ियों ने ड्रेसिंग रूम में उल्टियां भी की थी। अगर मुकाबले की बात करें तो बांग्लादेश पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है जबकि श्रीलंका की धुंधली उम्मीद बची हुई है।

बांग्लादेश की टीम 10 टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है और वह प्रतिष्ठा की खातिर इस मैच में उतरेगी। श्रीलंका की टीम सातवें स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस स्थान पर बने रहकर पाकिस्तान में 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करना होगा। इन दोनों देशों के बीच अभी तक जो 53 वनडे खेले गए हैं उनमें से श्रीलंका ने 42 में जीत दर्ज की है जबकि 9 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने हालांकि विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में श्रीलंका को हराया था और उसकी टीम उससे प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी।

श्रीलंका की टीम भारत के हाथों 302 रन से करारी हार झेलने के बाद इस मैच में उतरेगी। भारत ने उसे केवल 55 रन पर ढेर कर दिया था। श्रीलंका की टीम खिलाड़ियों की चोटिल होने की समस्या से जूझ रही है लेकिन इस दौरान उसकी कई कमजोरियां खुलकर सामने आई है जिनका बांग्लादेश पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। सदीरा समरविक्रमा श्रीलंका के लिए टूर्नामेंट की खोज रहे हैं। उनके अलावा पाथुम निसांका और कप्तान कुसल मेंडिस ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

गेंदबाजी में श्रीलंका के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन भी उतार चढ़ाव वाला रहा है जबकि स्पिन विभाग से टीम को निराशा हाथ लगी है। बांग्लादेश को टूर्नामेंट में अभी तक उसके खिलाड़ियों ने निराश ही किया है। उसके प्रमुख खिलाड़ी नहीं चल पा रहे हैं जिसके कारण टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश ने अभी तक अपनी एकमात्र जीत अफगानिस्तान के खिलाफ दर्ज की है।

टीम इस प्रकार हैं

बांग्लादेश -शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो (उपकप्तान), तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), महमुदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद , मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब

श्रीलंका - कुसल मेंडिस (कप्तान और विकेटकीपर), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, कसुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने

समय - दोपहर 2,00 बजे से।

मैंने जितने भी वनडे खेले हैं, उनमें यह मैच सबसे अधिक संतोषजनक : एडम जम्पा

अहमदाबाद (एजेंसी)। बेहतरीन गेंदबाजी और निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उपयोगी योगदान देने वाले ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच को अपने लिए अभी तक का सबसे संतोषजनक वनडे करार दिया। जम्पा ने 19 गेंद पर 29 रन बनाने के बाद 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट भी लिए। इसके अलावा उन्होंने डेविड विली का दौड़ लगाकर शानदार कैच भी लिया।

इस लेग स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 33 रन की जीत के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैंने अभी तक जितने भी वनडे मैच खेले हैं उनमें इस मैच का प्रदर्शन सबसे अधिक संतोषजनक रहा। उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजी में योगदान देकर वास्तव में मुझे अच्छा लगा। मैं और मिशेल स्टार्क पारी को लंबा खींचने पर बात कर रहे थे और हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक था।

जम्पा ने कहा, 'बल्लेबाजी में योगदान और उसके बाद एक बहुत अच्छा कैच लपकना शानदार रहा। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे विश्व में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक नहीं माना जाता है लेकिन इस पर काम करना संतोषजनक रहा जिसके कारण मुझे इस तरह के परिणाम मिले। इसलिए मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं।

जन्मदिन पर विराट कोहली का धमाका

सचिन के 49 शतकों की बराबरी, 277 पारी में पूरा किया कीर्तिमान

साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 327 रन का टारगेट

कोलकाता (एजेंसी)। वर्ल्ड कप की टेबल टॉपर भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। विराट कोहली के 49वें शतक के दम पर भारत ने वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 327 रन का टारगेट दिया था। टीम ने कोलकाता में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर 326 रन बनाए थे विराट कोहली ने 121 बॉल पर नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी खेली। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के वनडे में सबसे ज्यादा शतक के वर्ल्ड की रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली बर्थडे पर वर्ल्ड कप सेंचुरी जमाने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बने हैं।

सबसे ज्यादा ओपनिंग रन एक साल में

इस साल यानी 2023 में अब तक भारत ने वनडे में ओपनिंग विकेट के लिए 2019 रन बनाए हैं। इसमें रोहित-शुभमन के योगदान के अलावा ईशान किशन समेत अन्य बल्लेबाजों का भी योगदान है। यह किसी एक साल में ओपनिंग विकेट के लिए भारत की ओर से बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले 1998 में भारत की ओर से वनडे में ओपनिंग विकेट के लिए 2002 रन बने थे। वहीं, साल 2002 में 1702 रन बने थे।

दूसरा सबसे तेज 50 रन

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित-शुभमन ने तूफानी शुरुआत दिलाई। भारत ने 4.3 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए थे। यह इस विश्व कप में किसी टीम द्वारा दूसरा सबसे तेज 50 रन पूरे करने का रिकॉर्ड है। भारत से आगे ऑस्ट्रेलिया है, जिसने न्यूजीलैंड के खिलाफ धर्मशाला में 4.1 ओवर में 50 रन पूरे किए थे। रोहित ने 24 गेंद में 40 रन की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने छह चौके और दो छक्के लगाए। उन्हें कगिसो रबाडा ने तेम्बा बावुमा के हाथों कैच कराया।

रबाडा ने हिटमैन को आउट कर बनाया रिकॉर्ड

इसी के साथ रबाडा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित

को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर रोहित को 12 बार आउट किया है। दूसरे नंबर पर 11 बार के साथ टिम साउदी हैं। वहीं, एंजेलो मैथ्यूज 10 बार के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाथन लियोन ने रोहित को नौ बार और ट्रेंट बोल्ट ने रोहित को आठ बार आउट किया है।

यानसेन को पहले पावरप्ले में कोई विकेट नहीं

दक्षिण अफ्रीके के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन पहले पावरप्ले यानी शुरुआती 10 ओवर में कोई विकेट नहीं ले पाए। इस विश्व कप में यह पहली बार है जब यानसेन शुरुआती 10 ओवर में कोई विकेट नहीं ले पाए हों। यानसेन इस विश्व कप में अब तक सात मैचों में 16 विकेट ले चुके हैं।विराट कोहली ने जन्मदिन पर अर्धशतक लगाया। वह वनडे में बर्थडे पर 50+ का स्कोर बनाने वाले छठे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली, नवजोत सिंह सिद्धू, ईशान किशन, यूसुफ पठान ऐसा कर चुके हैं।

भारत के लिए जन्मदिन पर वनडे 50+ का स्कोर करने वाले खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर (134) बनाम ऑस्ट्रेलिया, शारजाह, 1998 (25वां जन्मदिन)
विनोद कांबली (100*) बनाम इंग्लैंड, जयपुर, 1993 (21वां जन्मदिन)
नवजोत सिंह सिधू (65*) बनाम वेस्टइंडीज, मुंबई, 1994 (31वां जन्मदिन)
ईशान किशन (59) बनाम श्रीलंका, कोलंबो, 2021 (23वां जन्मदिन)
वाई पठान (50*) बनाम इंग्लैंड, इंदौर, 2008 (26वां जन्मदिन)
विराट कोहली (50*) बनाम दक्षिण अफ्रीका, कोलकाता, 2023 (35वां जन्मदिन)

विश्व कप के टिकटों की कालाबाजारी का मामला

कोलकाता (एजेंसी)। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को यहां चल रहे विश्व कप क्रिकेट मुकाबले की टिकटों की कालाबाजारी के आरोपों के बीच कोलकाता पुलिस ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस जारी कर मुकाबले के टिकटों की बिक्री के बारे में जानकारी मांगी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम जारी किए गए नोटिस में बीसीसीआई अध्यक्ष से मैदान पुलिस थाने के अधिकारी को दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है जो टिकटों की कालाबाजारी के संबंध में शिकायतों की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने मीडिया से कहा, बीसीसीआई अध्यक्ष को एक नोटिस भेजा गया है जिसमें उनसे व्यक्तिगत या अपने संगठन के किसी सक्षम व्यक्ति के माध्यम से टिकटों की बिक्री के संबंध में प्रासंगिक दस्तावेज मांगे गए हैं। इन दस्तावेजों को मंगलवार को काम के घंटों के दौरान मैदान पुलिस थाने के जांच अधिकारी को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। कोलकाता पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी को लेकर अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 108 टिकट जब्त हुए। इस कड़ी में सात मामले भी दर्ज किए गए हैं।

कोहली महान खिलाड़ी, इस पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मानदंड स्थापित किए: द्रविड़

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने रविवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया। विराट कोहली को खेल का महान खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने उनकी पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए मानक स्थापित किये हैं। भारत के पूर्व कप्तान कोहली ने खेल के सभी प्रारूपों में अनगिनत रिकॉर्ड बनाए हैं और ऐसा करना जारी रखा है। वह मौजूदा विश्व कप में शानदार लय में है।

द्रविड़ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, 'विराट खेल के दिग्गज हैं, खासकर क्रिकेट के इस प्रारूप (वनडे) में। मुझे लगता है कि खेल के सभी प्रारूप में वह जिस तरह से मैच को खत्म करते हैं वह उन्हें विशेष बनाता है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रदर्शन ने संभवत- अपनी पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए एक मानक स्थापित किया है।

अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने माना कि

कोहली ने भारतीय क्रिकेट में सोचने के तरीके और खिलाड़ियों की मानसिकता बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'कोहली ने भारतीय क्रिकेट के बारे में सोचने के तरीके को बदल दिया है। उन्होंने बल्लेबाज के लिए खेल को समझने और तैयारी करने के अंदाज को बदल दिया।

युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने रनों के लिए कोहली की भूख और जुनून की सराहना की और कहा, 'खेल के प्रति उनका रवैया और जुनून अद्वितीय है। मैंने किसी को भी विराट कोहली जितना जुनूनी नहीं देखा।

मौजूदा दौर के खिलाड़ियों में उनके नाम सबसे सबसे ज्यादा रन है। वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मौजूदा विश्व कप में कोहली के नाम सात मैचों (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले) में 88.40 के औसत से 442 रन दर्ज हैं।

रूबलेव को हराकर पेरिस मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे जोकोविच

पेरिस (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच रोलेक्स पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में आंद्रे रुबलेव पर 5-7, 7-6 (3), 7-5 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंच गए है। शनिवार को यहां खेले गये सेमीफाइनल मुकाबले में टेनिस में एक नंबर रैंकिंग वाले जोकोविच ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपने करियर के रिकॉर्ड-विस्तारित 58वें मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंच गए है। वह अब रिकॉर्ड-विस्तारित 40वें मास्टर्स 1000 खिताब से एक जीत दूर हैं।

जोकोविच की इस वर्ष की यह 50वीं जीत है। वह एक ही वर्ष में 50 या अधिक मैच जीते का कारनामा 14 बार कर चुके है। वह ओपन में 14 अलग-अलग सत्र में 50 या अधिक मैच जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं और जिमी कॉनर्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जोकोविच ने वर्ष 2007 में (68), 2008 में (64), 2009 में (78), 2010 में (61), 2011 में (70), 2012 में (75), 2013 में (74), 2014 में (61), 2015 में (82), 2016 में (65), 2018 में (53), 2019 में (57) और 2021 (55) जीत दर्ज की थी। जोकोविच अब अपने सातवें रोलेक्स पेरिस मास्टर्स खिताब से एक जीत दूर हैं।

टूर्नामेंट के इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने इसे तीन से अधिक बार यह खिताब नहीं जीता है। जबकि जोकोविच छह बार रोलेक्स पेरिस मास्टर्स खिताब जीत चुके है। इसी के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ जीत प्रतिशत के मामले में राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया है।

पाकिस्तान कैसे पहुंच सकता है सेमीफाइनल में, सीधा समीकरण आया सामने

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड को बेंगलुरु के मैदान पर हराकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए क्रिकेट विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के पहले खेलते हुए 401 रन बनाने के बावजूद पाकिस्तान ने फखर जमां के शतक और बाबर आजम के अर्धशतक की बदौलत मुंहतोड़ जवाब दिया था। बहरहाल, पाकिस्तन और न्यूजीलैंड दोनों के प्वाइंट टेबल में 8-8 मैच हो चुके हैं। दोनों टीमें 4-4 जीत और 4-4 हार के साथ क्रमश- चौथे और 5वें स्थान पर बनी हुई है। न्यूजीलैंड को सिर्फ +0.398 नेट रन रेट का फायदा मिल रहा है जबकि पाकिस्तान की नेट रन रेट +0.036 चल रही है।

ऐसे पाकिस्तान के बनेंगे चांस

पाकिस्तान का अब आगामी मुकाबला इंगलैंड के खिलाफ 11 नवंबर के होना है। उससे पहले न्यूजीलैंड की टीम 9 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ भिड़ेगी। अगर पाकिस्तान को क्वालिफाई करना है तो उन्हें न्यूजीलैंड की जीत से 130 रन ज्यादा से जीतना होगा। उदाहरण के लिए अगर न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका से 50 रन से जीत जाती है तो पाकिस्तान को इंगलैंड को 180 रन से हराना जरूरी होगा। अगर ऐसा होता है तो वह बेहतर नेट रन रेट के साथ सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

अफगानिस्तान से बचकर रहना होगा

पाकिस्तान की सेमीफाइनल की रेस में उनके सामने अफगनिस्तान और श्रीलंका आड़े हैं। पाकिस्तान के इंगलैंड के खिलाफ जीतने के बाद भी

सीधा सेमीफाइनल खेलने को लेकर पेंच है। फिलहाल अफगानिस्तान 7 मैचों में 4 जीत के साथ प्वाइंट टेबल में छठे स्थान पर हैं। उनके दो आगामी मुकाबले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से है। अगर वह दोनों में से एक भी जीत गया तो पाकिस्तान के लिए मुसीबत खड़ी हो जाएगी। इसलिए अगर अफगानिस्तान दोनों मैच हारा तो ही पाकिस्तान आगे जा पाएगी। इसके अलावा पाकिस्तान को श्रीलंका से उम्मीद करनी होगी कि वह न्यूजीलैंड को हरा दें। इससे पाकिस्तान सेमीफाइनल की रेस में आगे हो जाएगा।

पाकिस्तान का क्रिकेट विश्व कप में प्रदर्शन
जीत - नीदरलैंड को 81 रन से हराया
जीत - श्रीलंका को 6 विकेट से हराया
हार -भारत को 7 विकेट से हारा
हार - ऑस्ट्रेलिया से 62 रन से हारा
हार - अफगानिस्तान से 8 विकेट से हारा
हार - दक्षिण अफ्रीका से 1 विकेट से हारा
जीत - बांग्लादेश से 7 विकेट से जीता
जीत - न्यूजीलैंड से 21 रन से जीते
आगामी मुकाबला - इंगलैंड (11 नवंबर)

पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद लगा झटका, खिलाड़ियों पर लगा जुर्माना

बेंगलुरु (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को यहां खेले गए विश्व कप के लीग मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 21 रन से जीत दर्ज करके विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा, 'एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने पाया कि बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए हैं इसके बाद उन्होंने टीम के खिलाड़ियों पर यह जुर्माना लगाया।

खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए धीमी ओवर गति से जुड़े आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार अगर कोई टीम निर्धारित समय में तय ओवर पूरा नहीं कर पाती है तो उसके खिलाड़ियों पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा।

बाबर ने अपनी टीम का अपराध और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया है, इसलिए इस मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मैदानी अंपायर पॉल विल्सन और रिचर्ड केटलबोरो, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर जोएल विल्सन ने पाकिस्तान पर धीमी ओवर गति का आरोप लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

एल्विश यादव ने उतारी थी महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे के आवास में आरती

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में शिवसेना नेता संजय राउत ने एल्विश यादव और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर सवाल उठाया है। यूबीटी गुट के नेता ने शनिवार को कहाकि एल्विश यादव एकनाथ शिंदे के घर आए। उन्होंने गणपति पर आरती उतारी। आखिर यह गठबंधन क्या है? राउत ने कहा कि जो व्यक्ति देश का एक बड़ा ड्रग माफिया है। जो सांपों का जहर बेचता है, मुख्यमंत्री के घर आता है। वहां पर उसका गर्मजोशी से स्वागत होता है और वह गणेश की आरती उतारता है। संजय राउत ने आगे पूछा है कि क्या मुख्यमंत्री को इंटेलीजेंस सूचना नहीं होती कि उनके घर कौन आ रहा है? क्या महाराष्ट्र में ड्रग रैकेट मुख्यमंत्री के संरक्षण में चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि बिगबॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विश यादव रेव पार्टी में सांपों का जहर सप्लाई करने को लेकर पुलिस के राडार पर है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करके पुलिस तलाश में जुटी हुई है। उधर महाराष्ट्र कांग्रेस नेता अतुल लोंधे ने भी शुक्रवार को यही मामला उठाया था। उन्होंने कहा था कि क्या मुख्यमंती आवास अब अपराधियों के लिए पिकनिक स्पॉट है। एल्विश यादव जैसा यूट्यूबर जो कि रेव पार्टियों के आयोजन और सांपों का जहर सप्लाई करने का आरोपी है, उसे मुख्यमंत्री के बंगले पर पूजा के लिए बुलाया जाता है। अतुल लोंधे ने एल्विश की आरती करते हुए फोटो लगाकर यह बातें लिखीं। बता दें कि भाजपा सांसद मेनका गांधी के एनजीओ से मिली टिप के आधार पर नोएडा पुलिस ने शुक्रवार को पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह लोग सांप का जहर सप्लाई करने के रैकेट में शामिल हैं। इस एफआईआर में एल्विश यादव यादव का भी नाम दर्ज है। दूसरी तरफ एल्विश यादव ने भाजपा सांसद को आड़े हाथों लिया है। उसने जांच में सहयोग की बात करते हुए सभी तरह के आरोपों से इनकार किया है। फिलहाल पांचों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बसपा ने राजस्थान चुनाव के लिए 43 प्रत्याशियों की सूची जारी की

नईदिल्ली, एजेंसी। बसपा ने राजस्थान चुनाव के लिए 43 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। बीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने सूची जारी की है। जातीय समीकरणों का पूरा ध्यान रखा गया है। बसपा करीब 182 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। राज्य में 200 विधानसभा सीटों के लिए किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं किया है। अकेले ही मैदान में है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इस बार पार्टी से जीतने वाले विधायक दल नही बदलेंगे। बता दें 2018 में बसपा के 6 विधायक जीते थे लेकिन बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस पर मायावती ने गहलोत को जमकर निशाने पर लिया था। जारी सूची के अनुसार जैतारण से सरोज मेघवाल, सूरसागर से राजेंद्र सिंह, जोधपुर से सुनीता, श्रीगंगानगर से परमानंद, शेरगढ़ से जुझाराम, भीलवाड़ा से कल्पना रेनू, शिव से जयराम, पचपदरा से मुख्तियार अली, बायतु से छगनाराम, पाली से संदेश पंवार, मांडल से रामेश्वर जाट, मांडलगढ़ से बख्तावर, शाहपुरा से रमेश मेघवाल, सहाड़ा से कालू खां, आसींद से इंदिरा देवी चौधरी, जालौर से ओमप्रकाश चौहान, सांचौर से शमशेर अली सैयद, भीनमाल से कृष्ण कुमार देवासी, आहोर से मसराराम, रानीवाड़ा से लाखाराम चौधरी, हनुमानगढ़ से कैलाश, बिलाड़ा से श्यामलाल चौहान, लूणी से राजूराम को टिकट दिया है। इसी प्रकार ओसियां से श्याम नवीन, भोपालगढ़ से रणजीत चौहान, सरदारपुर से दलपत चौहान, पुष्कर से शहाबुद्दीन, अजमेर दक्षिण से हेमंत कुमार सोलंकी, नसीराबाद से मुकेश कुमार, लोहावट से भंवरलाल भील, फलोदी से हरिराम फुलवारिया, अजमेर उत्तर से सुशीला, किशनगढ़ से रामनिवास, ब्यावर से शिवानी, बाली से हेमंत कुमार, सुमेरपुर से जीवाराम राणा, छबड़ा से छीतरलाल, किशनगंज से रामदयाल मीणा, बारां-अटरू से सुरेश कुमार, निवाई से बाबूलाल सिंगारिया, बसेड़ी से दौलत सिंह, श्रीडूंगरगढ़ से राजेंद्र सिंह बापू, जैसलमेर में बसपा ने प्रत्याशी बदला, अब प्रहलाद राम को दिया जैसलमेर से टिकट दिया है।

लोकी सीजन2 में केसी की भूमिका निभाना 'एक अवसर और एक चुनौती' दोनों थाः चतुर्वेदी

नईदिल्ली, एजेंसी। डिज़्नी+ हॉटस्टार मार्वल स्टूडियोज़ के लोकी के नए सीज़न में दर्शकों को गॉड ऑफ़ मिसचीफ़ के साथ एक यादगार सफ़र पर ले जा रहा है। पहले सीज़न की शानदार सफलता के बाद, एक्ज़िक्यूटिव प्रोड्यूसर केविन आर. राइट ने एक बार फिर फैन्स के पसंदीदा किरदार लोकी में जान फूंक दी है, जिसका किरदार टॉम हिडलस्टन ने निभाया है। इस अत्यधिक अपेक्षित ओरिजनल लाइव-एक्शन सीरीज़ का निर्देशन जस्टिन बेन्सन और आरोन मूरहेड, डैन ड्लियू और कासरा फराहानी द्वारा किया गया है। दूसरा सीज़न हिंदी, इंग्लिश, तमिल और तेलुगु में डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसके एपिसोड हर हफ़्ते आते हैं। नए सीज़न के हिंदी डब में केसी को अपनी आवाज़ देने वाले भारतीय वॉइस कलाकार कमल चतुर्वेदी ने बताया कि इस किरदार के साथ कैसे उनका करीबी जुड़ाव है। उन्होंने कहा, लोकी सीज़न 2 एक बहुत ही रोमांचक प्रोजेक्ट था, जिससे जुड़ने का मुझे मौक़ा मिला। एमसीयू बहुत विशाल ब्रह्मांड है, और मुझे केसी का किरदार निभाने में मजा आया, जो विस्तार की ओर उन्मुख रहता है। इस किरदार को अपनी आवाज़ देना एक अवसर भी था और एक चुनौती भी। जहाँ एक तरफ़ मुझे एक समृद्ध और विस्तृत विरासत के वैश्विक प्रोजेक्ट में अपनी आवाज़ देनी थी, तो वहीं दूसरी ओर इसको सही करना भी मेरे लिए बहुत ज़रूरी था।

तेलंगाना कांग्रेस वॉर रूम पर पुलिस का छापा केसीआर सरकार का असली रंग दिखाता हैः कांग्रेस

हैदराबाद, एजेंसी।
पिछले महीने, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त को कांग्रेस का वॉर रूम में छापेमारी के दौरान दो कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कथित अवैध हिरासत की जांच करने का निर्देश दिया था। 13 दिसंबर, 2022 को पुलिस ने हैदराबाद में वॉर रूम पर छापा मारा और इशान शर्मा और सासांक तातिनेनी को हिरासत में लिया। पुलिस ने कुछ कंप्यूटर और हार्ड डिस्क भी जब्त कर ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां पोस्ट करने के आरोप में पार्टी के चुनाव रणनीतिकार सुनील कनुगोलू द्वारा संचालित वॉर रूम पर छापा मारा गया। पुलिस ने बाद में तस्वीरों में छेड़छाड़ कर मानहानिकारक वीडियो बनाने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 505-बी और 469 के तहत उनके खिलाफ साइबर क्राइम विंग द्वारा दर्ज मामले के संबंध में 41ए सीआरपीसी के तहत नोटिस जारी किया था।

कांग्रेस पार्टी ने आरोपों से इनकार किया। इसमें आरोप लगाया गया कि केसीआर सरकार ने विधानसभा चुनाव की तैयारी में पार्टी की रणनीति बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए स्थापित वॉर रूम को निशाना बनाया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह मामला उजागर करता है कि कैसे केसीआर सरकार अपने आलोचकों को निशाना बनाने के लिए निरंकुश तरीके से काम कर रही है।

कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने साइबर क्राइम टीम द्वारा अवैध रूप से हिरासत में लिए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं में से प्रत्येक के लिए 20 लाख रुपये के मुआवजे की मांग

करते हुए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि असहमति को दबाने और उनके शासन पर सवाल उठाने के लिए उन्हें दंडित करने के लिए मुख्यमंत्री के आदेश पर छापेमारी की गई। पार्टी ने इस मुद्दे को लोकसभा में भी उठाया था। केसीआर को दक्षिण भारतीय हिटलर कहते हुए, कांग्रेस सांसद और तेलंगाना के तत्कालीन एआईसीसी प्रभारी मनिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया था।

टैगोर ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केसीआर की बेटी के. कविता की कथित भूमिका पर कटाक्ष करते हुए एक पोस्ट भी ट्वीट किया था और पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि उनके विशेष पोस्ट के बाद पार्टी के वॉर रूम पर छापा मारा गया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने तेलंगाना गलाम नामक एक फेसबुक पेज के संबंध में एक शिकायत पर कार्रवाई की थी, इसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री और अन्य राजनेताओं सहित राजनीतिक हस्तियों से जुड़े उत्तेजक और हेरफेर किए गए वीडियो थे।

जून में, पुलिस ने तीन भाजपा नेताओं को गिरफ्तार किया और एक नाटक का आयोजन करके मुख्यमंत्री का अपमान करने के आरोप में पार्टी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय कुमार को नोटिस जारी किया। बीजेपी नेता जित्ता बालकृष्ण रेड्डी, रानी रुद्रम्मा और दारुवु येल्लान्ना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तेलंगाना स्थापना दिवस (2 जून) पर भाजपा की सांस्कृतिक टीम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से नफरत फैलाने वाले भाषण देने और नफरत फैलाने और हिंसा के लिए उकसाने के आरोप में हयातनगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के सोशल मीडिया संयोजक वाई.सतीश रेड्डी की शिकायत पर, पुलिस ने बालकृष्ण रेड्डी, राज्य भाजपा प्रमुख बंदी संजय और अन्य पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 114 (अपराध होने पर उकसाने वाला उपस्थित होना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान), 505(2) (सार्वजनिक उत्पात मचाने वाले, शत्रुता को बढ़ावा देने वाले बयान) के तहत मामला दर्ज किया।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आयोजकों ने लोगों को गुमराह करने और नफरत और अशांति भड़काने के इरादे से मुख्यमंत्री और सरकार के खिलाफ झूठे आरोप लगाकर सरकारी योजनाओं को बदनाम करने के लिए मंच का दुरुपयोग किया।

पुलिस ने अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि आयोजकों ने मुख्यमंत्री को शराबी, धोखेबाज आदि के रूप में चित्रित करते हुए अपमानजनक टिप्पणियां की और व्यक्तिगत हमले किए। इस प्रकार आरोपियों ने लोकतांत्रिक तरीकों से चुने गए और एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की छवि को कम करने की कोशिश की। विपक्षी दलों ने कहा है शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने के लिए अक्सर सरकार की आलोचना की। जब भी विपक्ष ने विरोध की योजना बनाई तो सरकार पर नजरबंदी का सहारा लेने का आरोप लगाया गया।

पत्रकार और यूट्यूब सामग्री निर्माता होने का दावा करने वाले कुछ व्यक्तियों को उनके प्लेटफार्मों पर चर्चा के दौरान केसीआर और उनकी सरकार की कथित रूप से आलोचना करने के लिए हिरासत में लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी नोटिस के उठाया गया और अवैध हिरासत में रखा गया। उनमें से कुछ ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके फोन भी ले लिए और उन्हें फॉर्मेट कर दिया।

तेलगू डिजिटल समाचार चैनल टॉलिवेलुगु के रिपोर्टर मुशम श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि उन्हें सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने पेट बशीराबाद में उनके कमरे से उठाया और 12 घंटे तक हिरासत में रखा। पुलिसकर्मियों ने उसका फोन ले लिया और उसे फॉर्मेट कर दिया। यह घटना 2021 में हुई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्हें हुजूराबाद उपचुनाव की कवरेज के लिए परेशान किया गया था, जो भाजपा ने जीता था।

ना लेफ्ट का साथ, ना कांग्रेस का हाथ; आईएनडीआईए से तय है ममता बनर्जी की विदाई?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए तैयार इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच टकराव साफ नजर आ रही है। सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के साथ किसी भी तरह से गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही बंगाल में अब इंडिया गठबंधन के तीनों दलों के लिए 2024 की लड़ाई से पहले साथ आना मुश्किल हो गया है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस पार्टी का एक धड़ा अगले साल होने वाले चुनाव में सीपीआई (एम) के साथ अपना गठबंधन तोड़ने के लिए भी तैयार नहीं है। ऐसे में संभावना है कि लोकसभा चुनाव में बंगाल में सीपीआई (एम) और कांग्रेस टीएमसी के साथ कोई समझौता न करें। सूत्रों ने यह भी कहा कि कांग्रेस और वाम मोर्चा अपना गठबंधन जारी रख सकते हैं। ऐसे में इंडिया गठबंधन में ममता बनर्जी के बने रहने की संभावना कम होती नजर आ रही है। येचुरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के बैनर तले राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ लड़ना जारी रखेगी, लेकिन पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ गठबंधन का सवाल ही नहीं उठता। मीडिया से बात करते हुए उन्होने कहा, मैं आपमें से अधिकांश को जानता हूं। हमें आपमें से कई लोगों से प्रतिक्रिया पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है टीएमसी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ लेफ्ट कैसे खड़ा हो सकता है। हम भी यह मानते हैं। टीएमसी भाजपा का विकल्प नहीं है और न ही हो सकती है। जब अवसर आता है तो टीएमसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और भाजपा के साथ समझौता कर लेती है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है और भविष्य में भी ऐसा कर सकते हैं। अब सवाल यह है कि लेफ्ट इंडिया गठबंधन में क्यों हैं? इसका जवाब देते हुए येचुरी ने कहा था कि हमें भाजपा को सत्ता से बेदखल करना होगा। उन्होंने कहा, टीएमसी भ्रष्ट, जनविरोधी और लोकतंत्र विरोधी पार्टी है। बंगाल में लोकतांत्रिक चुनाव की अवधारणा नष्ट हो गई है। हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा। हमें लोगों तक पहुंचना होगा।

माकपा ने तेलंगाना में 14 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

हैदराबाद, एजेंसी। सीपीआई (एम) ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी के राज्य सचिव टी. वीरभद्रम ने रविवार को 14 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वीरभद्रम खुद पलेयर से चुनाव लड़ेंगे। करम पुलैया भद्राचलम (एसटी) से, पित्तला अर्जुन असवाराओपेट (एसटी) से, पलाडुगु भास्कर मधिरा (एससी) से, भुक्या वीरभद्रम वायरा (एसटी) से, येरा श्रीकांत खम्मम से और माचरला भारती सथुपल्ली (एससी) से चुनाव लड़ेंगे।

सभी सात सीटें अविभाजित खम्मम जिले में हैं। सीपीआई (एम) ने मिर्यालगुडा, नकिरेकल (एससी), भुवनागिरी, जनागम, इब्राहिमपटनम, पाटनचेरु और मुशीराबाद से भी उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस द्वारा दो सीटों की मांग का जवाब देने में विफल रहने के बाद मार्क्सवादी पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया। उसने ऐलान किया कि वह 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने कांग्रेस के लिए वायरा और मिर्यालागुडा सीटों की मांग को स्वीकार करने के लिए 2 नवंबर की समय सीमा तय की थी।

दिल्ली में प्रदूषण के कारण प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद, क्लास 6 से 12वीं तक चलेंगी

आगरा, एजेंसी।
दिल्ली में दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होती हवा ने स्थिति और गंभीर बना दी है। हालात को देखते हुए हरकत में आई दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने राजधानी के सभी प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, क्लास 6-12वीं तक के स्कूलों के लिए ऑनलाइन क्लासें शुरू करने का ऑप्शन दिया है।

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को ट्वीट किया, चूंकि प्रदूषण का स्तर लगातार अधिक बना हुआ है, इसलिए दिल्ली में प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। क्लास 6-12वीं के लिए स्कूलों को ऑनलाइन क्लास में शिफ्ट करने का विकल्प दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली में हवा की प्रतिकूल स्थितियों और हवाओं के शांत रहने के बीच रविवार को भी लगातार छठे दिन जहरीली धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई)अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में शनिवार शाम 4 बजे एक्यूआई 415 दर्ज किया गया, जो रविवार सुबह 7 बजे और खराब होकर 460 पर पहुंच गया। एनसीआर में एक्यूआई के 450 के पार पहुंच जाने पर केंद्र की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना को लागू किया जाना अनिवार्य है, जिसके तहत प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों, चार पहिया वाले कॉमर्शियल वाहनों और सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाने के साथ आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सीमा के मुकाबले दिल्ली में पीएम 2.5 की सांद्रता 80 से 100 गुना दर्ज की गई है। बीते सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर में तापमान में धीरे-धीरे गिरावट होने, प्रदूषण में सहायक शांत हवा की उपस्थिति और पंजाब तथा हरियाणा में पराली जलाने से वायु गुणवत्ता बहुत खराब हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, 27 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच दिल्ली का एक्यूआई 200 से अधिक अंकों तक बढ़ गया है, जो शुक्रवार को अति गंभीर श्रेणी (450 से ऊपर) में पहुंच गया। 24 घंटे का औसत एक्यूआई हर दिन शाम 4 बजे दर्ज किया जाता है। दिल्ली में शुक्रवार को बीते 24 घंटे का औसत एक्यूआई 468 दर्ज किया गया जो 12 नवंबर, 2021 को दर्ज 471 के बाद सबसे प्रदूषित दिन रहा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के एक विश्लेषण के अनुसार, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में बढ़ोतरी से राजधानी में एक नवंबर से 15 नवंबर तक प्रदूषण उच्च स्तर पर होता है।

जनवरी में श्रीलंका आएगा एक और चीनी जहाज

भारत के करीब चीन की बड़ी साजिश; पनडुब्बी के लिए गुप्त रूट का डेटा जुटा रहा

कोलंबो, एजेंसी।
श्रीलंका में चीन के जासूसी जहाज शी यान-6 के बाद अब जनवरी में एक और चीनी जहाज शियांग येंग हॉन्ग-3 आएगा। ये जहाज 2021 में इंडोनेशिया में अपनी लोकेशन को ऑफ कर चीन की सेना को डेटा भेजते पकड़ा गया था। श्रीलंका के सामरिक विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के जासूसी जहाजों के बार-बार आने के दो मंसूबे हैं।

पहला- भविष्य के समुद्री युद्ध के लिए अपनी पनडुब्बियों (सबमरीन) के लिए समुद्र तल (सी बेड) के नक्शे तैयार करना। दूसरा- समुद्री खनिजों की पड़ताल करना। भारतीय समुद्री सीमा के करीब चीन ये सब रिसर्च के नाम पर कर रहा है। श्रीलंका में मिलेनियम प्रोजेक्ट के फेलो असंगा अभयगुणसेखरा का कहना है कि चीन के सालाना शेड्यूल के अनुसार हर साल दो जासूसी जहाज श्रीलंका पहुंचेंगे।

बंगाल की खाड़ी से ऑस्ट्रेलिया तक 5 हजार किमी लंबी है नाइंटी ईस्ट रिजसमुद्र के भीतर बंगाल की खाड़ी से शुरू होने वाली ये नाइंटी ईस्ट रिज (पहाड़ी चोटी) उत्तर से दक्षिण तक लगभग

5 हजार किमी लंबी है। सतह से दो हजार मीटर नीचे ये पहाड़ी हिंद और प्रशांत महासागर को अलग भी करती है।इसके सर्वे और मैपिंग से चीन को सबमरीन वॉर फेयर में सीक्रेट सबमरीन रूट हासिल हो जाएंगे।

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के समुद्री रक्षा मंच क्वॉड को चीन खतरा मानता है। चीन इसे भयभीत होकर अपनी समुद्री रक्षा तैयारियों में जुटा है।क्वॉड के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र सामरिक रूप से अहम है, चीन यहां अपनी मौजूदगी चाहता है। हिंद महासागर में चीन इलमेनाइट, रूटाइल और मोनेजाइट जैसे खनिजों की खोज के लिए सर्वे कर आंकड़े जुटाता है। पेट्रोलियम पदार्थों की खोज नहीं करता है।इलेक्ट्रॉनिक चिप में ये खनिज महत्वपूर्ण होते हैं। दुनिया भर में इनकी बहुत ज्यादा डिमांड है। वॉशिंगटन के ईस्ट-वेस्ट सेंटर की डॉ. नीलांथी समरनायके का कहना है कि श्रीलंका को पड़ोसी देश भारत की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए चीनी जहाजों को अनुमति नहीं देनी चाहिए। श्रीलंका नई एसओपी बनाए और मंजूरी से पहले भारत को भी साथ ले।

दिल को छू लेने वाला क्षण, जन्मदिन पर सहपाठियों ने दिया सरप्राइज तो बच्चे की आंखों से झलक पड़े आंसू

लंदन, एजेंसी।
जन्मदिन का जश्न हमेशा खास होता है, खासकर बच्चों के लिए। अपने प्रियजनों से आश्चर्यचकित होना, उपहारों से सराबोर होना और दोस्तों के साथ विशेष दिन का आनंद लेना एक बच्चे को उल्लास से भर देता है। हालाँकि, जो लोग वंचित हैं, उनके पास जन्मदिन को शानदार ढंग से मनाने की सुविधा नहीं होती है। लेकिन बदलाव लाने के लिए आर्थिक रूप से स्थिर व्यक्तियों के थोड़े से प्रयास और थोड़ी मानवता की आवश्यकता होती है। दूसरों के लिए एक समान उदाहरण स्थापित करते हुए, एक शिक्षक ने आठ वर्षीय छात्र के लिए एक योजना आयोजित करने की जिम्मेदारी ली, जिसने कभी जन्मदिन की पार्टी नहीं मनाई।

वीडियो के साथ, कहानी साझा करने वाले उपयोगकर्ता ने लिखा, सीमित आय और चार बच्चों के भरण-पोषण के साथ, एंजेल की माँ ने कहा कि उसके पास उसे पार्टी देने के लिए कभी पैसे नहीं थे। लेकिन जब उसकी शिक्षिका कैसास ज़िमेनो को पता चला कि उसका आठवां जन्मदिन आ रहा है, तो उसने और उसकी एक दोस्त ने इसके बारे में कुछ करने का फैसला किया। उन्होंने लड़के के सहपाठियों के साथ, स्कूल में जन्मदिन की पार्टी रख कर उसे सरप्राइज करने की योजना बनाई। इस सरप्राइज की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

इस वीडियो को अब तक 19 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, कितना अच्छा क्षण है। हमें यह एहसास नहीं है कि हमारे अच्छे कार्यों का दूसरों पर कितना गहरा सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मैं हर किसी से, जब भी संभव हो, जीवन के साथ इस दृष्टिकोण को अपनाने का आग्रह करता हूं। क्या किसी का दिन बेहतर बनाना आपके हाथ में है? तो फिर बस यह करो. हर बार। इसे कर ही डालो। बदले में कुछ भी अपेक्षा किये बिना।

जातिगत जनगणना पर रुख में बदलाव के लिए चिदंबरम ने बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को जाति जनगणना मुद्दे पर रुख बदलने के लिए केंद्र पर कटाक्ष किया और कहा कि भाजपा ने अचानक फैसला किया है कि सभी से परामर्श के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक आरक्षण नीति है, तब तक जाति की गिनती होना तर्कसंगत है। एक्स पर एक पोस्ट में चिदंबरम ने कहा, जाति जनगणना के वादे को फूट डालो और राज करो कहकर खारिज करने के बाद, भाजपा ने अचानक निष्कर्ष निकाला है कि इस मुद्दे पर निर्णय सभी से परामर्श के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग हर दूसरे राजनीतिक दल ने जाति जनगणना के विचार का समर्थन किया है। चिदंबरम ने कहा, जब तक आरक्षण नीति है, यह तर्कसंगत है कि जाति की गणना की जानी चाहिए। उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शुक्रवार के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने कभी भी जाति जनगणना के विचार का विरोध नहीं किया, लेकिन वह सभी से परामर्श करने के बाद इस पर उचित निर्णय लेगी। उनका यह बयान कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों द्वारा इस कवायद को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की जोरदार मांग के बीच आया है।

यूएई ने भारत में 50 अरब डॉलर निवेश का किया ऐलान, तिलमिला उठा चीन

अबुधावी एजेंसी। भारत ने एक बार फिर चीन को ऐसा बड़ा झटका दिया है कि ड्रैगन तिलमिला उठेगा। संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश करने की बात कही है। यूएई अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भारत में 50 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान कर सकता है। और यूएई के इस फैसले से चीन का गुस्सा बढ़ना तय माना जा रहा है।

यूएई ने तेजी से बढ़ रही भारत की इकॉनमी पर भरोसा करते हुए इस बड़े निवेश 50 बिलियन डॉलर यानी 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश की बात कही है। चीन जो अपन इकॉनमी को मजबूत करने के लिए विदेशी निवेश को तरस रहा है और भारत को मिल रहे इस निवेश से परेशान हो सकता है। दरअसल, कोविड के बाद से चीन की हालात खराब है। चीन अपनी गिरती इकॉनमी को संभालने में जुटा हुआ है। रियल एस्टेट से मिले झटके ने चीन की इकॉनमी की नींव को हिला कर रखा दिया है। चीन की कंपनियां दिवालिया हो रही है तो वहीं विदेशी कंपनियां साथ छोड़ रही है। इकॉनमी में जान फूंकने के लिए चीन विदेशी निवेश की ताक में है, लेकिन यूएई के इस ऐलान से बड़ा झटका लगा है।

चीन की महत्वकांक्षी परियोजना खटाई में, इटली के बाद इस देश ने भी बीआरआई प्रोजैक्ट से किया किनारा

बीजिंग एजेंसी।
चीन की महत्वकांक्षी एक खरब डॉलर की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव परियोजना परियोजना खटाई में पड़ती दिख रही है। दरअसल कई देश इस परियोजना से हटना शुरू हो गए हैं। कुछ दिन पहले इटली द्वार बीआरआई से बाहर होने फैसले के बाद अब फिलीपींस ने भी चीन की इस परियोजना से अलग होने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि चीन पूरी दुनिया में अपना आर्थिक प्रभाव जमाने की कोशिशों में जुटा है और इस लक्ष्य को पाने के लिए उसने बीआरआई प्रोजैक्ट की शुरुआत की थी, जिसमें कई देशों में चीन विकास परियोजनाओं का निर्माण करने वाला है। हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में बेल्ट एंड रोड फोरम का आयोजन किया था, जिसमें 23 देशों के प्रमुख शामिल हुए थे लेकिन फोरम के कुछ दिनों के भीतर ही इटली और अब फिलीपींस के बाहर होने से चीन की इस अहम परियोजना को बड़ा धक्का पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलीपींस के परिवहन मंत्रालय ने बेल्ट एंड रोड परियोजना से पूरी तरह किनारा करने का ऐलान किया है। फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर भी विवाद चल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी वजह से फिलीपींस ने चीन की परियोजना से अलग होने का फैसला किया है। साथ ही हाल के सालों में बेल्ट एंड रोड परियोजना की गति धीमी हुई है। चीन की आर्थिक ताकत कम हुई है और चीन के बढ़ते कर्ज के जाल से भी कई देश सोचने पर मजबूर हुए हैं।

बताया जा रहा है कि फिलीपींस अब जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के निवेश को मंजूरी देने पर विचार कर रहा है। बता दें कि बेल्ट एंड रोड परियोजना की परिकल्पना साल 2013 में की गई थी और यह परियोजना जिनपिंग के दिमाग की उपज मानी जाती है। इस परियोजना के तहत चीन, एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच जमीनी, समुद्री कनेक्टिविटी बना रहा है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129